

सं० 16]

नई बिल्ली, शनिवार, अप्रैल 19, 1980 (चैत्र 30, 1902)

No. 16]

NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 19, 1980 (CHAITRA 30, 1902)

PUBLISHED BY AUTHORITY

इस भाग में भिन्न पष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके Separate peaging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग III--खण्ड 1 PART III--SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्र क और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संध लोस सेवा ग्राधोग

नई दिल्ली-110011, दिनांस 29फरवरी 1980

सं०पी/70-प्रशा० I---संघ लोग सेवा श्रायोग के नार्यालय में स्थायी श्रमुभाग श्रधिकारी तथा स्थानापक्ष श्रवर सचिव श्री एन० बी० माथुरको राष्ट्रपति द्वारा 29 फरवरी, 1980 (श्रपराह्म) से निवर्तन श्रायु प्राप्त कर लेने के पश्चात् सरकारी सेवा से निवृत्त होने की श्रमुमति प्रदान की गती है।

दिनांक 13 माच 1980

सं० ए० 32014/1/80-अशा० I (ii) — संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग के निम्नलिखित वैयिक्तिक सहायको (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ग II) को, जो सम्प्रति ग्रेड ग स्टेनोग्नाफर के चयन ग्रेड में स्थानापक रूप से कार्यरत हैं, ग्रध्यक्ष द्वारा निम्नलिखित तारीखों से पूर्णतः प्रनन्तिम, श्रस्थायी श्रीर तदर्थ श्राधार पर व० वैयिक्तक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) के पद पर स्थानापक रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है:—

अप्तर्थ नाम प्रविध सं०
 श्री जितन्दर लाल 20-2-80 से 29-4-80 तक

श्री टी० न्नार० मर्मा 25-2-80 से 24-4-80 तक

2. उपर्युक्त व्यक्ति क्षपय टकर लें कि वरिष्ठ वैयक्तिक 26GI/80 सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः ग्रस्थायी ग्रीर तदर्थ ग्राधार पर है श्रीर इससे उन्हें के० स० स्टे० से० के ग्रेड ख में विलयन या वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा।

ARRGISTERED NO. D-(D)-73

एस० बालचन्ध्रन, श्रयर सचिव संघ लोक सेवा ग्रायोग

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 31 मार्च 1980

सं० 10 म्रार० सी० टी० 2 ---इस म्रायोग के म्रांणिक संभोधन म्रिक्ष्म निक्षा 10 म्रार०सी०टी० 2 दिनांक 19-2-80 में केन्द्रीय सतर्कता श्रायुक्त एतद्द्वारा श्री एच० एस० राठौर को 27-3-80 से म्रगले म्रादेण नक म्रनुभाग म्रिक्षारी नियुक्त करते हैं।

कृष्ण लाल मत्होक्षा ग्रवर सचिव कृते केन्द्रीय सतर्कता ग्रायुक्त

(4239)

मृह मंद्यालय

का । एवं प्रवस्ति विशाग

केन्द्रीय प्रत्वेषण उर्यु रो
नई दिल्ली, दिनांक 26 मार्च 1980

सं० ए०-19029/1/78-प्रणा०-5 --राष्ट्रपति प्रपने प्रसाद से श्री के० एन० धर, ग्रायकर ग्राधकारी, ग्रुप 'की', दिल्ली को दिमांन 29 फरवरी, 1980 के पूर्वाह्म से प्रतिनियुवित पर ग्रस्थायी रूप में मुख्य तकनीकी ग्राधकारी (लेखा एवं ग्राय-कर), केन्द्रीय श्रन्थण ब्यूरो, मुख्यालय के रूप में नियुक्त करते हैं।

की० ला० ग्रोकर प्रणासनिक प्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय प्रन्वेषण ब्यूरी

महानिदेशालय, केनीय रिजर्थ पुलिस बल नई दिल्ली-110001, दिलांक 25 मार्च 1980

श्चिपत

सं० श्रो० वो-892/73-स्थापना--इस महानिवेशालय के श्रिष्टिस्चना संख्या पी० सात-2/78-स्थापना दिनांच 3-10-78 का संशोधन करते हुए, श्री गेंवा लाल शर्मा, महानिवेशालय, के० रि० पुलिस बल में संयुक्त सहायक निवेशक (लेखा) के पद वर्ष नियमित रूप से दिनांक 15-9-78 से पदोक्षति किए जाते हैं।

एस० सी० विश्वार्थी उप-निदेशक (स्थापना)

नई दिल्ली-110001, दिनांक मार्च 1980

सं० श्री० थी 1445/79—स्थापना:—महानिदेशक, केन्सीय रिजर्थ पुलिस बल ने डाक्टर (श्रीमती) ज्योत्सना क्षियेती को 15-3-80 के पूर्वाह्म से केयल शीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक धनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्सीय रिजर्थ पुलिस बल में कानिष्ट चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

के० ग्रार० के० प्रसाद सहायक निदेशक (प्रशा०)

महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा वल नई दिल्ली-110019, दिनांक 27 मार्च 1980

भं० ई० 38013(3)/11/79--कार्मिक--मिरिया से स्थानांतरित होने पर श्री एन० जी० दसा गुप्ता ने 11 मार्च, 1980 के पूर्वा हा से के० श्री० सु० ब० यूनिट एम० ए० एम० सी० दुर्गापुर सहायक अमांक्षेट के पद का कार्यभार संभाव लिया।

दिनांक 28 मार्च 1980

सं० ई०-16013(2)/2/79-कामिक--प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरित होने पर श्री एन० श्रार० दास, भा० पु० से० (प० ब० 73) ने 10 मार्थ, 1980 के पूर्याह्म से के० श्री० सु० ब० यूनिट, ए० एस० पी०, दुर्गापुर के कमां धेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

> एस० नाथ महानिरीक्षक

विसा मंद्रालय ग्राधिक कार्य विभाग बैक नोट मुक्रणालय

देवास, दिनांक 25 मार्च, 1980

सं० बी० एन० पी०/सी/5/80--श्री एस० चन्द्रशेखरन, लेखा ग्रांधकारी कार्यालय महालेखाकार-I वेस्ट थंगाल को अति-नियुक्ति पर लेखा ग्रांधकारी (लागत) के पद पर २पये 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में बक्त नोट मुक्षणालय, देवास में विनांक 14-3-80 (पूर्वाह्म) से 3-3-81 तक नियुक्त किया जाता है।

> पी० एस० शिवराम महाध्रयन्थक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय : निर्देशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली-2, दिनांक 31 मार्च 1980

सं ० प्रणा । का ० घा ० सं ० 672 -- इस कार्थालय के स्थाना-पन्न लेखापरीक्षा ग्रधिकारी (एक स्थायी ग्रनुभाग ग्रधिकारी) श्री ग्रर्जन दास गृप्ता की दिनांक 25 फरवरी, 1980 को मृत्यु हो गई।

> (ह०) भ्रपठनीय संयुक्त निदेशक, ले०प० (प्रणा०)

महालेखाकार काकार्यालय, कर्नाटक बैंगलोर, दिनांक 7 फरवरी 1980

सं० स्था० I/ए० 4/79-80/982---- महालेखाकार, इस कार्यालय के निम्न लिखित स्थायी श्रनुभाग श्रधिकारियों को उसके वरिष्ठों के बिना प्रतिकूल प्रभाव डाले, श्रगले श्रादेश जारी होने तक, लेखा अधिकारी पद में, उस पद का कार्यभार ग्रहण कर ने का दिनांध में के बन अस्थायी रूप में पदोस्नत करने हैं :---

- 1. श्री डी० सत्प्रजीवनराम,
- 2 श्री संकर मासी।

ये पदोन्नत सन 1978 के सर्वोच्च न्यायालय के लेख याचिका नं० 4367 के श्रंतिम नतीजों के श्रधीन रहते हैं।

> एम० ए० सौन्दरराजन वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रणा०)

श्रम मंत्रालय

खान सुरक्षा महानिवेशालय

धनबाद, विनांक 15 नवम्बर 1979

- सं० 9 (1)/77-प्रणासन-I/19271--(1) धनबाद क्षेत्र संख्या 1 स्थानान्तरित होने पर श्री ए० श्रोभ, खान सुरक्षा मंपुक्त निदेशक (व्यावमायिक प्रशिक्षण) धनबाद ने ग्राने पद का कार्यभार 28 जून, 1977 श्राराह्म को त्यागकर धनबाद क्षेत्र संख्या 1 का पद भार 29 जून, 1977 पूर्वाह्म को ग्रहण किया।
- (2) खान सुरक्षा निदेशक (मुख्यालय) धनबाद स्थानान्त-रित होने पर श्री एम० पी० श्रीवास्तव, खान सुरक्षा संयुक्त निदेशक धनबाद क्षेत्र संख्या 1 ने ग्रयने कार्यालय का पद भार 15 जून, 1977 ग्रयराह्म को त्याग कर खान युरक्षा संयुक्त निदेशक (मुख्यालय), धनबाद का पदभार 4 जुलाई, 1977 पूर्वाह्म को ग्रहण किया।
- (3) स्रोतारामपुर क्षत्र संखाां → 3 सीतारामपुर स्थानान्त-रित होते पर श्री लाल मोहन मिश्र, खान सुरक्षा b संयुक्त निदेगह (एम० ग्राई० डी० → 2) धनबाद ने ग्रापने कार्यालय का पद भार 6 जनवरी, 1977 ग्रापराह्न को त्याग कर खान सुरक्षा संयुक्त निदेशक, सीतारामपुर क्षेत्र संखा → 3 सीतारामपुर कार्यालय का पद भार 15 जनवरी, 1977 ग्रापराह्म को ग्रहण किया।
- (4) खान सुरक्षा तंपुना निदेशक (एस० ग्राई० डी०-2), धनबाद स्थानान्तरित होने पर श्री प्रेम बासुदेव, खान सुरक्षा तंपुनत निदेशक, धनबाद ने ग्रपने कार्यालय का पद भार 10 जनवरी, 1977 पूर्वाह्म को त्याग कर खान सुरक्षा तंयुक्त निदेशक (एस० ग्राई० डी०-2) धनबाद कार्यालय का पद भार उसी समय ग्रहण किया।
- (5) धनबाद क्षेत्र संख्या-3, धनबाद स्थानान्तरित होने पर श्री सतीन्दर कुमार, खान सुरक्षा उप निदेशक (मुख्यालय), धनबाद ने ग्रपने कार्यालय का पद भार 16 मई, 1977 पूर्वाह्म को त्याम कर खान सुरक्षा उपनिवेशक का पद भार उसी समय ग्रहण किया।
- (6) नागपुर स्थानान्तरित होने परश्री एस० के० मुखर्जी, खान सुरक्षा उप निदेशक, अजमेर, ने अपने कार्यालय का पद भार 5 दिसम्बर, 1977 श्रथराह्न को त्याग कर खान सुरक्षा उप निवेशक, नागपुर कार्यालय का पद भार 19 दिसम्बर, 1977 पूर्वीह्न को प्रहण किया।

- (7) बेलारी उप क्षेत्र, बेलारी स्थानान्सरित होनेपर श्री योगेन्द्र सिंह, खान सुरक्षा उप निदेशकः (स्थाव-सायिक प्रशिक्षण), उरगांव ने धपने कार्यालय का पद भार 2 मई, 1977 धपराह्म को त्याग कर खान सुरक्षा उप निदेशक, बेलारी उपक्षेत्र, बेलारी कार्यालय का पद भार 7 मई, 1977 पूर्वाह्म को ग्रहण किया।
- (8) परीक्षा अनुभाग, धनबाद से स्थानान्तरित होने पर श्री सतीश चन्द्र बतरा, खान सुरक्षा उप निदेशक, धनबाद क्षेत्र संख्या→2, धनबाद ने श्रपने कार्यालय का पदभार 3 जनवरी, 1977 श्रपराह्म को त्याग करखान सुरक्षा उप निदेशक (परीक्षा अनुभाग) धनबाद कार्यालय का पदभार उसी समय ग्रहण किया।
- (9) धनबाद स्थानान्तरित होने पर श्री सुरेन्द्र नाथ पाढ़ी खान सुरक्षा उपनिदेशक, नेलोर उप क्षेत्र नेलोर ने श्रपने कार्यालय का पद भार 6 जनवरी, 1977 श्रपराह्म को त्याग कर खान सुरक्षा उपनिदेशक (एम० डी०) धनबाद कार्यालय का पद भार 17 जनवरी, 1977 पूर्वाह्म को ग्रहण किया।
- (10) नेलोर उपक्षेत्र, नेलोर स्थानान्तरित होने पर श्री पी० बालासुन्नामानियम, खान सुरक्षा उपनिदेशक, बेलारी उप क्षेत्र, बेलारी ने ग्रपने कार्यालय का पद भार 15 जनवरी, 1977 ग्रपराह्म को त्याग कर खान सुरक्षा उप निदेशक, नेलोर उपक्षेत्र, नेलोर कार्यालय का पद भार 25 जनवरी, 1977 पूर्वाह्म को ग्रहण किया ।
- (11) सीतारामपुर क्षेत्र संख्या-3 सीतारामपुर स्थानान्तरित होने पर श्री डी० एम० पान्डा, खान सुरक्षा उपनिदेशक, सीतारामपुर क्षेत्र संख्या-2 सीतारामपुर ने ध्रपने कार्यालय का पद भार 1 (पहली) ध्रगस्त, 1977 ध्रपराह्म को त्याग कर खानसुरक्षा उपनिदेशक, सीता-रामपुर क्षेत्र संख्या-3 सीतारामपुर कार्यालय का पद भार 2 ध्रगस्त, 1977 पूर्वाह्म को ग्रहण किया।
- (12) ग्रजमेर स्थानान्तरित होने पर श्री ए० ताथुमाम्था, स्नान सुरक्षा उप निवेशक, सहस्रेल क्षेत्र, शहडोल ने ग्रपने कार्यालय का पद भार 1ली जून, 1977 ग्रपराह्म कोरपाय करस्तान सुरक्षा उप निवेशक, ग्रजमेर कार्यालय का पद भार 9 जून, 1977 पुर्वाह्म को ग्रहण किया।
- (13) शहडोल क्षेत्र, शहडोल स्थानान्तरित होने पर श्री तपन कुमार मजुमदार, खाम सुरक्षा उपनिदेशक, धनबाद क्षेत्र संख्या-- 3 धनबाद ने ग्रपने कार्यासय का पद भार 2 जून, 1977 ग्रपराह्म को त्याग कर खान सुरक्षा उपनिदेशक, शहडोल क्षेत्र, शहडोल कार्यालय का पद भार 9 जून 1977 पुर्वाह्म को ग्रहण किया।
- (14) सीतारामपुर क्षेत्र संख्या-2 सीतारामपुर स्थानान्तरित होने पर श्री ग्रार० सी० चौघरी, खान सुरक्षा उप-निदेशक, सीतारामपुर क्षेत्र संख्या-3, सीतारामपुर ने भ्रपने कार्यालय का पद भार 1सी ग्रगस्त, 1977

- श्रपराह्म को त्याग कर खान भुरक्षा उप निवेशक, सीतारामपुर क्षेत्र संख्या → 2 सीतारामपुर कार्यालय का पद भार 2 श्रगस्त, 1977 पूर्वाह्म को ग्रहण किया।
- (15) मह्डोल क्षेत्र, मह्डोल स्थानान्तरित होने पर श्री ग्रोम प्रकाम, खान सुरक्षा सहायक निदेशक, डिगबोई क्षेत्र, डिगबोई ने अपने कार्यालय का पद भार 8 जून, 1977 श्रपराह्म को त्याग कर खान सुरक्षा सहायक निवेशक, मह्डोल क्षेत्र, मह्डोल कार्यालय का पद भार 23 जून, 1977 पूर्वाह्म को ग्रहण किया।
- (16) डिगबोर्ड क्षेत्र, डिगबोर्ड स्थानान्तरित होने पर श्री डी० के० श्रीवास्तव, खान सुरक्षा सहायक निदेशक, कोडरमा क्षेत्र, कोडरमा ने श्रपने कार्यालय का पद भार 13 जून, 1977 अपराह्म को त्याग कर खान सुरक्षा सहायक निदेशक डिगबोर्ड क्षेत्र, डिगबोर्ड कार्यालय का पद भार 10 श्रगस्त, 1977 पूर्वाह्म को ग्रहण किया।
- (17) रांची स्थानान्तरित होने पर श्री के० के० सर्मा, खान सुरक्षा सहायक निदेशक धनबाद ने श्रपने कार्यालय का पद भार 14 जनवरी, 1977 श्रपराह्म को त्याग कर खान सुरक्षा सहायक निदेशक, रांची कार्यालय का पद भार 21 फरवरी, 1977 पूर्वाह्म को ग्रहण किया।
- (18) खान सुरक्षा उपनिदेशक (विद्युत) सेपीकाम, धनबाद स्थानान्तरित होने पर श्री सी॰ डी॰ बजाज, खान सुरक्षा उप निदेशक (विद्युत) धनबाद ने अपने कार्यालय का पद भार 31 मई, 1977 श्रपराह्म को त्याग कर खान सुरक्षा उप निदेशक (विद्युत) सेपीकाम, धनबाद कार्यालय का पद भार उसी समय ग्रहण किया।
- (19) रांची विद्युत सिकल रांची स्थानान्तरित होने पर श्री ग्रो०पी० मालवीय, खान सुरक्षा उपनिदेशक (विद्युत) धनबाद ने ग्रपने कार्यालय का पद भार 12 ग्रप्रैंल, 1977 ग्रपराह्म को त्याग कर खान सुरक्षा उप निदेशक, (विद्युत), रांची विद्युत सिक्ष्म, रांची कार्यालय का पद भार 22 ग्रप्रैंल, 1977 पूर्वाह्म को ग्रहण किया।
- (20) धनबाद विद्युत सर्किल, धनबाद स्थानान्तरित होने पर श्री डी० के० राव, खान सुरक्षा उप निदेशक (विद्युत), मुख्यालय धनबाद, ने अपने कार्यालय का पद भार 1ली श्रप्रैल 1977 पूर्वाह्न को त्याग कर खान सुरक्षा उप निदेशक (विद्युत), धनबाद विद्युत सर्किल, धनबाद कार्यालय का पद भार उसी समय ग्रहण किया।
- (21) धनबाद विद्युत सिकल, धनबाद स्थानान्तरित होने पर श्री भ० गौरी शंकर राव, खान सुरक्षा उप निदेशक, (विद्युत) मुख्यालय धनबाद ने ग्रपने कार्यालय का पव भार 6 जुलाई, 1977 पूर्वाह्न को त्याग कर खान सुरक्षा उप निदेशक (विद्युत) धनबाद विद्युत सिकल, धनबाद कार्यालय का पद भार उसी समय ग्रहण किया।
- (22) राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, विल्ली स्थानान्तरित होने पर डा० बी० एन० मित्तल, खान सुरक्षा उप

- निदेशक (आई० एंच०) मुख्यालय धनबाद ने अपने कार्यालय का पद भार 7 मार्च 1977 अपराह्म को त्याग दिया।
- (23) मुख्यालय, धनबाद स्थानान्तरित होने पर डा० (श्रीमती) ऊषा घटर्जी, खान सुरक्षा सहायक निदेशक (श्राई० एच०) ग्रेड-I मध्य क्षेत्र, धनबाद ने अपने कार्यालय का पद भार 20 जून, 1977 पूर्वीह्न को त्याग कर खान सुरक्षा सहायक निदेशक (ग्राई० एच०) ग्रेड-I मुख्यालय, धनबाबाद कार्यालय का पद भार छसी दिन अपराह्म में ग्रहण किया।
- (24) मध्य क्षेत्र, धनबाद स्थानान्तरित होने पर डा० बी० एन० ठाकुर, खान सुरक्षा सहायक निदेशक (म्राई० एच०) ग्रेड—II मुख्यालय धनबाद ने भ्रपने कार्यालय का पदभार 4 जून, 1977 मराह्न को त्थाग कर खान सुरक्षा सहायक निदेशक (म्राई० एच०) ग्रेड—II मध्य क्षेत्र धनबाद कार्यालय का पद भार उसी समय ग्रहण किया।

चन्द्र प्रकाश, खान सुरक्षा महानिदेशक

वाणिज्य एवं नागरिक स्नापूर्ति मंत्रालय (वाणिज्य विभाग)

मुख्य नियंत्रक, घायात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 25 मार्च 1980 धायात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

सं० 6/1136/76—प्रणासन (राज०)/1707—सेवा निवृत्ति की ग्रायु होने पर, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में श्री एस० एस० बोरकर नियंत्रक, आयात-निर्यात ने 29 फरवरी, 1980 के दोपहर बाद से उस कार्यालय में भ्रपने पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

दिनांक 26 मार्च 1980

सं० 6/1202/77-प्रशासन (राज०)/1830---सेवा निवृत्ति की भ्रायु होने पर, केन्द्रीय सिवबालय सेवा के व-4 के अधिकारी, श्री चन्द्र किरण ने 31 जनवरी, 1980 के दोपहर बाद से इस कार्या-लय में नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० 6/1316/79 -प्रशासन (राज०)/1839—सेवा निवृत्ति की ग्रायु होने पर, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में श्री एस० ए० महाधिक नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात ने 31 प्रक्तूबर, 1979 के वोपहर बाद से उस कार्यालय में ग्रपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० 6/808/67-प्रशासन (राज०)/1846--सेवा निवृत्ति की भ्रायु होने पर, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में श्री के० भ्राई० जिज्ञासी नियंत्रक, भ्रयात-निर्यात ने 29 फरवरी, 1980 के दोपहर बाद से इस कार्यालय में ग्रपने पद का कार्यभार छोड दिया ।

> पी० सी० भटनागर उप मुख्य, नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय

भौद्योगिक विकास विभाग

विकास ग्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 31 मार्च 1980

सं० 12(74)/61-प्रशासन (राज०):—राष्ट्रपतिजी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, ब्रिचूर के उपनिदेशक (कांच/मृत्तिका)—श्री पी० गोपीनाथन् को दिनांक 17 मार्च, 1980 (पूर्वाह्म) से श्रगले श्रादेशों तक के लिए, विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय में तदर्थ श्राधार पर निदेशक, ग्रेड—2 (कांच/मृत्तिका) के पद पर नियुक्त करते हैं।

महेन्द्र पाल गुप्त उपनिदेशक (प्रशा०)

विस्फोटक विभाग

नागपुर, दिनांक 28 मार्च 1980

सं० ई०-II (7)--इस विभाग के दिनांक 11 जुलाई, 1969 के प्रिधसूचना सं० ई०-II (7) में श्रेणी 3 प्रभाग 1 के प्रश्रीन "सालिजेक्स" प्रविष्टि के पश्चात् "सालिमक्स विनिर्विष्ट स्थलों पर 31-3-81 पर्यन्त ।विनिर्माण एवं क्षेत्र प्रभिप्रयोग हेतु" जोड़ा जायें।

इंगुव नरसिंह मूर्ति मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

पूर्ति तथा निवटान महानिदेशालय (प्रशासन भ्रनुभाग-I)

नई दिल्ली, दिनांक 22 मार्च, 1980

सं ० प्रo—I/1 (1155)/80——महानिवेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा पूर्ति तथा निपटान निदेशक, मद्रास के कार्यालय में अधीक्षक श्री भ्रार० सी० जैन को दिनांक 12-3-1980 के पूर्वाह्म से पूर्ति तथा निपटान निदेशक, बम्बई के कार्यालय में तदर्थ भ्राधार पर स्थानापश्च रूप से सहायक निदेशक (ग्रेड II) के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री श्रार० सी० जैन की सहायक निवेशक (ग्रेड II) के रूप में पवीक्षति पूर्णतः श्रस्थाई श्रीर तवर्थ श्राधार पर उनसे श्रन्यथा वरिष्ठ श्रधिकारियों के श्रधिकार पर विपरीत प्रभाव डाले बिना होगी श्रीर उन्हें वर्तमान स्थानापन्न व्यवस्था के श्राधार पर भविष्य में पदोन्नति का दावा करने का हक नहीं होगा।

दिनांक 25 मार्च 1980

सं० प्रo-I/1 (1149)—पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, कलकत्ता में स्थानापन्न सहायक निदेशक (मुकदमा) (ग्रेड I) श्री बी० सी० मुखर्जी निवृत्तमान श्रायु होने पर दिनांक 29-2-1980 के श्रपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गर्ये हैं।

कृष्ण किशोर उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

इस्पात खान ग्रीर कोल मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय खान ब्यूरी

नागपुर, दिनांक 27 मार्च 1980

सं० ए० 19012/126/80—स्था० ए०—विभागीय पदोन्तित सिनिति की सिकारिश पर श्री व्ही० एस० कुन्डूरकर, स्थाई वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूवैज्ञानिक) को दिनांक 18 मार्च, के पूर्वाह्न से ग्रागमी ग्रादेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में वर्ग "ब" के पद में स्थानापन्त सहायक खनन भूवैज्ञानिक के रूप में पदोन्नति प्रदान की जाती है।

एस० व्ही० ग्रली कार्यालय ग्रध्यक्ष भारतीय खान व्यूरो

भारतीय सर्वेक्षण विभाग महासर्वेक्षक का कार्यालय

वेहरादून, दिनां ह 25 मार्च 1980

सं० सीं०-5611/707--श्री एस० एल० खन्ता, सर्वेक्षक, सिलेक्शन ग्रेड 12 मार्च, 1979 पूर्वाह्न से, भारतीय सर्वेक्षण विमाग में ग्रीधकारी सर्वेक्षक (ग्रुप "बी") के पद पर 650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 दाएक वेजनान गेंस्यानापन्न रूप में पूर्णतया तदर्थ ग्रानिन्तम आधार पर नियुक्त किए जाते हैं।

कें० एल० खोसला मेजर जनरल भारत के महासर्वेक्षक (नियुक्ति प्राधिकारी)

श्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनाक 11 मार्च 1980

सं० ए०-19011/1/80-एस० पांच—महानिदेशका, आकाश-वाणो, एतदद्वारा श्री बी० कॅ० मित्र, वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी, मभाचार सेवाप्रभाग, आकाशवाणी, दिल्ली को 25 फरवरी, 1980 के पूर्वात्व से आकाशवाणी महानिदेशालय, नई दिल्ली में लेखा निरीक्षक के पद पर पूर्णतः तदर्थ पदक्षमता में स्थानादन्न रूप सं कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति श्री एम० राम-चन्द्रन, लेखा निरीक्षक, श्राकाणवाणी महानिदेशालय, जो दूरदर्शन केन्द्र, बम्बर्ड में उप निदेशक (प्रशासन) नियुक्त किए गए हैं, के स्थान पर की गई है।

2. स्थानापन्न रूप से लेखा निरीक्षक के पद पर कार्य कर रहे श्री बी० के० मित्र द्वारा निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के कारण वे 29 फरवरी, 1980 के पूर्वीह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

> एस० वी० सेषादि प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

सूबना **ग्र**ौर प्रसारण मंत्रालय फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 22 मार्च 1980

सं० ए० 20011/2/73-सिबन्दी-I--फिल्म प्रभाग को स्वायत्त बनाने के लिए बनाए हुए वर्गीग ग्रुप के समापन होने पर श्री ग्रार० इटणमोहन, स्थानापन्न रिसर्च श्रीधकारी बिनांक 29-2-1980 के दुपरान्ह से फिल्म प्रभाग बम्बर्ड में स्क्रिप्ट रायटर (केन्द्रीय सूचना सर्विम के ततीय श्रेणी) के पद पर प्रत्यावतित किया।

दिनांक 24 मार्च 1980

सं० 5/24/69-सिबर्न्दा-I---फिल्म प्रभाग के बम्बर्ड क्रेक्स स्यानापन्न लेश्वाऊट म्नार्टिस्ट, श्री डी॰ टी॰ रोकड़े, दिनांक 18-10-1979 के दूपरान्ह से उनके स्थायी बैकग्राउन्ड भ्रार्टीस्ट के पद पर प्रत्यावितित किए हैं।

दिनांत 25 मार्च 1980

सं० 6/8/55-- िमबन्दी-- ि--- फिल्म प्रभाग के मुख्य निर्मीता ने फिल्म प्रभाग के नई दिल्ली के स्थानापन्न अधीक्षवा, श्री डि॰ एन० पान्डे को दि० 11-2-80 के पूर्वाह्म से समान कार्यालय में सहायक प्रशासकीय श्रधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

नरेन्द्र नाथ शर्मा, सहायक प्रणासकीय क्रधिकारी, **कृते** मुख्य निर्माता

ग्रामीण पुनर्निमणि मन्त्रालय विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीदाबाद, दिनांक 26 मार्च 1980

सं० ए० 19025/12/80-प्रशा० III:---संघ लोक सेवा प्राथोग की संस्तृतियों के अनुसार श्री गोपाल चन्द्र सेन को इस निदेशालय के श्रधीन गोहाटी में तारीख 19-2-80 (पूर्वाह्न) से अगले अदिग होने तह स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग —I) के रूप में नियुक्त किया गया ह।

मं० ए० 19025/14/80~प्रशा० III---संघ लोक सेवा अत्योग की संस्तुतियों के अनुसार श्री मनमोहन सरूप गुप्ता को इम निदेशालय के अधीन मद्रास में तारीख 10-3-80 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्गा) के रूप में नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19025/25/79-प्रशा० 111--संघ लोक सेवा। स्र.योग की संस्तुतियों के अनुसार श्री रामसागर सिंह और श्री एस० ए० शमसी को इस निदेशालय के श्रधीन नागपुर और फरीदाबाद में कनगः तारीख 28-1 80 और 7-2-80 से श्रगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन श्रधिकारी (वर्ग-I) के रूप में नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19025/26/80-प्रशा० III--संघ लोक सेवा ग्रायोग की संस्तुतियों के ध्रनुसार श्री लल्लनराय को तारीख 28-1-1980 से ग्रगले श्रावेग होने तक स्थानापन्न महायक विपणन श्रीधकारी (वर्ग-I) के रूप में नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19025/29/79-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा ध्रायोग की संस्तृतियों के श्रनुसार श्री तिपुरारी सत्यनारायण को इस निवेशालय में गुन्दूर में तारीख 12-2-80 (पूर्वाह्र) से श्रगले श्रादेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन-श्रिधकारी (वर्ग I) के रूप में नियुक्त किया गया है।

दिनांक 27 मार्च 1980

सं० ए० 19025/80/78-प्रशार्III— विभागीय पदोन्नति सिमिति (वर्ग-ब) की संस्तुतियों के अनुसार निम्निलिखित श्रिष्टिकारियों को जो तवर्थ आधार पर सहायक विपणन श्रिष्टिकारी के रूप में काम कर रहे हैं, तारीख 10-3-1980 से अगले श्रादेश होने तक नियमित आधार पर स्थानापन्न सहायक विपणन श्रिष्टिकारी (वर्ग I) के रूप में नियुक्त किया गया है:——

(1) सर्वश्री एस० के० मिलक, (2) एस० डी० कथलकर, (3) के० एन० गुप्ता, (4) ग्रार० के० पाण्डे, (5) एम० जगन मोहन राव, (6) डी० ग्रार० के० सिंह (7) श्रीमती सुसन नैयर (8)सर्वश्री एस. नुहूं कन्नू (9) एस० सूर्यनारायण मूर्ति, (10) जी० एस० शास्त्री, (11) सी० एम० गिरधर (12) एन० एस० जेरमापति राव।

शुद्धिपत्र

सं० ए० 19025/1/80-प्रणा०-III—इस मिदेणालय की अधित्वनभ संख्या सम तारीख 26-2-80 में श्रीमती भार० लिलता की ग्रल्पकालीन भाधार पर सहायक विपणन भिष्ठकारी (वर्ण-I) के रूप में नियुक्ति की तारीख को 19-1-1980 (पूर्वाह्न) के बजाय 9-1-1980 (पूर्वाह्न) पढ़ा जाय।

बी० एल० मिसहार निवेशक प्रशासन कृते कृषि विपणन सलाहकार

राजस्थान परमाणु विश्वुत परियोजना

टोटा, दिनांक 27 मार्च 1980

सं० रापविष/भर्ती/3(2)/80/स्थ०/863 दिनांक 27-3-80— राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना इंजी-नियर इस परियोजना में वर्तमान में कार्यरत निम्नलिखित श्रराजपित तकनीकी स्टाफ को प्रत्येक के नाम के सामने लिखे गए ग्रेड में व उनके सामने दर्शाई गई तारीखों से श्रगले झादेश होने तक के लिए इसी परियोजना में श्रस्थाई रूप से नियुक्त करते हैं:--

ऋ० सं०	नाम तथा पदनाम	पद जिस पर नियुक्त हुए हैं	कार्यभार संभालने की तारीख
1.	श्री भोजराजू बाताराम मूर्ती, वैज्ञानिक स०''सी०''	वैज्ञानिक श्रधिकारी/ इंजीनियर ग्रेड एस० बी०	1,-2-80
2.	श्री प्रमोद यशवन्त लेले, वैज्ञानिक सहायक ''सी''	वही	1-2-80
3.	श्वी राजेन्द्र प्रसाद, ड्राफ्टसमैन ''सी''	वही	1-2-80
4.	श्री कृष भूषण भटनागर, ड्राफ्टसमेंन ''सी''	वही	1-2-80

गोपाल सिंह प्रशासन श्रधिकारी (स्थापना) वास्ते मुख्य परियोजना इंजीनियर

परमाणु ऊर्जा विभाग रिएक्टर ग्रनुसंधान केन्द्र

कलपाक्कम, दिनांक 15 मार्च 1980

सं० ए० 32023/1/77/म्रार०-3589—रिएक्टर म्रानुसंधान केन्द्र के परियोजना निर्देशक ने एतद्वारा इस केन्द्र के स्थायी सहायक लेखापाल श्री के० एम० वेलायुधन को 5 मार्च, 1980 के पूर्वाह्म से भ्रगले म्रादेश तक के लिए तदर्थ श्राधार परस्थानापन्न रूप से सहायक लेखा श्रधिकारी नियुक्त किया है।

ए० सेतुमाधवन, प्रशासनिक श्रधिकारी

पर्यटन तथा नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई विल्ली, दिनांक 25 मार्च 1980

दिनांक 27-7-1979 से प्रगला प्रादेश मिलने तक भारतीय

सं० ६० (1) 05168—मौसम विज्ञान के महानिवेशक, श्री एन० क्रुष्णमूर्ति व्यावसायिक की जो सम्प्रति बम्बई महानगर की नगर निगम में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत हैं, को इस विभाग में मौसम सेवा समूह "ब" (केन्द्रीय सेवा समूह ब) में सहायक मौसम विज्ञानी के रूप में प्रपन्न प्रोन्नित को प्रनुमोदित करते हैं।

> ्रके० मुखर्जी मौसम विज्ञानी कृते मौसम विज्ञान महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 मार्च 1980

सं० ए० 31014/2/79-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन निम्निलिखित श्रीधकारियों को दिनांक 1-1-80 से नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में सहायक संचार श्रीधकारी के ग्रेड में स्थायी रूप से नियक्त करते हैं।

अधिकारा के ग्रेड म स्थाया रूप स नियुक्त करत है।		
%० नाम	तैनाती स्टेशन	
सं०		
1. श्री एस शंकर नारायण	वैमानिक संचार स्टेशन, बंगलौर	
2. श्री एस० डी० चौपरा	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	
3. श्रीजे० जार्ज .	वैमानिक संचार स्टेशन, गोहाटी	
4. श्रीएम० के० कुरिया	वैमानिक संघार स्टेशन, भोपाल	
5. श्रीपी०सी० के० नायर	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास	
 श्री पी० एन० मलिक 	वैमानिक संचार स्टेशन, नई दिल्ली	
7. श्री टी० वी० नटराजन	वैमानिक संचार स्टेशन, वस्बई	
8. श्री एस० एस० दक्ता	वैमानिक संचार स्टेशन, टकली	
9. श्रीए०एल०चोढ़ा .	वैमानिक संचार स्टेशन, नई दिल्ली	
10. श्री एस० एन० सैन .	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता	
1.1. श्रीके०राय ,	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता	
12. श्री सी० ग्रार० नारायण	वैमानिक संचार स्टेशन, बङ्गौदा	
13. श्री सैवाल गुप्त .	वैमानिक संचार स्टेशन, पटना	
14. श्रीए० के० मखर्जी .	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता	
15. श्री के० एस० गोपाल	वैमानिक संचार स्टेशन, भुज	
1.6. श्री एन० के० बी० मेनन	वैमानिक संचार स्टेशन, श्रौरंगा-	
	बाद	
17. श्रीबी० के० विश्वास	वैमानिक संचार स्टेशन, सिलछर	
18. श्री बी० एन० करंजिया	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता	
19. श्रीपी० एन० दास .	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता	
20. श्री के० राजगोपालन	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	
21. श्रीजी० के०राव .	वैमानिक संचार स्टेशन, इन्दौर	
22. श्री एम० सुब्रह्मण्यम्	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	
23. श्री एस० एन० दत्त	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता	
2.4. श्रीएम०पी० मलकानी	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	
25. श्री श्रार० एन० मुखर्जी	बैमानिक संचार स्टेशन, भुवनेश्वर	
26. श्री पी० एन० कुपुस्वामी	वैमानिक संचार स्टेशन, नई	
. 3,	दिल्ली ।	
27. एस० ग्ररोकियम .	वैमानिक संघार स्टेशन, कलकत्ता	
28. श्री ए० एस. कत्वारे.	वैमानिक संचार स्टेशन, नागपुर	
29. श्री गुरुमेल सिंह	वैमानिक संचार स्टेशन, पालम	

दिनांक 27 मार्च 1980

सं ०ए० 32014/3/79-ई०ए०--- महानिदेशक नागर विमानन श्री एच० सी. राय, विमानक्षेत्र सहायक को दिनांक 17 मार्च, 1980, से एक वर्ष की श्रवधि के लिए या पद के नियमित रूप में भरे जाने तक, इसमें जो पहले हो, तदर्थ श्राधार पर महायक विमान-क्षेत्र श्रिधकारी के रूप में नियुक्त करते हैं। श्री राय को वलव ता एयरपोर्ट दम-दम पर तैनात किया जाता है।

> एन० ए० पी० स्वामी, सहायक निदेशक (प्रशासन)

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निर्देशालय सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नई दिल्ली, दिनांक 25 मार्च 1980

सं० 6/80---श्री एस० रामवास शर्मा ने, जो कि पहले, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहतिलय हैं दराबाद में अधीक्षक [श्रान्तरिक लेखा परीक्षा] के रूप में कार्य कर रहे थे, निदेशालय के दिनांक 20-2-80 के आदेश फा० सं० 1041/41/79 के द्वारा स्थानान्त-रित होने पर, निरीक्षण एवम् लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा शुल्क एवम् केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, के केन्द्रीय प्रादेशिक एकक, हैदराबाद में दिनांक 5-3-80 (श्रपराह्म) से निरीक्षण श्रीवकारी ग्रुप "ख" (सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

दिनांक 28 मार्च 1980

सं० 4/80---श्री पी० एस० म्राह्लूवालिया ने, जो कि हाल में सीमा शुल्क गृह बंबई में सहायक समाहर्ता के पद पर कार्यकर रहे थे, राजस्वविभागके दिनांक 30-11-79 के श्रादेश सं० 185/79 के द्वारा स्थानान्तरित होने पर दिनांक 6 मार्च, 1980 (पूर्वाह्म) से नि० व ले० प० नि०, सी० के० उ० शु० बम्बई स्थित, पश्चिमी प्रादेशिक यूनिट में निरीक्षण प्रधिकारी (सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) ग्रुप के के पद का कार्य भार सम्भाल लिया।

सं० 5/80---केन्द्रीय उत्पादन णुल्क समाहर्तालय, कानपुर, के श्री श्रार० सी० गुप्ता ग्रधीक्षक, (केन्द्रीय उत्पादन णुल्कः) (ग्रुप 'ख') ने, निदेणालय के दिनांकः 27-2-80 के श्रादेण सी० सं० 1041/41/79 के अन्तर्गत, नि० ले० प० नि० सी० के० उ० शु० के नर्ष दिल्ली स्थित मुख्यालय में स्थानान्तरित होने पर, दिनांकः 10-3-80 (पूर्वाह्म) को निरीक्षण श्रधिकारी (सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्कः) ग्रुप 'ख' के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

कु० रेखी निरीक्षण निदेशक निर्माण महानिदेशालय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 31 मार्च 1980

सं० 1/275/69-ई० सी०-9-⊷इम विभाग के विरुष्ठ वास्तुर्विद्,श्री डी० श्रार० पटवर्धन, वार्धन्य की श्रायुप्राप्त करने पर सरकारी सेवा से दिनांक 31-3-1980 (श्रपराह्म) से सेवा-निवृक्त हो गए।

सं० 1/344/69-ई० सी०-9---इस विभाग के श्री सोहन सिंह सयान, वास्तुविद्, वार्धक्य की श्रायु प्राप्त करने पर सरकारी सेवा से दिनांक 31 मार्च, 1980 (ग्रपराह्म) को सेवा निवृक्त हो गए।

> के॰ ए० भ्रनंतनारायणम् प्रशासन उपनिवेशक

चित्तरंजन रेलइंजनकारखाना चित्तरंजन, विनांक 26 मार्च 1980

सं० जी । एम० ए०/जी० एस०/8 (प्रणासन)--- चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना के स्थाानापन्न प्रवर कार्मिक ग्रिधिकारी श्री एस० डी० मुखर्जी को जिनका इस प्रणासन के तृतीय श्रेणी के पद पर उनका लियन है, चित्तरंजन के सामान्य प्रणासन के संवर्ग में महाप्रवन्धक के सचिव के पद पर दितीय श्रेणी की सेवा में दिनांक 1/11/79 (पूर्वाह्म) से स्थायी किया जाता है।

कें० रामन महा**प्रव**न्धक

विधि-व्याय तथा कम्पनी कार्य मंद्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी लॉ बोर्ड कम्पनीयों के रिजस्ट्रार का कार्यालय कम्पनी अधिनियम, 1956 स्रोर भारत फाउण्डेशन्स लिमिटेड के विषय में

ए णाकुलम, तारीख 21 मार्च 1980

सं 0 1397/लिक्वि 0/3084/80- -- फम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतदब्रारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर भारत फाउण्डेणन्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दणित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर कमनी विषटित कर दी जाएगी।

> कम्पनी अधिनियम 1956 झाँर सतेण इन्डस्ट्रीयल भनिंग कम्पनी आईवेट लिमिटेड के विषय में एरणाकुलम, दिनांक 21 मार्च 1980

सं 0 265 2/लिक्वि 0/3086/80---अम्पनी श्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतदद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर सतेण इन्डस्ट्रियल मैनिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिश्यत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित करदी जाएगी

> ए० भ्रहम्मद कुन्जजु कम्पनी प्रामिक्यूटर एण्ड एक्स ग्राफिसियो असिस्टेंट रजिस्ट्रार ग्राफ कम्पनीज केराला

कम्पनी म्रश्विनियम 1956 म्रौर दयालबाग कान्सट्रक्शन कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड (इन लिक्वी०) के विषय में

कानपुर, दिनांक 27 मार्च 1980

मं० 3136/1132 एल०सी० — म्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (4) के श्रनुसरण में एतदद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माम के श्रवमान पर दयालबाग कान्सट्रक्शन कम्पनी प्राईवेट लि० (इन लिक्बी०) का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

भ्रो०पी० चढ्ढा, रजिस्ट्रार भ्राफ दस्पनीज, कानपुर यू०पी०

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 ग्राँर वीग्रर एण्समाइल प्रार्डवेट लिमिटेड के विषय में जालंधर, दिनांक 27 मार्च 1980

सं० जी०/स्टेट०/560/3636/2162——कम्पनी ग्रिधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती हैं कि इस तारीख से तीन मास के ग्रवसान पर वीयरएण्ड समाइल प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्यत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेका ग्रीर उकत कम्पनी विषटित कर दी जायेगी।

कम्पनी भ्रधिनियम 1956 श्रौर सुरिन्दर चिट फण्ड एण्ड फाइनेंस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

जालंधर, दिनांक 27 मार्च 1980

सं ० जी ० /स्टेट० / 560 / 2164--- कम्पनी श्रिधिनियम, 1965 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्बारा यह सूचनादी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर सुरि-न्दर चिट फण्ड एण्ड फाइनेंस प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट विया जायेगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> एन० एन० मौलिक कम्पनी रजिस्ट्रार पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ़

कम्पनी श्रिधिनियम , 1956 व मै० रायपुर इन्डस्ट्रीज आईखेट लिमिटेड रायपुर-म० ४० के विधय में

ग्वालियर, दिनांक 1 ग्रप्रैल 1980

सं० 845/यादव/1218—कम्पनी ग्रिधिनयम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रन्तर्गत, रातवृद्धारा मूचना थी जाती है कि मैं० रायपुर इन्डस्ट्रीज प्राईबेट किमिटेड, रायपुर-म० प्र० का नाम, इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से तीन माह की समाप्ति पर, यदि इसके विरुद्ध कोई कारण न दर्शाया गया तो, रजिस्टर से काट दिया जाएगा, एवं कथित कम्पनी समाप्त हो जाएगी।

सुरेन्द्र कुमार सबसेना सम्पनी रजिस्ट्रार म० प्र०, ग्वासियर

कार्थालय स्नायकर स्नायुक्त नई दिल्ली, दिनांक 22 मार्च 1980

सं० जुरि०-दिल्ली-5/79-80/74114— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा (1) और (2) द्वारा अव त ए वितयों का तथा इस विषय पर पहले जारी की गई अधिसूचनाओं में आंणिक परिवर्तन करते कुए आयकर आयकत, दिल्ली-5, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि आयकर अधिकारी, डि० 2(2) नई दिल्ली के साथ उनके धारा निधारित किए गए/निधारण-योग्य व्यक्तियों/मामलों के संअंध में समवती अधिकार क्षेत्र होगा किन्तु इनमें वे मामले शामिल नहीं होंगे जो धारा 127 के अधीन सौंपे गए हों, या इसके बाद सौंपे आए।

कार्यनिष्पावन की सुविधा के लिए ग्रायकर ग्रायुक्त, दिल्ली-5, ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 की धारा 124 की उपधारा 2 में ग्रपेक्षित ग्रावेशों की पास करने के लिए निरीक्षीय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, रेंज-5-ए की प्राधिकृत भी करते हैं।

यह अधिसूचना दिनांक 19-3-1980 से लागू होगी। के० आर० राधवन, आयकर आयुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली

आयकर-विभाग नई दिल्ली, दिनांस 26 मार्च 1980

सं० को आर्ड ० | पिक्ल ० | दिल्ली - 1 | ई० | 78-79 | 48037 — नीचे उन व्यक्तियों तथा हिन्दु अविभवत परिवारों के नामों की सूची दी गई है जिनका निर्धारण विलीय वर्ष 1978-79 के थौरान 10 लाख थपए से अधिक पर हुआ है। निर्धारण (एक) में "आई" व्यक्ति की हैसियत का तथा "एच" हिन्दू श्रविभक्त परिवार की सूचक है तथा (थी) में कर-निर्धारण वर्ष (लीन) में विवारणी में दिखाया गया झिन

(चार) में कर-निर्धारण धन (पांच) में निर्धारिकी क्षारा देय कर (छह) में निर्धारिक्षी क्षारा दिया गया कर दिखाया गया है:--

1. पी० वाई-3094, भेजर जनरल श्रार० एन० मेहरा (एक) "श्राई०" (थो) 1973-74, 1974-75 (शीन) 20,87,300, 23,31,817 (चार) 20,87,300, 23,31,600 (पांच) 76,984, 96,528 (छह्) 100,917,96927

वासिक अली खान, श्रायकर श्रायक्स, दिल्ली-1, नई दिल्ली

न्हें दिल्ली, दिनांक 27 मार्च 1980

सं० समस्वय/पश्चित्र । दिल्ली-II/ई०/78-79/48032—नीचे उन व्यक्तियों तथा हिस्पू श्रविभवत परिवारों के नामों की सूची दी गई है जिनका निर्धारण विस्तीय वर्ष 1978-79 के धौरान 10 लाख रुपए से श्रधिक पर क्षुश्रा है।

- (एक) में "क्राई" व्यक्ति की हैसियत का तथा "एच" हिन्यू प्रविभक्त परिवार का सूचक है तथा (थो) में कर निर्धारण वर्ष (तीन) में विवरणी में विखायागया धन (चार) में कर निर्धारत धन (पांच) में निर्धारिती द्वारा देय कर (छह) में निर्धारिती द्वारा दिया गया कर दिखाया गया है:----
- 1. 22-007-पी० जैड-4659, शीला कौशिक, 299-मेंड्स कालोनी, नई दिल्ली (एक) वाई (दो) 1970-71, 71-72 72-73, 73-74, 74-75, (सीन) 9,47,326,11,43,481, 10,23,407, 11,03,993, 10,20,044 (चार) 10,10,514 12,45,844, 10,42,093, 11,53,162, 10,47,969 (पांच) 7,263, 21,375, 16,263, 19,595, 16,440 (छह) 7,263, 21,375, 16,263, 19,595, 16,440

के० घार० राघवन ग्रायकर ग्रायुक्त, दिल्ली-II नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 26 मार्च, 1980

सं० समन्वय/पब्लि०/दिल्ली-3/ई०/78-79/48042—नीचे छन क्यारेतयों तथा हिन्दु उविभक्त परिवारों के नामों की सूची वी गई है जिनका निर्धारण विसीय वर्ष 1978-79 के क्षीरान 10 लाख रुपए से श्रिष्ठिक पर हुआ है।

(एक) में "श्राई" व्यक्तिकी हैसियत कातथा "एच" ग्राविभक्त परिवार का सूचक है तथा (थो) में कर निर्धारण वर्ष (तीन) में विवरणी में दिखाया गया धन (चार) में

- कर-निर्धारित (पांच) में निर्धारिती क्षारा देय कर (छह) में निर्धारित द्वारा दिया गया कर दिखाया गया है।
- 1. पी टी-2870, हरधेव सिंह, 2, कर्जन रोड, नई विस्ली (एक) ग्राई (थो) 1971-72 (तीन) 12,73,500 (चार) 15,22,320 (पांच) 29,892 (छह) 25,962
- 2. पीधी-2940, नवाव मुहम्मद मंसूर, 1, धुप्ले रोड नई दिल्ली (एक) ग्राई (घो) 69-70 (तीन) 13,28,900 (चार) 13,62,190 (पीच) 22170 (छह) 25000

एस० जी० जयसिंघाणी ब्रायकर श्रायुक्त दिल्ली-3 नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 26 मार्च 1980

सं० को आर्थं०/पिक्लं०/दिल्ली-5/ई०/78/79/48027— उन उन व्यक्तियों तथा हिन्दू मित्रभवत परिवारों के नामों की सूची दी गई है जिनका निर्धारण विस्तीय वर्ष 1978-79 के थीरान 10 लाख रुपए से मिश्रक पर हमा है।

- (एक) में "ग्राई" व्यक्ति की हैसियत का तथा "एच" हिन्दू ग्रविभक्त परिवार का सूचक है तथा (थी) में कर-निर्धारण वर्ष (तीन) में विवरणी में विखाया गया धन (चार) में कर-निर्धारित धन (पांच) में निर्धारिती द्वारा देय कर (छह) में निर्धारिती द्वारा दिया गया कर दिखाया गया है:--
 - 1. 22-037-शि॰जेड-9320, बाल किशन दास एण्ड संस चावकी बाजार दिल्ली
- (एक) "एच" (धो) 1965-66-66-67, 67-68, 68-69, 69-70, 70-71, 71-72, 72-73, 73-74,74-75
- (南中) 11,13,858, 12,48,769, 11,96,715; 12,41,565, 11,28,749, 9,18,798, 11,88, 571, 11,57,970, 12,08,265, 13,20, 961
- (चार) 11,68,438, 12,30,306, 11,70,582, 11,38, 395, 11, 40,463, 12,18,671, 11,88,571, 12,28,687, 13,54,030, 13,67,491
- (पांच) 9,8,68, 11,106, 9,912, 9,268 10,014, 11,967 18,114, 21,861, 25,621 54,399।
- (প্তह) নিল
 - पी० एक्स-4942-4 (2) के० एम० बिजली, 31 न्यू० होहतक रोड, दिल्ली (एक) "प्राई" (थे) 1976-77 (सीन) 13,73,590 (चार) 10,84,200 (पीच) 65,348 (छह) 65348
 - एच बाई-1909-4 (2) एच० पी० विरमानी,
 33-शिवाजी मार्ग, दिल्ली (एक) "एच" (दो)

1974-75 (ধীন) 14,86,300 (ঘার) 3032, 400 (ঘার) 1,87,592 (গুরু) 1,87,592

4. पी० जैड-1872-4 (1) वेद कपूर क्षारा भारत इलैंक्ट्रिकल बान्धा बिल्डिंग, टालस्टाय मार्ग, दिल्ली (एक) "ग्राई" (दो) 1974-75 (तीन), 10,51,631 (বাং) 10,70,706 (पांच) 17, 121, (ভুর) 12,372

> के० द्यार० राघवन श्रामकर श्रायुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली

प्र**क्षप ग्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰----**

आपकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269 व (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भ्रजीन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली 110002, दिनांक 28 मार्च 1980

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एसआर III/7-79/290—अत: मुझे, जी० सी० अग्रवाल आयक्तर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें धमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खंक अधोन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्मस्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/-क० संअधिक है

श्रोर जिसकी सं० डब्ल्यू-II है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रोर इससे उपायद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन तारीख जुलाई, 1979

का पूर्शीवत सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कन के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्शीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्द्रह्म प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मनिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वित में वास्तविक रूप न कथि। नहीं किया गया है !--

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्त की बावत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसो ग्राय या किसी ग्रन या ग्रम्थ ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर श्रिष्ठितियम, 1322 (1922 का 11) या उम्ल ग्रिष्ठित्यम, या श्रन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

जतः थवः उक्त पश्चितियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, भें, उक्त ध्वितियम की धारा 269-व की ववदाशा (1) मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री डी० धार० मधोक पुत्र श्री हवेली राम निवासी एच०-16, मस्जिद मोठ, ग्रेटर कैलाश-II, के पास, नई विल्ली-48।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती सरीता पुरी पत्नी श्री भूपिन्दर पाल सिंह पुरी, निवासी डी०-22, निजामुद्दीन ईस्ट, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वाक्त सम्पति के ग्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सन्दति के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी पाछोप :---

- (क) इस भूचता के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्तम्बरधी व्यक्तियों पर सूचता की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी पवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीस्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक क किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकेंगे।

स्थाब्दी तरण ल-इसमें प्रवृक्त गर्क्स और पदों का, जो उत्तर अकि-नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिकाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस भव्याय में विया गया है।

प्रनुसूची

एक प्लाट डब्स्यू०-II, जोकि ग्रेटर कैलाथ-II नई दिल्ली-48 तथा जिसका क्षेत्रफल 836.13 वर्गगज है।

> जी० सी० अग्रमाल, मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारी**ख: 28-3-1980।**

प्रसप सार्षे ठी । एव । एस » ----

शायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-प (1) के अधीन सूचना भारत सदकार

कार्यानय, यहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 28 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/I/एसआर-III 7-79/289 --अतः मुझे, जी० सी० अप्रवाल
आयकर पिश्वनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त पिश्वनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
क्षित बाकार मूल्य 25,000/- क से पिषक है
और जिसकी सं० फ्लेट नं० 2 दूसरी मंजिल है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II;
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्व रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 13-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रति-फल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह जिण्जास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का परवह प्रतिगत से प्रक्रिक है भीर अस्तरक (ध्रस्तरकों) और बस्तरिती (ध्रस्तरितियों) के बीच ऐसे ध्रस्तरण के लिये तय पाया ग्रया प्रतिकत, निन्नलिखित उद्देश्य से उच्छ अन्तरण लिखित में वास्नविक रूप से किया नहीं क्रिया मया है:---

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व म कमी करने या उससे धवने में सुविधा के लिए: धोर/या
- (वा) ऐसी किसी बाय या किसी बन या प्रस्य प्राक्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, या समझर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्व प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, फिनाने में सुविधा के लिए।

अतः घन, उन्तं भ्रष्टिनियम की घारा 269-ग के प्रमुखर । में, में, उन्त अधिनियम, की घारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निज्ञित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (भ्रन्तरक)

 मै० श्रग्नवाल बिल्डिंग एण्ड कन्स्ट्र० 63, माडल टाउन, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूक्ता जारों करके पूर्वीकत सम्प्रति के क्रेजैंग के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की प्रविध या तत्संक्षी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत र पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी बासे 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब इ किसी अन्य स्थित द्वारा, मधीहरता असी के पास लिखित में किए जा पकेंगे।

स्रक्तीत्तरण !--व्हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के सध्याय 20-क में परिमाणित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याग में पिया गया है।

जपुत्र की

एक फ्लैंट नं० 2 वूसरी मंजिल ग्रेंटर कैलाश-II नई विल्ली में स्थित है।

> जी० सी० ग्रग्रवास सक्षम ग्रिधकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 28-3-1980।

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

थ्रायकर ध्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, 4/14क, आसफअलीमार्ग, दिल्ली नर्ष दिल्ली 110002, दिनांक 28 मार्च 1980

सं० आई० ए० सी०/एक्यू० I/एस आर/7-79/294— अत: मुझो, जी० सी० अप्रवाल श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं०भूमि नाप 1.16 एकर है तथा जो कालिन्दी कालोनी नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत प्रधिक है भौर मन्तरक (श्रन्तरकों) भौर म्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की वाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय था किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, श्रिपाने में युविधा के लिए;

अतः, भ्रब, उनत भ्रधिनियम, की आरा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उनत श्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- राम रूप नाथ धर्ममादा द्रस्ट 74, टोडर मल रोड, नई दिल्ली द्वारा इसके अध्यक्ष श्री जगन नाथ

(भ्रन्तरक)

2. दि मैनेजिंग सोसायटी नैशनल स्कूल दिल्ली विल्ली दिल्ली दिली दिल्ली दिली दिल्ली दिल्ली दिल्ली दिल्ली दिल्ली दिल्ली दिल्ली दिल्ली दिल्ल

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो जक्त ध्रिधिनियम के ध्रम्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

असुसूची

भूमि नाप 1.16 ऐकर कालिन्दी कालोनी नई विरुखी में स्थित।

जी० सी० अग्रवाल सक्षम अधिकारी सहायक आयक्ष आयुक्त नरीक्षण अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 28-3-1980।

प्रकाः ब्राई० टी० एन० एन०----

आयकर भ्रिभितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के भ्रधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्राजंन रेंज- , 4/14क, आसफअली मार्ग, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 25 मार्च 1980

सं० प्राई० ए० सी०/एक्यु०-I/एसग्रार-III/७-७९/३०७— श्रतः मुझे, जी० सी० ग्रग्नथाल,

प्रायकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन नक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर नीति जिन्हा अतित वानार मूख्य 25,000/- छ० से प्रिक्षक है

श्रौर जिसकी सं० सी० 33 है तथा जो साउथ एक्सटेंग्शन नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुलाई, 1979

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूह्य से कान के वृष्यमान प्रतिफन के निर्मास्तिति की गई है भीर मुझे वह विषकान करने का कारण है कि नथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूह्य, उत्तक वृष्यमान प्रतिफन से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह पनिशत से प्रधिक है और अस्तरक (मन्तरकों) भीर अस्तरिती (प्रस्तरितियों) के भीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफन, निम्तितिश्वित उद्देश्य से अक्त भन्तरण लिखित में वास्त्रविक का न कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, खक्त प्रतिस्थित के ध्रधीन घर देन के घन्तरक के रायित्य में सभी करने या खलसे बचने में सुविधा के लिए; शीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को जिन्हें प्रायकर पश्चितियम, 1922 (1922 का 11) या उकत प्रधितियम, या धनकर प्रधितियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाडिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;
- प्रतिकृत अधिनियम, ही आरा 269 म के अपूनरण में, प्रें, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निस्तिकि अधिक्तियों, अर्थात् :---

 श्रीमती प्रभावती चावला धर्मपत्नी श्री प्रकाश चन्द चावला लड़ हो के द्वारा श्रीर जनरल श्रटार्नी श्रीमती सुमाती देवी मेहना निवासी 10-ए/1 शक्ती नगर, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

 मै० श्रमर कंस्सद्रणक्त कं० 176, साविती नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

अरन सम्पन्ति के धर्मन के अम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस तूत्रता के राजपय में प्रकाशन की नारीख से 45 दित की प्रविध या तस्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ल) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कितां जन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रजोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए गासकींगे।

 गाउटी तर गाः --मूसर्गे प्रतुष्त शब्दों और पर्वों का, जो जकत प्रशितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

एक प्लाट नं० सी०-33, नई दिल्ली साऊथ एक्सटेंशन नई दिल्ली में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 272-3/10 वर्ग गण है।

> जी० सी० श्रग्नवाल सक्षम प्रक्षिकारी सहायक श्रायकर श्रापुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-11002

तारीख: 25-3-1980

प्ररूप आई० दी० एन० एस०----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्णन रेंज-I, 4/14क, आसफअली मार्ग, दिल्ली नई दिल्ली-110002, दिनांक 25 मार्च 1980

सं० श्राई०ए०सी०/एक्यु-I/एस०ग्रार०-IV/७-७१/1121----श्रतः म्झे, जी० सी० श्रग्रवास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

श्रीर जिसकी सं० एफ० 3/16 है तथा जो कृष्ण नगर दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के धायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंनी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिषधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः——

- श्री राजिन्द्र कुमार सम्भरवाल
 पुत्र श्री ग्रर्जुन दास सम्भरवाल
 निवासी एच०-3/11, कृष्ण नगर, दिल्ली 51 ।
 (ग्रन्तरक)
- 2. श्री तरेण चन्द्र मित्तल पुत्र श्री राम मोहन गुप्ता निवासी 76, राम नगर दिल्ली-51। (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यधाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः---

- (क) इस सृष्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्यना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस मूचना के राजपक मो प्रकाशन की क्षारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसियत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया ही।

प्रमुसूची

मकान नं ० एफ०-3/16, केवल 100 वर्ग गज भूमि पर बना हुमा है फुल क्षेत्रफल 200 वर्ग गज, कृष्ण नगर दिल्ली-51 में ।

> जी० सी० ग्रग्रवाल सक्षत्र प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (रिरोक्षण) ग्रर्जेम रेंज-^I, विल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 25-3-1980

माहरः

प्ररूप आई ० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भर्जन रेंज-1, 4/14 क, आसक अत्री मार्ग, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली-110002, दिनांक 25 मार्च 1980

सं० ग्राई०ए०सी०/एक्यु-I/एस०ग्रार०-IV/7-79/1122-ग्रतः मझे जी० सी० ग्रयवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रुठ से अधिक है।

भीर जिनकी तं ० एक-2/27 है तथा जो कृष्णनगर नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उराबद्ध भ्रनुसूबी में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रवीत, तारीख जुलाई, 1979

को पूर्वाक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यभान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी साय की बादत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिमित व्यक्तियों अर्थात्:——
3—26GI/80

- श्रीमती कमला कुमारी पत्नी श्री सुशील कुमार कपूर, निवासी 62, साउथ धनारकली, विल्ली । (धन्तरक)
- श्री मोहिन्द्र पाल पुत्र श्री दिवात चन्द निवासी सी०-2, सुभदरा कालोनी, दिल्ली। (ग्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ये 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनुस्ची

मकान नं ० एफ ०-2/27, कृष्णा नगर, नई दिल्ली ।

जी० सी० ध्रमवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रजैन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली

सारीख: 25-3-1980

परूप आई० टी॰ आई० एव० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-I

4/14 आमफ अली मार्ग, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली-110002 दिनांक 25 मार्च, 1980

निदेश सं० ग्राई०ए०मी०/एस्यू०/ 1/एस०भ्रार० ${
m J}V/7-79/1091$ —श्रतः मुझें जी० सी० ग्रग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है।

ग्रीर जिसकी सं० 55 है तथा जो णिवाजीत पार्क रोहताण नगर, शाहदरा, नई दिल्ली, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख ज्लाई, 1980

को पूर्वोक्स सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल में एंसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- श्रीमती संरोजनी देवी
 द्वारा श्रीमती सत्यावती पत्नि इन्द्वजीत तनेजा,
 निवासी 56, शिवाजी पार्क, शाहदरा,
 नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री इन्द्रजीत पुत्र भोजा राम तनेजा, निवासी 56, णिवाजी पार्क, रोहसास नगर, शाहदरा, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध मो कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास सिस्तित में किए आ सकेंगे।

म्पब्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

भनुसूची

एक मकान नं० 55 बना हुम्रा 55 नं० पलाट पर क्षेत्रफल 150 वर्गगज स्वरूप ब्लाक, खसरा नं० 2192/266 शिकदरपुर, शिवाजी पार्क, रोहतास नगर, शाह्वरा-दिल्ली में है।

> जी० सी० ग्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रजैन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली।

सारीख: 25-3-1980।

सोहरः

प्ररूप आई ० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज ${f I},$ 4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 25 मार्च 1980

निवेश सं० माई०ए०सी०/एक्यू०/I/एस०मार० HI/7-79/ 1559-म्रतः मुझे जी० सी० म्रप्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी मं० 23 है तथा जो राजिन्द्रा पार्क नई शिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रजिस्ट्री- कर्ता श्रिकरी के कार्यालय, विल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-3-79 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्धास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्रय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा का लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी ऑय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निसित व्यक्तियों अर्थात्:---

- श्री डा० ए० एम० बैनरजी पुत्र डा० जें० एम० बैनर्जी, द्वारा डा० बी० के० चैटर्जी, ए०-2/144, पश्चिम पुरी, नई दिल्ली।
- श्री जसपाल सिंह तया रवीन्द्रपाल सिंह, पुत्रगण श्री सनमुख सिंह, 12, सदर थाना रोड, दिल्ली।

(अंतरिती)

(मंतरक)

को यह स्वना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति होता हो।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

सन संची

मकान मं 23, राजिन्द्र पार्क पूसा रोड नई दिल्ली, लीज होल्ड के साथ—क्षेत्रफल 375 वर्ग गज में स्थित का स्थोरा इस प्रकार है:

> पूर्व---सर्विस रोड पश्चिम--सड़क उत्तर---मकान नं० 22 दक्षिण --- मकान नं० 24

> > (जी० सी० प्रग्रवाल) सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीखाः 25-3-1980।

प्ररूप आई ० टी० एन० एस० ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I4/14 असफअली मार्ग, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 25 मार्च 1980

निदेश सं० श्राई०ए०सी०/एक्यु०/1/एस०भ्रार०-111/7-79/ 1560 मतः मुझें जी० सी० भग्नवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

श्रीर जिसकी मं० एम०-32 ए० है तथा जो मालविय नगर नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इस से उनाबद्ध श्रतुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री करण श्रथिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जारीख जुलाई, 1989

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दामित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविधा का लिए; और/था
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

- श्रीमती कृष्णा देवी पत्नि ईश्वर दास
 लक्ष्मी देवी पुत्नी ईश्वर दास,
 लाजपत राय व कृष्ण लाल पुत
 श्री ईश्वर दास
 निवासी एम-32 ए०, मावलवीय नगर, नई दिल्ली।
 (अन्तरक)
- 2. श्री सुरेश कुमार गैन्डा पुत्र श्री खन्डा राम निवासी एम-58 ए०, मालवीय नगर, नई दिल्ली-17 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से .45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ए) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हिए- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अक्षाहरताक्षरी को पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे गरिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ह¹।

अनुसूची

ब्रहाई मंजिली ईमारत न० एम०-32ए०, मालवीय नगर, नई दिल्ली क्षेत्रफल 100 वर्ग गज।

> जी० सी० अग्रवाल संक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली ।

तारीख: 25-3-1980

प्ररूप आई ० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) नई दिल्ली, दिनांक 25 मार्च 1980

निवेश मं० आई०ए०सी०/एक्यु० 1/एस०ग्रार० /7-79/ 1105-अतः मुझे, जी० सी० श्रग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-त्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्याम करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

श्रौर जिसकी सं० बी०/8 ज्योतिनगर (पिश्चम) है तथा जो लोनी रोड, शाहदरा दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ष यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, जक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा का लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था छिपाने में स्विधा के तिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थातः --

- श्रीमती रानी देवी पस्नी जगत नारायण मेहरा,
 निवासी 272 कूचा सनजोगीराम, दिल्ली ।
 (ग्रन्तरक)
- 2. श्री ग्रार० सी० मिसल पुस्न श्री लक्ष्मी चन्द निवासी 2525 लोनी रोड, शाहदरा, दिल्ली (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।
उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषिक्ष हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि नाप 488.4 वर्गगंज बराबर 408.04 वर्गमीटर प्लोट नं० ई०/8 ज्योति नगर (पश्चिम) लोनी रोड, शाह्रदरा दिल्ली राज्य —दिल्ली।

जी० सी० ग्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक वायकर वायक्स (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 25-3-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०------

भायकर **पा**श्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के भधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-I, 41/4 क, आसफ अली मार्ग, नई विल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 25 मार्च 1980

सं० माई०ए०सी०/एक्यु 1/एस०मार० IV/7-79/1115---मतः मुझे जी० सी० म्रग्रवाल,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व्यए से अधिक है और जिसकी सं नं जें जें-7/2 ज्योती नगर (पिचमी) नई दिल्ली स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1979 को

16) क अधान जुलाइ 1979 का
पूर्वोकत सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूरमान प्रतिकत के निर्धानितिको गई है भीर मुझे यह
दिसात हरा ता तारम है कि अवार्योक्त सम्मित हा
उचित बाजार मूल्य, उनके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दूरमान प्रतिफल के पत्बह प्रतिशत से अधिक है भीर
भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच
ऐत अन्तरम के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखिल
उद्देश न उक्त प्रत्यम लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण ते हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम, के प्रधीन कर देने के प्रग्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसे किसी प्राय का किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः, भ्रब, उन्त भ्रधिनियम की धारा 269-म के अनु-सरण में, म, उन्त भ्रधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित म्यक्तियों, ग्रमीत्:— श्री ग्रगविन्द्र सिंह पुत्र श्री सुजान सिंह सहवाना निवासी एस०/323, पत्चिशील एनक्लेब, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती निर्मल कुमारी पत्नि सेवा राम द्वारा के/ओ श्रोम प्रकाश विनोद कुमार श्रग्रवाल मन्डी जिला, मेरठ।

(ग्रन्तरिती)

को पर पूर्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (व) इप पुत्रता के राजात में प्रकाशन को तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रना वाकित द्वारा, प्रवोड्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्योक्तरण: -- इतमें प्रतुकत संबदों प्रीर पदों का, जो उक्त स्रधि-नियम के सहयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट न० ज०-7/2 नाप 600 वर्ग मीटर (ज्योतीनगर (पश्चिम) में सिकदरपुर के इलाके में लोती रोड, दिल्ली राज्य दिल्ली में स्थित ।

> जी० सी० अग्रवाल मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 25-3-1980।

प्ररूप आई ० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-ा, 4/14 क, आमफ अली मार्ग, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 25 मार्च 1980

मं० प्राई०ए०सी०/एसयु०-I/एस०ग्रार० -IV/7-79/1098 प्रतः मुझे जी० सी० ग्रग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० में अधिक है।

श्रीर जिसकी सं० 2/38 है तथा जो झील कुराण्जा, सीता कालोनी, दिल्ली में स्थिन है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में पूर्ण रूप से वर्णित

है) रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 12-7-1979

को पूर्णेक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा का लिए; और/या
- (स्र) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्ष अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित क्यक्तियों अर्थातु:---

- श्री मान्ति स्वरूप पुत्र श्री ठाकुर दास
 निवासी: 2/38, गीता कालोनी, नई दिल्ली।
 (ग्रन्तरक)
- श्री क्रुपा राम पुक्ष श्री राम चन्द
 निवासी 11/172 ए०, पश्चिम श्राजाद नगर,
 दिल्ली 61 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्ष्मे:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्टित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

एक पूरा क्वार्टर तं० 2/38 (ब्लाक नं० 2 क्वार्टर नं० 38), लीज होल्ड जमीन नाप 100 वर्ग गज झील कुरांजा, गीता कालोनी, दिल्ली 31 में स्थित ।

> पूर्व — क्वार्टर नं ० 2/39। पश्चिम — क्वार्टर नं ० 2/37। उत्तर — सङ्क पश्चिम — सङ्क

> > जी० सी० प्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख: 25-3-80।

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

भाग तर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 25 मार्च 1980

निदेश सं० धाई० ए० सी० /1/एस० धार० IV/7-79/1097— धतः मुझें, जी० सी० ध्रमवाल ध्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनन प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत पन्नम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समात्ति, जिसका उचित ज्यार मूल्य 25,000/- रुगए से घ्रधिक है धौर जिसकी सं० ए०-3/20 है तथा जो कृष्ण नगर दिल्ली-51 में स्थित है (और इससे जपानद अनुसूची में पूर्ण रूप से यणित है), रिजस्ट्रीकर्ता घ्रधिकारी के कार्यालय विल्ली में रिजस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के घ्रधीन, 12-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर यह कि बातरित (अन्तरितयों) को बीच ऐसे प्रसार के निर्वास पाता गरा प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य । उस बातरिंग निम्नलिखित उद्देश्य । उस बातरिंग निम्नलिखित नहीं किया गया है:—

- (त) भ्रत्तरण ने हुई किसी श्राय की बाबत उकत मधि-नियम, के भधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (त्र) एसी हिसी प्राय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्थिधा के लिए;

ध्रतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित क्यकितयों, अर्थात :--- श्रीमती सविता रानी पत्नी श्रोम प्रकाश शर्मा,
 निवासी श्रार० 777, नया राजिन्द्र नगर,
 नई दिल्ली-60।

(भ्रन्तरक)

- 2. श्री हरीशचन्द गुप्ता पुत्र श्री बिन्द्र भल गुप्ता,
 - (2) प्रशोक कुमार,
 - (3) विपन कुमार,
- (4) धजम कुमार,
- (5) सविल कुनार पुत्रगण श्री हरिशचन्द गुप्ता निवासी 8737, राह्त गंज, रोशनश्रारा रोड, दिल्ली-9

(अन्तरिती)

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उका समास्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजगत में प्रकाणन की नारीख में 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पाप तिखित में किए जा मकेंगे।

स्पब्दीकरण:---इनमें प्रयुक्त साध्यों स्रीर पदों का, जो उक्त स्रिधि-नियम के स्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही स्रप्रै होगा, जो उन्न स्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिल मकान नं० ए०-3/20 नाप 195 वर्गगज ग्राम गोन्टली -- कृष्ण नगर थ्राबादी में, दिल्ली-51 इसका इलाका शाहदरा---दिल्ली घिरा हुग्रा।

पूर्व — मकान नं० ए०-3/21 पश्चिम — मकान नं० ए-3/19 उत्तर — सड़क दक्षिण — मकान नं० ए-4/20।

> जी० सी० म्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 25-3-1980

प्राह्मप आई । शे । एम । एस • -----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की झारा 269ण(1) के श्रधीत स्चना

मा**रत** मर्छा

कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मार्च 1980

सं भाई ०ए ० सी ० /ए नयु ० / I/ए सआर ० III / 7-79/283--म्रतः मुझें, जी० सी० भ्रमवाल, श्रायकर मित्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम ग्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारग है कि स्थावर अध्यक्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/~ हम्यु ने प्रधिक है श्रौर जिसकी सं० 3 है तथा जो फेन्ड्स कालौनी, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद धनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ताग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीम, तारीख जुलाई, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुगयमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिष्ठिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरितो (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे म्रन्तरण के लिए तब पावा गवा प्रतिकत, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण निजित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की काबत 'उक्त ग्रधि-नियम', के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: ग्रीर/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, अन्त, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रेथितः—— 4—26G1/80

- 1. श्री के एक पारापोरे पुत्र श्री स्क एश ए पारापोरे, निवासी 7, पारापोरे ऐवेन्यू, हेरीगंटन, रोड, मब्रास (ग्रन्तरक)
- मै० एम० एम० सहयल, प्राइवेट लिमिटेड, बी०-4/4, सफदरजंग इनक्लेब, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

उपत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रक्षाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सीबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस पूजना के राजनम में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर रुक्त स्थायर सम्पत्ति में हितजब किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्रीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पण्डीक्षरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त ग्रिध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूधी

एक मकान नं० 3 जोकि फ्रेन्ड्स कालीनी में स्थित है ।

जी० सी० ग्रप्रवाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक आग्रकर आग्रुक्त (निरीक्षण) ग्रजैंन रेंज, विस्ली, नई विस्ली।

तारीख: 25-3-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरौक्षण)

छर्जन रेंज, मई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मार्च, 1980

निदेश सं० भाई०ए०सी०/एक्यु० - 1/एस०म्रार०III/ 7-79/ 278—म्ब्रतः मुझे, जी० सी० म्रग्नवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं।

गौर जिसकी संख्या डी०-139 है तथा जो डिफेंस कालौनी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसके उपाबद ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिविनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, सारीख 26-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात्:——

- श्री बलवन्तराय नागपाल,
 डी०-139, डिफेंस कालीनी, नई दिल्ली।
 - (ग्रन्तरक)
- श्रीमती कुन्तल मेहरा
 64, जनपथ नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्सि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—हसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

एक मकान नं० डी० 139 जोकि डिफेंस कालौनी में स्थित है तथा जिसका क्षेत्रफल 401 वर्ग गज है।

> जी० सी० श्रग्नवाल सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रैंज, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 25-3-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 25 मार्च 1980

निदेश सं ० माई०ए०सी०/एक्यु ० 1/एसम्रापः III/ 7-79/302----भ्तः मुझे, जी० सी० मग्रवालः

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मंख्या 143/171 है तथा जो सुन्दर नगर, नई घिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1979

को पूर्वाक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः——

- श्रीमती मोहिन्दर कौर, श्री पुसोतम सिंह भौर
 हरचरण सिंह
 द्वारा सी०-418, डिफेंस कालौनी,
 नई दिल्ली। (अन्तरक)
- श्री मनूप कुमार सी०-148 सुन्दर मगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

3. मै० हन्स एक्सपोर्ट हाउस, 16-ए०, कताट पैक्स, नई दिल्ली। (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के तैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

मनुसूची

एक प्लाट नं० 143 ब्लाक नं० 171, जिसका क्षेत्रफल 866 66 वर्ग गज जोकि सुन्दर नगर में स्थित है।

> जीं० सी० व्यप्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त(निरीक्षण) वर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली 110002

तारीख: 25-3-1980

फ्रेंक्रच आईं० टी० एम० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

> ग्नर्जन रेंज-I, नई दिल्ली, दिनांक 25 मार्च 1980

निदेश सं० भ्राई०ए०सी०/एक्यु० 1/एस-म्रार०-111/7-79/287— म्रतः मुर्मे, जी० सी० म्रायाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

श्रीर जिसकी संख्या दुकान नं० 8 है तथा जो सावित्री सिनेमा कम्पलेक्स ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबक्क श्रमुसूची में पूर्ण रूप से विज्ञत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित ध्यक्तियों अर्थात्:—

 श्री मक्न सास वामला निवासी, 20, गोल बाजार श्री गंगानगर (राजस्थान) ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री एस० सी० नरूला और श्रीमती लता नरूला निवासी एस०-359, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से . 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो अवस अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं ० 8 जिसका क्षेत्रफल 282 वर्गगज है तथा जोकि सामित्री सिनेमा कम्पलेक्स, ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित है।

जी० सी० श्रग्नवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, दिल्ली/नई दिल्ली

सारीख: 25-3-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्राणैन रेंज दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 25 मार्च 1980

सं० ग्राई०ए०सी०/एक्यु०-I/एस० ग्रार०-III/ 7-79/288—-ग्रतः मुझें, जी० सी० ग्रग्रयाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिलकी संख्या दुकान नं 0 10 है तथा जो सावित्री सिनेमा ग्रेंटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इरासे उपाबद श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 11-7-1979

को पूर्वाक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्भे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— श्री हरिण कुमार पासी, बी०-8, कैलाण प्रपार्ट नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती मन्जू सोठिया श्रीर श्रीमती प्रकाश सोठिया, नं ० 11, फोर्ट रोड, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रमुसूची

दुकान नं ० 10 सावित्री सिनेमा, ग्रेटर कैलाग-II, नई दिल्ली में स्थित है तथा जिसका क्षेत्रफल 302 वर्ग गज है।

> जी० सी० मग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-^I, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारी**ख** 12-2-1980 मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एत० एस०-

भायकर स्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के प्रशीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-I, 4/14क, आसफअली सार्ग, नई दिल्ली नई दिल्ली-110002, दिनांक 25 मार्च 1980 सं० श्राई०ए०सी०/एक्यू० /I/एस श्रार० III/7-79/268----

म्रतः मुझे जी० सी० म्रग्रवाल

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन मञ्जप प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर गम्मित, जिनका उवित बाजार मूख्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रौर जिसकी सं ० खेतीहर भूमि है तथा जो गांव गांदाई पुर नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से बिंगत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन 27-7-19879

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह अतिशत अविक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐमे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविद्य में सहतिक का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी आध की नावत उक्त अधिनियम के सधीन कर देने के अक्तरक के अधिक्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या अन्य आहितयों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर पधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उनतं श्रिषितियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उनत अधितियम की बारा 269-म की उपधारा (1) के अथीत, निम्तलिखित व्यक्तियों, अर्थात: -- श्री करतार सिंह पुत्र श्री वलीप सिंह निवासी गादाई पुर, नई दिल्ली

(अन्तरक)

 श्री धन्द प्रकाश पुत्र निवासी एल० अमीर चन्द निवासी 41, पुसा रोड, नई दिल्ली।

(भन्तरिती)

को यह सूचता जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त हीती हों के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण: ---इनमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

एक खेतीहर भूमि 4 बीगा 13 बिसवा जिसका खसरा नं० 601/2L 3 बीगा श्रीर 7 बीसवा) श्रीर 635/1 (1 बीगा श्रीर 6 बीसवा), फार्म हाउस के साथ, जोकि गल गादाई पुर में स्थित है।

> जी० सी० ग्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी, ,सहायक भायकर भायृक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज-I, विल्ली, नई विल्ली-110002

तारीख: 25-3-80

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

श्रायक्तर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

भाय कर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से मधिक है

भौर जिसकी सं० पोर्गन नं० 105 है तथा जो 40 एफ० कमाट प्लेस, नई दिल्ली, में स्थित है (भौर इससे उपायद्ध मनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण मिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत, उक्त भीध-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः प्रव, उत्तन अधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-च की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत — (1) मैंसर्स डी० एल० एफ० लिमिटेड 21-22 नरेन्द्रा फ्लेस पार्लियामेन्ट स्ट्रीट, नई विस्ली।

(भन्तरक)

(2) कुमारी ग्रतिस मलोहतरा ग्रौर लोकेश मलोहतरा इनके गार्डियन श्री धर्मवीर मलोहतरा डाकखाना नं० 251 सफेना (कुबैंत)।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्माकाधी का कितायों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उका स्थावर सम्मित में हित-बद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पान जिल्बित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: ---इनमें प्रयुक्त सध्दों प्रीर पदों का, जो उनत प्रधिनियम के प्रध्नाय 20-क में परिभाषित है, वहीं धर्य होगा, जो उस प्रध्याय में बिका गया है।

श्रनुसूची

एक पोर्गन नं ० 105 (पहली मंजिल) डी० एल० एफ० हाउस 40-एफ० कनाट प्लेस जिसका क्षेत्रफल 487.78 वर्ग गज है।

> जी० सी० ध्रप्रवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-I, दिल्ली, नई विल्ली--110002.

तारीख: 26 मार्च, 1980।

भारत सरकार

कार्यालय, नहामक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रायकर श्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रीधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख़ के भ्रिष्ठीत सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थायर समासि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— इपए से भ्रिष्ठिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 6 ए० जंगपुरा 'ए' हैं तथा जो नई दिल्ली में स्थित, है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, विल्ली में भारतीय रिजस्ट्री-, करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जलाई, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर शन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर प्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तर पाया: गथा प्रतिफत, निम्तलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण विखित में बस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या
- (म) ऐसी किसी आप या किसी जन या प्रत्य फ्रास्तियों को; जिन्हें भारतीय भाय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिक्षा के लिए;

असः अब एक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं जन्स अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिनित व्यक्तियों, धर्णात्:--- (·1·) स्कीन इन्स्टीट्यूट मौर पब्लिक सर्विस चेरिटेबल ट्रस्ट ६ ए, जंगपुरा 'ए' नई विल्ली ।

(धंतरक)

(2) मैसर्स गोरखा इन्डस्ट्रीस प्राईवेट लिमिटेड 3 ग्रनसारी रोड, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 3.0 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति शारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबख़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वेंगे।

स्पव्धीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रोर पर्दों का, जो छक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थे होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुसुची

एक प्रापर्टी नं ० 5 ए, जंगपुरा 'ए' नई विस्ली में स्थित है।

जी० सी० **प्रथवा**ल, सक्षम प्रधिकारी, सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), प्रजेन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002।

त्तारीख: 25 मार्च, 1980।

प्रख्य भाई० टी० एन० एस०---

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-I, 4/14क, आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली नई दिल्ली-110002, विनोक 1 ध्रप्रैल 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/I/एस० श्रार० III/7-79/305/5658:---ग्रतः मुझे, जी० सी० श्रग्रवाल,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सभम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिनका उविन बाजार सूल्य 25,000/- स्पए से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० श्राई०-7 है तथा जो लाजपतनगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबन धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन तारीख जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान पतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत श्रीधक है और यह कि अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त पन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (फ) ग्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिस में कमी करने या जससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर श्रक्षितियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधितियम, या धन-कर श्रिधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यात:——
5—26G1/87

(1) श्री राजिन्दर सिंह निवासी III-1/5, लाजपत नगर, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरफ)

(2) श्री खेम चन्द कुकरेजा, डी-44/2, ईस्ट ग्राफ कैलाश, नई दिल्ली।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी शबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणं:--इसमें प्रयुक्त शब्दों थ्रौर पदों का, जो उकत ग्रिष्ट-नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं प्रर्थ होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

प्लाट नं० 7, ब्लाक ब्राई क्षेत्रफल 296.7 वर्गगज, लाजपत नगर-III, नई दिल्ली-24 में निम्न प्रकार स्थित है:--

उत्तर : प्लाट नं I—<u>III/</u>8

पश्चिम : सङ्क

जी० सी० श्रग्नवाल, सक्षम श्रिषकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002.

तारीखः । प्रप्रैल, 1980।

प्ररूप चाई वटी ० एन ० एस ०----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की झारा 269-च (1) के मधीन पूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I, 4/14क, आसफअली मार्ग,नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली-110002, दिनांक 1 श्रप्रैल, 1980

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एन्यू०/I/एस० ग्रार० JII/7—79/299/5658:—श्रातः मुझे, जी० सी० ग्राप्रवाल, आयकर घिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इयके प्रकार प्रतिनियम, क्षेत्र गया है), की धारा 269-व के

पश्चात 'छक्त ग्रामिनियम' कहा गया है), की श्रारा 269-व के ग्रामीन सक्षम प्राधिकारों को, यह जिक्कास करने का कारण है कि स्वायर सम्पत्ति, जिसका जिल्ला बाजार भूत्य 25.000/+ रुपए से ग्रामिक है

ग्रौर जिसकी सं० ई-4/232 है तथा जो लाजपत नगर श्रमर कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य ने कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुशं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह प्रतिकत अधिक है और अन्तरक (धन्तरकों) ग्रीर अन्तरित (धन्तरित यों) के बोच ऐसे अन्तरक (धन्तरकों) ग्रीर अन्तरित (धन्तरित यों) के बोच ऐसे अन्तरित के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्ना बिंद उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक अप से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसो भाग की गाउप, उक्त अधिनयम के भग्नीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने पा उससे अवने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी हिसी ग्राय या किसी अन या अन्य प्रास्तियों की जिन्हें नारनीए जाय हर श्रितियम, 1022 (1922 का 10) या उनत अधितियम या धन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाचे अन्तरिती हारा अकार न्यां किना जाना चाहिए था, किया में सुविधा के लिए;

अतः अद, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग े धनुसरण में, में, उन्त अधिनियम का धारा 269-व की उपधारा (1) के खबीन निश्नलिबित व्यक्तियों, अवित्:--- (1) श्रीमती केशर देवी पत्नि स्व० श्री चुन्नी लाल निवासी जे०/517, सेवा नगर, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती लक्षमी देवी पत्नि मोह्नम लाल निवासी ई-4/232 श्रमर कालोनी, लाजपत नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वास्त अधानि के पर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हूं।

उका समाति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 विश्व की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जी भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खै) इस जूनना क राजगन्न में अकागन की तारीख से 45 दिन के भा**न्य उन्त स्थावय** सम्पत्ति में हित्वक किसी धन्य व्याकत द्वारा, ब्रधादृश्ताक्षरा के पास लिखित में किए जा तकेंगे।

ह्वदृशीकरण:--इसमें प्रयुक्त मन्त्रां भीर नदों का, जो उक्त भाधिनियम, के सम्याय 20-क में परिभावित है. बड़ों अर्थ होगा, जो उस सम्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० ई-4/232 क्षेत्रफल 100 वर्गगज, श्रसर कालोनी, लाजपत नगर, नई दिल्ली में स्थित हैं।

जी० सी० ग्रग्नवाल, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-I, विल्ली, नई विल्ली--110002.

तारीख : 1 प्रप्रेल, 1980

पक्ष भाईं ही एन एस ---

भायकर भ्र**धिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा** 269-क (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 25 मार्च, 1980

निदेश सं० ए० पी० 2078:---यत: मुझे, बी० एस० दिह्या, धायकर धिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम शाधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

भीर जिसकी सं जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो राम पुरा फुल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रनुसूची में, भीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय राम पुरा फुल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के प्रन्तह प्रतिशत से प्रधिक है पीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्तलियित उद्देश्य से उनत अन्तरण जिलित में वाहा-विक रूप से कियत नहीं किया नया है:—

- (क) अग्तरण से हुई किसी आय की वावत जनत प्रधि-नियम के भंगीत कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करते या उससे बचने में शुविधा के लिए; भौर/या
- (अ) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों की, जिम्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिनियम, या धनकर भिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रत: बब, उक्त भिवितयम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त भिवितयम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित स्वक्तियों, भवीत्:— (1) श्री साधु राम पुत्न मिलखी राम पुत्न मांगी राम वासी पट्टी हीरा सिंह फरीदकोट।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गुरदयाल सिंह पुत्र करतार सिंह पुत्र हरनाम सिंह गांव व डाक० फुल, जोगिन्द्र सिंह, जगीर सिंह, इन्द्रजीत सिंह, हरिमन्द्र सिंह सपुत्र गुरदयाल सिंह पुत्र करतार सिंह गांव व डाक० फुल मारफत दिलां कालेज, सटोर रामपुर फुल।

(श्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रिच रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानताहै कि वह सम्पत्ति में
हिसबदा है)।

को यह सूचन: जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है!

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तस्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर संपत्ति में
 हिसबद किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताकरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्षीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शम्बों भीर पदों का, जो उक्त भिक्षितियम के भव्याय 26-क में परिभाषित हैं. वहीं भर्ष होगा, जो सस भाषाय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जैसा कि विलेख नं० 1604 जुलाई 79 को रजिस्ट्री-कर्त्ता भ्रधिकारी राम पुरा फुल ने लिखा है।

बी० एस० दहिया, सक्षम प्रधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 25 मार्च, 1980

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 5 मार्च 1980

निदेश स॰ आई ऐसी॰/एक्वी/भोपाल 79-80/1478:---अतः मुझे, कु० कां० राय,

भ्रायकर श्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिवीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रीविक है

श्रीर जिसकी सं० मकान (भाग) है तथा जो खरगौन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण कप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, खरगौन में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-7-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रत:, अब, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:——

(1) 1. श्री तुराब ग्रली पुत श्री कय्यूम भाई बौहरा (2) श्री निसार ग्रली व (3) श्री सैफुउद्दीन पुत्र श्रीतुराब ग्रली बौहरा, निवासी खरगौन ।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री दाऊ लाल पुत्र श्री नटवरलाल महाजन, गांधी रोड, खरगौन ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इ.स. सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ढाई मंजिला मकान का भाग रकवा 414 वर्गफुट, गांधी रोड, खरगोन ।

> क्ट॰ कां॰ राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 5-3-1980.

प्ररूप भाई ० टी० एन० एस०-

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 5 मार्च 1980

ग्रायकर प्रधिमियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से ग्रधिक है

और जिसकी सं मकान (भाग) है, तथा जो खरगौन में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, खरगौन में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 17-7-1979 को पूर्णेक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रिधक है और अन्तरित (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तप पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश में उक्त अन्तरण है ---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; भ्रौर/था
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रब, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1* के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित्:— (1) 1. श्री तुराब म्रली पुत्र श्री कय्यूभभाई बोहरा, (2) श्री निसार म्रली व (3) श्री सैंफुउद्दीन पुत्र श्री तुराब म्रली वौहरा, निवासी खरगौन ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कृष्णा पुत्र श्री नटवर लाल महाजन, गांधी रोड, खरगौन । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के भ्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अव्याय में दिया गया हैं।

घनुसूची

ढाई मंजिला मकान का भाग रक्षवा 1016 वर्गफुट, स्थित गांधी रोड, खरगौन ।

> क्व० कां० राय, सक्षम प्राधिकारी, सहाय**क श्वायकार श्वायकारी**, **श्व**र्णन रेंज, भोपाल

तारीख: 5 मार्च, 1980

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०→------

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्राधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 मार्च 1980

भायकर प्रधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात 'उका अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने ा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/-रुपये से मुल्य ग्रीर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकार के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 25-7-1979 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुरायान प्रतिफव के लिए पन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत ग्रधिक है भौर ब्रन्तरक (ब्रन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (ब्रन्तरितियों) के बीच ऐस प्रस्तरण क लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निस्नलिखित उद्देश्य ग उक्त प्रन्तरग लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की वाबत उक्त श्रधि-नियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए ; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राप या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायक्तर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रव, उक्त प्रजितियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, में, उक्त प्रधितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—

- (1) श्री विनायक पुत्र श्री लक्ष्मण करहेलकर बी०-15, एम० पी० ई० बी० कालोनी, रामपुर, जबलपुर। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती प्रभा पटनी श्री प्रकाश जैन, 107, जूनी कसेरा बाखल, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मास के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त मन्त्रति के प्रजीत के मन्त्रत्थ में कोई भी ब्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों एर सूचना की उपमील से 30 दिन की अवधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इप न्याः ह शनाव में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन हे भीतर उक्त स्थावर प्रमाति में हितबद्ध हिसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, श्रवीहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दी हरण: --इन में प्रयुक्त मध्दों और नदों का, जो उक्त अधि-निरम ह अधान 20-ह में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नम्बर 126, माप 3600 वर्गफुट, स्थित साकेत नजर कालोनी, इन्दौर।

> कृ० कां० राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीख: 5 मार्च, 1980

प्ररूप आई• टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 मार्चे 1980

निर्देश संब्याई०ए०सी०/एक्ट्री/भोपाल/ 79-80/1481:---भ्रतः मुक्षे, कृ० कां० राय,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उकत स्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के स्रधीत सक्षम प्राधिक।री को, यर् विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से स्रधिक है स्त्रीर जिसकी मं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद स्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, नारीख 20 जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण निखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण में हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्व में कमी करने या उसने बचने में युविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राम या किसी बन या प्रत्य आस्तियों को, जिन्हें ग्राम कर श्रिष्ठनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठनियम, या जन-कर श्रिष्ठनियम, 1957 (1957 का 27) के ग्रामनार्थ श्रन्तियों आरा पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रन:, श्रब, उनन श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उनन श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों. अर्थात्:— (1) श्री कमल क्रुमार पृत्र श्री मौनागमल पंचीली, 365-महात्मा गांश्री मार्ग, इन्दौर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती लक्ष्मी बाई पत्नि श्री द्वारका दाम नीमा 14/7, नार्थ राज मीहल्ला, इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उका तमाति के अर्जन के पत्तका में कोई भी आक्षेप :---

- (ह) इप सूचना के राजाय में प्रहाणत की तारीख से 45 दिन की प्रविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीत से 30 दिन को प्रविध, जो भी प्रविध बाद में तमाप्त होती हो, के भोतर प्वेंक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी पत्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोदनाक्ष्मरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्होकरण: ---- इतमें प्रयुक्त मध्यों प्रीर पदों हा, जो उक्त छाधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है. वडी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 77 का दक्षिणी भाग रकवा 480 वर्गफुट स्थित गणेश गंज, इन्वीर ।

> ंक्ट॰ कां॰ राय, सक्षम प्राधिकार, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण), भ्रजीन रेंज, भोपाल ।

तारीख: 5 मार्च, 1980 :

प्रकप भाई • टी • एन • एस •----

जायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की जारा 269-मं (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 मार्च 1980

निदेण सं० श्राई०ए०सी०/एक्बी/भोगाल/79-80/1482----ग्रतः मुझे, कृ० कां० राय,

धायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके पश्चात् 'उनत प्रधितियम' कहा गया है); की बारा 269-ख के अधीन सक्तम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मन्पत्ति, जिमका उचित बाबार मृह्य 25,000/- रुपए मे शिवक हैं,

श्रीर जिसकी सं० (मकान भाग) है, तथा जो इन्दीर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दीर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 20 जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त संयक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान जो कल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का पल्द्रह प्रतियात अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे यन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निस्तिलिखत उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में चुल्कर- दिक कप से क्षित नहीं किया गया है!

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त प्रविनियम; के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में चरी करने या उससे बचने में सुविधा के विष; घोर/या
- (ख) ऐनी किसी आय या किसी घन या अन्य धास्तियों को जिन्हें धारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर धिवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के बबुसरण में, में, इक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवीत्:— (1) श्री कमल किशोर पुद्ध श्री मौभागमल पंचोली, 365, एम० जी० मार्ग, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पलता बाई पत्नी श्री कुण्णदाम, 14/7, नार्थ राज मौहल्ला, इन्दौर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के संबंध में कोई भी ग्राझीप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सेबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारी खसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधीष्ट्रस्ताक्षरी के पास किश्वित में किए था सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का; जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 77 का उत्तरी भाग रकवा 480 वर्गफुट, स्थित गणेश गंज, इन्दौर ।

> कु० कां० राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयशर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन क्षत्र, भोपाल

सारीख : 5 मार्च, 1980

प्रकप माई • टी • एन • एस •----

जारकर भिष्ठितियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 मार्थ, 1980

निवेण सं० ग्राई ऐ सी/एक्की/भोपाल/79-80/1483:---ग्रतः सुक्षे, फु० कां० राय,

भायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम श्रिष्ठकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-र • से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो धन्योर में स्थित है (श्रीर ध्समे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, धन्यौर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 23 जुलाई, 1979 की

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पग्छ श्रित प्रतिकल का पग्छ श्रित प्रतिकल का प्रविक्त का प्रतिकल का प्रविक्त का प्रतिकल का प्रविक्त का प्रविक्त की विष् त प्रवास गया प्रतिकल, निन्तलिक्त छहेग्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कायत का प्रतिकल रूप से कायत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से दुई किसी अाय की **वावत उक्त बांध-**नियम के धन्नीन कर वेने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे व**वने** में सुविधा के लिए ; और/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अप्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर घिष्टित्यम, 1922 (1922 कर 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः पत्र, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-थ की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवित्।—— 6—26GI/80 (1) श्रीमशी सावित्री बाई परिन श्री हीरालाल जी ग्राम श्रोफर सह० नासिक, महाराष्ट्र।

(ब्रन्तरक)

(2) श्री राज भुमार पुत श्री राम दिसामल जी मेहरा 16, नीलकंड कालीनी, भन्यौर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचवा जारी करके पूर्वीक्त सम्पन्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के खायपत में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की श्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कि री व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद किसी अन्य स्थावत द्वारा, अक्षोहर शकरी के पास लिखिस में किये जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :---इसमें प्रमुक्त शब्दों बीर वर्दों का. बी उक्त प्रधि-नियम के अध्याय 20 क में परिवाधित हैं, वही अर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यो मंजिला मकान नं० 112 का तल मंजिल स्थित भैलाश पार्वो, कालोनी, धृत्थीर।

> क्व० को० राय, सक्षम प्राधिकारी, (निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त) ग्रर्थन रॅंज, भोपाल ।

तारी**थ**: 5 मार्च, 1980।

प्ररूप धाईं व ही । एन । एस । ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायश बायशर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्णन रज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 मार्थ 1980

निदेश सं० ग्राई०ऐ०सी०/एक्सी/भोपाल/79-80/1484---श्रतः सुक्षे, कृ० कां० राय,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के भन्नीत सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- व्यए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो भन्धीर में स्थित है (श्रीर ध्ससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्री-कर्सा प्रधिकारी के कार्यालय, भन्धीर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन, 13 जुलाई, 1979 की पूर्वों के सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के जिये प्रस्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वों स्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रश्तरितों (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्र पात्रा क्या प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वाहतिक का ने किया नहीं किया गया है: →→

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक हे दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1923 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27, के प्रयोजनार्ज अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाष्टिये या, छिपाने में सुविद्या के लिए;

अतः, अब, उन्त अधिनियम की धारा 289-ग के अमुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 289-च की उपधारा (1) अधीन, विम्यानिचित व्यक्तियों, अचीत् ।—- (1) श्री भालचन्द्र देव पुत्र श्री दासीदर देव 288, लोकमान्य नगर, धृत्थीर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गनेश पुत्र श्री वासु देव बुलकर्णी 22, तिलक पथ, धन्धौर। (वसमान 244, शोकमान्य नगर, धन्धौर।) (अन्तरिसी)

को यह सूजना जारो करके पुर्वोक्त सम्पति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्यति हे अर्जन हे सम्बन्ध में होई भी माओप :---

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 48 दिन की प्रविद्य या तस्सेम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविद्य, भी भी
 प्रविद्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोत्स्ाक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे ।

स्यब्दीकरणाः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर नवीं का, ओ उक्त प्रधि-नियम के भ्रष्याय 20-क में परिवाधित है, वही पर्वे होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुखी

थो मंजिला मकान रक्षवा 1515 वर्गपृट 244, लोकमान्य नगर, धुन्दौर।

> कृ० कां० राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज, भोपाल ।

ता**रीख:** 5 मार्च, 1980।

भोहर :

प्रकप चाई• डी• एन• एस•---

धारा 269-च (1) ने सधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सङ्घामक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

घर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 मार्च 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्शी/भोपाल/ 79-80/ 1485:---श्रतः मुझे, क्र० सां० राय,

धायकर धिधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृहम 25,000/- इपये से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो धन्थीर में स्थित है (और इससे उपाबक्ष प्रमुक्ती में और पूर्ण रूप में विणित है) 'रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, इन्यीर में रिजस्ट्रीकरण प्रधिक्तियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 17 जुलाई, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृश्य से कृप के वृश्यमान प्रतिकृत के लिए प्रथारित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृश्य, उसके पृथ्यमान प्रतिकृत से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिकृत से प्रधिक है और प्रकारक (प्रश्वरकों) पीर प्रश्वरिती (प्रशासिक है और प्रकारक (प्रश्वरकों) पीर प्रश्वरिती (प्रशासिक, तिम्निलिखित उद्देश्य के उपत प्रश्वरण लिखित में वास्तविक कप से क्रिकत नहीं किया गया है:——

- (क) घम्लरण से हुई किसी झाय की वावत उक्त प्रधिनियम के प्रधीत कर देने के घम्लरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर घधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घधिनियम, या धन-कर घाँधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अव, उन्त प्रधिनियम की धारा 260-ग के प्रनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-ण की उपधारा (1) के अक्षीन, निम्तलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री पालेहचन्त्र पुत्र श्री ताराचन्त्र ग्राग्याल 61, वरुलभानगर, धन्तौर।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती जयश्री परिन श्री किरिड शुमार प्रवलानी 212, बालकेश्वर रोड, नव कृष्णा श्रुंज, 6शीं फ्लोर, ब्लाक नं० 17, बाम्बे-6।

(भन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध, या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा भ्रभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यब्दोक्तरगः ---इसमें प्रपृक्त णन्दों भीर पदों का, जो उक्त धिवियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही धर्ष होगा जो उस धड्याय में दिया गया है।

अनुतूची

प्लाट नं० 15 माप 3000 वर्गपुट स्थित ज्वाय बिल्डर्स, कालोनी, ध्रुवीर ।

> कु० को० राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 5 मार्च, 1980

भोहर :

प्रसुप प्राई ० टी:० एन० एस०→--

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीम सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर भायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 मार्च 1980

निर्देश सं० माई०ऐ०सी०/एक्थी/भोपाल/79-80/1486---म्रतः मुक्को, कु० कां० राय,

श्रायकर श्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/-रुपए से श्रिधिक है

धीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो धन्बौर में स्थित है (श्रीर धससे उपाबस अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के नार्यालय, धन्दौर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1098 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 1 जुलाई, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का नार्ण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य उसके वृश्यमान प्रतिकल से ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात से श्रिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निखिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित श्रवित्तयों, प्रथीत्:— (1) श्री सुरेश चन्द पुक्ष श्री बाधलाल मिसल 338, शिवाजी नगर, धन्धौर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विनेश चन्द्र पुत्र श्री बाबूलाल मित्तल 22/2, मशवत निवास रोड, धृत्यौर।

(भ्रन्त(रती)

को यह सूचना गारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के श्रर्जन के लिए कार्यकाहिया करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क)। इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, अरे भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य अपित द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः—इसमें प्रयुक्त सब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्राधिनियम के ग्राध्याय-20क में परिभाषित है, वही ग्रार्थ होगा जो उस ग्राध्याय में पिया गया है।

अनुसूची

मकान नं 3, पीपली, बाजार (महाथीर मार्ग), धन्यौर ।

कृ० कां० राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रज, भोपाल ।

तारीख: 5 मार्चे; 1980।

प्रकल मार्थे० टी व एन ० एस ०----

आयकःर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण)

श्रर्णन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 मार्थ, 1980

निदेश सं० ब्राई०ऐ०सी०/एक्यी/भोपाल/ 79-80/ 1487---

मृतः मुशे, सृ० कां० राय, भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43); (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त मिसिन्यम' कहा मया है); की आकरा 269-ख के मिसिन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से मिसिक है

श्रीर जिसकी सं ० मकान है, तथा जो इन्यौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकरी श्रीधकारी के कार्यालय, इन्यौर में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 24 भगस्त, 1979 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरित (मन्तरित में अधिक है भौर अन्तरित (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरक से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त मधि-नियम के मधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिषिनयम, या धनकर घिषिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः त्रव, उक्त मिधिनियम, की घारा 269-म.के मनुसरफ. में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के भन्नीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (.1). श्रीमदिते सुन्दर बाई पत्नि श्री विष्पूर्पत परघट 93, वस्तभ नगर, इन्दौर ।

(अन्तरक)

- (2) 1. डा॰ श्रीधर पुत्र श्री गांकारन वाजपेई व (2) श्रीमति कमल कुमारी परिन डा॰ श्रीधर वाजपैई यूनिवर्सिटी श्राफ टेक्नालाजी, बगदाद। (श्रन्तरिती)
- (3) सर्वश्री (1) के ब्लेक्ट (2) एस० के० पस्तीरिया (3) बद्रीप्रसाद व (4) ग्रमृत लाल यादव (किराये-दार)।

(बहु व्यक्ति, जिसके ग्रिक्षिभोग में सम्पत्ति हैं)।

कोः यह सूक्ता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां मुक्त करता हूं।

उनत सम्मति के प्रार्थन के सम्बन्धा में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकामन की तारीमा से 45 दिन की प्रकां या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के मीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रह्माय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रह्माय में दिया गया है।

अनुसूर्ची[®]

मकान तं० 93 स्थित प्लाट नं० 51, बरलक्ष नगर, इन्सोरः।ः

> कृ० कां० राय, सक्षम श्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्अन रेंज, भोषाखा

तारीख: 5 मार्च; 1980।

प्रकप धाई • टी • एन • एस • ---

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 प(1) के धंधीन सूचना

भारत सरकार

कायात्रिय, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजिन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 मार्च 1980

निवेश सं० प्राई० ऐ० सी०/एक्वी/भोपाल/79-80/1488:---म्रतः मुझे, कु० कां० राय, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके परवाह 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने

का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिन्नका उचित बाजार

मूल्य 25,000/- व॰ से मधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 23 जुलाई, 1979 पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मणापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचिन बाजार मुख्य, उसके बुश्य वरन प्रतिकल से, ऐसे बुश्यमःन प्रतिकल का वन्द्रह प्रतिश्वत पश्चित है और मन्तरम (अन्तरकों) और सन्तरिती (सन्त-रिनेयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल. निक्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक हर से कथित नहीं किया गया है।---

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के बाधिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविज्ञा के लिए। बोर/ग
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर ग्रीव्यनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धम-कर घिष्टिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया षा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उत्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त प्रक्षिनियम की बारा 269-व की उपकारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात 1---

(1) श्री राज शेखर वाडेकर मकान नं० 387, वेस्ट माफ कोर्ट रोड, बैंगलोर-10।

(ग्रन्तरक)

(1) 1. श्रीमती निशा देवी बन्सल व (2) श्री शिव प्रसाद ग्रग्रवाल, मकान नं० 68, सिमागंज, इन्दौर। (भन्तरिती)

को यह स्वना जारी करते पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी भारतेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन को आरोख से 45 विन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्शका का किया में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारोच ते 45 दिन के भीतर जक्त स्पावर संपक्ति में हित्रबद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा भ्रजीहरताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।
- रःवडी**करणः ---इसर्में** प्रयुक्त शब्दं और पर्वो का, जो उपत अधिनियम के पश्याय 20-क में परिभाषित् है, वही अर्थ होता, जो उस **मम्पाम में** दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं ० ६/२, माप १००० वर्गफुट स्थित ममोरमा गंज, इन्दौर ।

> कु० कां० राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), मर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीख: 5 मार्च 1980

प्रकृप चाई० ही । एन । एस --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सद्दायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 मार्चे 1980

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की खारा 269-ख के धंधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का स्वारण है कि स्वातर संपत्ति जिसका उच्छित बाजार मूल्य 25,000/-ए० से श्रीक है

श्रीर जिसकी सं० मकान है, तया जो इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन, तारीख 4 जुलाई, 1979 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के वृश्यमान प्रतिक्ष के लिए सन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके वृश्यमान प्रतिक्ष्म से, ऐसे वृश्यमान प्रतिक्षण का पन्नह प्रतिगत अधिक है और पन्तरक (अन्तरकी) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिक्ष यल निम्नलिखित उद्देश्य से अन्त अन्तरण सिक्षित में वाश्वाद स्व कप के कथि। नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी प्राय की बावत करत अधि-नियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वाशिश्व में कमी करने या उससे वयने में सुनित्रा के लिए। भीर/मा
- (क) ऐसी किती प्राय या कियो था मा ग्रम्य पाहित्यों की, जिस्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भिवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए या, जियाने में सुविधा के जिए;

अतः अव, उनत बधिनियम की धारा 269-ग के मन्-सरण में, में, उनत बधिनियम की धारा 269-व की उपकरा (1) के अधीन, निम्नविधित व्यक्तियों, अधीन्।— (1) श्री मनोहर लाल पाराशर पुत्र श्री बदीलाल पाराशर, ग्राम सेमलिया चाउ, जिला इचीर ।

(भ्रन्तरक)

(2) 1 श्री विश्नू प्रसाद व 2. कान्त्रमल पुत्र श्री भीवाराम, 39/1, छीपा बाखल, इन्दौर। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी शरके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किशी व्यक्ति क्षारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद किसी अग्य स्थक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किवित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण !--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पक्षों का, तो जनत अधिनियम के धड़याय 20-क में परिचादिन है, वही अर्थ होगा, को उस घड़याय में दिया गया है।

अनुसूचो

मकान नं ० 12, शक्कर बाजार, इन्दौर।

क्षु० कां० राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 5-3-1980।

प्ररूप आई०टी•एन•एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आग्रुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, भोताक

भोगाल, दिनांक 5 मार्च 1980

निवेश सं० माई० ए०सी०/एक्त्री • भीवाल/ 79-80/1490---भ्रतः मुझे, कु० कां० राय,

नावकर अधिषियम, 1964 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उकत इसिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000∕-रु. से अधिक है।

भीर जिसकी सं ० मकान व भूमि है, तथा जो बरैली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है, रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, बरैली में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, 3 जुलाई, 1979 को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने वह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से ऐसे दूरयमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिकात से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, विम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया च्या दही.—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हू भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, बं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री कृष्ण कुमार पुन्न श्री राजाराम मिश्रा, बाडी खुर्व सह० बरेली, जिला रायसेन।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री मुन्नालाल शुक्ला पुत्र श्री शारदा प्रसाद शुक्ला, बाडी खुर्व तह० बरैली, जिला रायसेत । (फ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रीपः---

- (क) इस स्थान के राजपव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वक्तियों में ते किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की द्वारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रमुक्त चंद्रों और पदों का, जो 'उच्कत अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

मकान व खुली भूमि स्थित बाडी खुदै तह० बरैली जिला रायसेन ।

> क्कु० कां० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 5-3-1980

प्ररूप श्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

भाषिकर भिधिनियम 1961 (1981का 43) की धारा 269थ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन क्षेत्र भोपाल

भोपाल दिनांक 10 मार्च 1980

िनदेश रं० ग्राई ऐ सी/एक्बी०/भोपाल/79⊢80/1491⊶ अतः महो कु० कां० राय,

भागकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अभीन सभा प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सनाति जिन्नका उचित बाजार मूल्य 25,000/-स्वए से भिधिक है

भीर जिसकी सं मकान है तथा जो जबलपुर में स्थित है (भीर इससे उपावद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता श्राधकारी के कार्यालय जवलपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रीध-नियम 1908 (1908 का 16) के श्राधीम तारीख 24 जुलाई, 1979 की

पूर्वोकत समात्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोकत समाति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिणत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के वीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत एक्त अधि-नियम के प्रधीन कर वेने के अस्तरक के दायित्व में कमो करने पा उत्तते बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी कियी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीर प्राप्तर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-नियम 1957 (1957 का 27) के आयोजनाणें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जनक नाहिए था छिताने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269म के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित ध्यक्तियों अर्थान्:—

7-26G1/80

(1) श्री प्रह्लाद भाई पुत्र श्री म्रात्मा राम पटेल, गोल बाजार, जबलपुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) 1. श्री किशन जी पुत्र श्री टोकरसी, राईट टाऊन, जबलपुर, (2) श्रीमित गुनवन्ती पत्नि श्री किशन जी व (3) श्री श्रतुल कुमार श्रवयस्क द्वारा श्री किशन जी 1252, राईट टाउन, जबलपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.त. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किनी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रन्थोहस्ताक्षरी के पास निखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: --इसमें प्रमुका गब्दों ग्रीर पदों का जो उक्त श्रधि-नियम के ग्रध्याय 20 क में परिभाषित हैं वहीं भ्रयं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है ॄैं।

अमुसुची

> क्वं० कां० राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, भोगान।

तारीख: 10 मार्च, 1980।

मोहर 🗇

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भावकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्राजन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 मार्च 1980

निवेश सं० ग्राई०ऐ०सी०/एक्बी०/भोपाल/ 79-80/ 1492---भ्रतः मुझे, कृ० को० राय,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- घपए से प्रधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो रतलाम में स्थित है (श्रोर इससे उपाबस प्रतृभुवी में श्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 7 जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिक्रल के लिए मन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारग है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिक्रस से, ऐसे बृश्यमान प्रतिक्रस से, ऐसे बृश्यमान प्रतिक्रस के पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रश्तरकों) बीर मन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे प्रश्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिक्ति निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त मन्तरण लिखित में शक्तिक रूप से कथित नहीं किया गया। है:

- (छ) प्रश्वरव में दृष्टिकिसी आयं की बाबत, उन्ते अश्वि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घोर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अभ्य आस्तिशी को, जिन्हें भारतीय झायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उस्त बिधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं बासिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उन्त धिः नियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त मिश्रनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अ्यन्तियों, अर्थातुः— (1) सर्वेश्री (1) म्रब्बुल करीम (2) म्रब्बुल रहीम, (3) म्र० हफीम, (4) म्र० म्रजीज, (म्रवयस्क) (5) म्र० नहीम (म्रवयस्क) सभी पुत्र श्री मोह० खान जी व (6) श्रीमति कुलसुमबाई विध्या परिन श्री मीर खान जी सैरानी पुरा, रतलाम ।

(मन्तरक)

(2) मैंसर्स महेरवरी प्रोटीन्स लि॰ 28, नौलाई पुरा, रतलाम।

(मन्तरिती)

को यह त्या जारी करके पूर्वी का समित के समैन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी पाश्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की सर्वाध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की सर्वाध को भी श्रवधि वार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजपंज भें प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-बद्ध किसी सम्य स्थित द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिजित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दी तरण --इसमें प्रयुक्त जन्में और पदों का, जो उनत अधिनियम को अध्याय 20-क में परि-भाषित, हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस धन्याय म दिया गया है।

बनुसूची

कृषि भूमि रकवा 2, 00 हेक्टेयर्स फार्मिंग पार्ट आफ सर्वे नं० 267 स्थित रतलाम।

> क्र० को० राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख: 10 मार्च 1980

प्रकृप भाई • ही • एत • एस • ---

भावकर मिलियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 क (1) के ममीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सङ्घायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन क्षेत्र, भोपास

भोपाल, विनांक 10 मार्च, 1980

निदेश सं० ग्राई ऐ सी/एक्की०/भोपाल/79-80/1493:----भतः मुझे, क्ष० कां० राय,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो जबलपुर में स्थित है (भीर इससे उपावक धनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिष्ठकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्री-करण श्रीर्थानयम, 1908 (1908 का 16) के श्रश्वीम, 19 जुलाई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत ग्राधिक है और मन्तरक (प्रन्तरकों) भौर भन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए, यह तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित भों वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त ग्रीध-नियम के ग्राधीन कर देने के घन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या ग्रन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, सब, स्थत प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, स्थत प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अथीत् :--- (1) श्री के० के ० मार्गव पुत्र स्व० श्री एस० एस० भार्गव 54 नर्वेदा रोड जबलपुर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती ममता श्री बास्तव परिन श्री श्री० के० श्रीबास्तव, 19, पाली परथर, जबलपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी ज से 30 दिन की प्रवित्र, औं भी प्रविध बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में दे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण :---इसर्में प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिन्नित्यम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्ष होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट भूमि माप 6555 वर्गफुट फार्मिंग पार्ट खसरा नं० 50/2 रामपुर सर्वे नं० 1,एडज्वाधनिंग "पारसिबरिंडग" स्थित जबलपुर।

> क्र० कां० राय, सक्षम प्राधिकारी, (निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त), ग्रर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीख: 10 मार्च, 1980।

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

धर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 10 मार्च, 1980

निदेश सं० म्राई ऐ सी/एक्वी/भोपाल/79-80/1494:---म्रतः मुझे, कु० कां० राय,

धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क० से ग्रधिक है

धीर जिसकी सं ज्याट है, तथा जो जबलपुर में स्थित है (और ध्रससे उपाबक्ष श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विशेत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्राधकारी के कार्यालय, जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिक्षित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 22 जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्मतिका उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिशत अधिक है, और अन्तरिक (अन्तरिक्यों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अम्बरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त प्रितियम, के अधीन कर वेते के बन्धादक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; बौर/बा
- (ख) एसी किसी आप या किसी खत या अन्य ग्रास्तियों को जिम्हें भारतीय आय-कर मिक्षित्यम, 19-22 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर मिक्षित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मवा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के जिए।

अतः, धन, उन्त प्रधिनियम की धारा 269न के अनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269न की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तिपों अर्थात् 1(1) श्री के० के० भागंव पुत्र स्व० श्री एस० एस० भागंव, 54, नर्थदा रोड, जबलपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती ममता श्रीवास्तव परिन श्री श्री श्रो० के० श्रीवास्तव 19, पोली पत्थर; जबलपुर ।

(भ्रम्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (कः) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूमना की तानील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदा-किसी अन्यः क्यक्ति कारां अक्षोहस्ताक्षरी के पास-लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरणः - त्इसमें प्रश्नुकृतः श्रव्यों श्रीर पदों कम्, जो 'उक्द-श्रिधितियम', के श्रव्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा, जो उस श्रव्याय में दियाः गया है।

अनसची '

ष्लाट भूमि माप 6015 वर्गभुट भामिग पार्ट खसरा नं० 50/2, रामपुर सर्वे नं० 1, एडज्वाधनिंग "पारस बिस्धिंग", स्थित जबलपुर।

> कृ० कां० राय, सक्षम प्राधिकारी, (निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त), श्रर्जन रज, भोपाल।

ता**रीख:** 10-3-1980।

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, भोषाल

भोपाल, दिनांक 10 मार्च 1980

निदेण सं० म्राई०ऐ० सी०/एक्झी०/भोपाल/ 79-80/1495:--म्रतः मुझे, कु० का० राय,

म्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मिधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के मिथीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिनका उचिन बाजार मूलव 25,000/- ६० से प्रिष्ठिक हैं

और जिसकी सं० भूमि है, तथा जो नागदा, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, खान रोड में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 2 जुलाई, 1979

को पूर्वीक्त सम्बक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत्त के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्ष समाति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत में, ऐमे दृश्यमान प्रतिकल का गन्द्रह प्रतिगत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण में हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्स ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी घ्राय या किसी धन या घ्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भ्रत: अंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) धीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, भ्रथीत :--- (1) 1. श्री मान सावित्री देशी परित श्री गंकर प्रसाद भागेव (2) सुभीला पुत्र श्री संकार प्रसाद भागेव (3) श्री संक्षेत्र कुमार (4) रमेश चन्द्र (5) विजय बुमार पुत्र श्री लक्ष्मण प्रसाद पुत्री श्री राम प्रसाद भागेव एउथोकेट, उज्जैत।

(म्रन्तरक)

(2) 1. श्री राजमल पुत्र हजारी लाल वनेवट, खानरोड (2) श्रीमित पविद्यं देशी परिन श्री पद्म सिंह यादव नागदा मण्डी (3) श्रीमित धानु, बाई पित्त श्री णांति लाल खुराना खानरोड (4) श्री रनछोड पुत्र श्री शम्भू भी श्रन्जाना (5) श्रीमित प्रेमलता पितन श्री श्रवण सुमार जयसवाल, खानरोड, ।

(ग्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्बोंका सम्पत्ति के धर्नन के लिए कार्यवाहियां करताडूं।

उक्त सम्पत्तिः के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप : ---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीखा से 45 दित की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों; पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजनज्ञ में प्रकाशन की तारीख से 45 किन के भोजर उस्त स्यावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पासः लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त ग्रिजियम', के भ्रष्ट्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही भर्य होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

्रेलाट भूमि माप 0.815 हेक्टेयर वियरिंग सर्थे रं० 474/2, नागदा बस स्टैन्ड, नागदा ।

क्रुं० कां० राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरिक्षण), ग्रजैन रेंज, भोपाल

तारीख: 10 मार्थ, 1980

प्ररूप पाई० टी० एन० एस०----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-था(1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सद्दावक प्रायक्त प्रायक्त (निरीक्षण)

मर्जन क्षेत्र, भोपाल .

भोपाल, दिनांक 10 मार्च 1980

निदेश सं० माई ए ० सी०/एववी०/भोपाल/ 79-80/1496:---मतः सुक्षे, फु० कां० राय,

कायकर विविधित्तम, 1981 (1981 का 43) (जिले इसमें इसके परवाद जिन्द पिबितियम कहा गया है), की बारा 269-क के मधीन समाम प्रक्रिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- व॰ से प्रक्रिक है और जिसकी सं० विरिडंग है, तथा जो रायपुर में स्थित है (और इससे उपावस अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रक्षीन, तारीख 7 जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उणित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उन्नोर दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाह्यविक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त भ्रिष्ठितयम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रब, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्रीमती सादशी बाई परिन श्री शामनदास स्टेशन रोड, रायपुर।
 - (चन्तरक)
- (2) श्री मन्जीत सिंह व श्री रथीन्थ्र सिंह पुत्र श्री धन्त्र सिंह भ्राहूजा, रायपुर।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की भविध, जो भी धविधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वज्दी हरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो श्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) के श्रद्धाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अब होगा जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

बिल्डिंग जिसमें दो दुकाने स्थित स्टेशन रोड, रायपुर।

क्रु० कां० राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण), ब्रर्जन रेंज, भोपास

तारीख: 10 मार्च 1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर भिधिनियम , 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 12 मार्च 1980

निवेश सं० माई ऐ सी/एक्जी/भोपाल/79-80/1498:---

भायकर भिषितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिष्ठितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से भिष्ठिक है

भीर जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम वरखंड़ी में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिक्षकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन, तारीख 7 जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्तत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रग्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
 - (अ) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रिविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः श्रव, उक्त भिवित्यम, की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त भिवित्यम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भीषीन, निम्नलिखित व्यक्तियों भीषीत:--- (1) श्री बदर मोहम्मद पुत्र श्री कादर मोहम्मद गिन्नौरी, तलैया, भोपाल ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मदन लाल पुत्र श्री राम प्रसाद, बरखेड़ी, भोपाल।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई माक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से ।कसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

प्रमुसूची

कृषि भूमि रक्तवा 24.69 एकड़ स्थित ग्राम बरखेड़ी जिला, भोपाल।

> कृ० को० राय, संक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 12 मार्च 1980।

'प्रेंस्प प्राहि० टी० एम० 'एस०-

चिंग्यंकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धीरा 289क (1) के प्रधीन सुक्का

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त ⁽(मिरीक्षण) धर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 10 मार्च, 1980

निवेश सं० धाई ऐ सी/एक्की/भोजाल/79-86/1497:---ग्रोतः सुझे, कु० फाँ० राय,

आधकर किमिनम, 1981 (1991 का कि) शिजिसे इसमें इसके पश्चात 'एक्त प्रधिनियमं' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्रधिकारी की, पह निक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार सूख्य 25,000/- द० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो चांदला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, थाहला में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 25 जुलाई, 1978 को प्रवींक्त सम्पति के उचित बाजार मूख्य से कम के दुश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्सास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से धिक है भीर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; भौर/या
- '(श) ऐसी फिसी जैंकि था फिसी धन का प्रान्त अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, '1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) कि प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गैंथी था या किया जाना चाहिए था छिपाने में 'सुविधा के सिए;

अतः अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपेंधीरा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती बसन्ती बाई पत्नि स्थ० श्रीमान णंकरजी जोगी, चांदला।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती फातिमा बाई पत्नि श्री हकीमुद्दीन बोहरा, चांदला।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करती पूर्व ।

उक्त सम्बक्ति के अजीत के सम्बन्ध में कीई भी जातीप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी अविधि बीद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श्वा) दिसे सूचिना के राजियन में प्रिकाशन की तारीख से
 45 दिन के मितिर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्तानरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पडदीकरण:--ंइसर्वे प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का जी 'उपत श्रीधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया भेषा है।

अनुसूची

नकान स्थित सरदार पटेल मार्ग (भंडारीग्रली), चांदला।

क्च० कां० राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीखा: 10 मीच, 1980

'**प्रकृत** साई० टी० एतः प्रस०----

आयकर प्रश्विनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के घंधीन सुचना

भारत सरकार

कार्योलय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 12 मार्च 1980

निदेश सं० श्राई० ऐ सी/एक्नी/भोपाल/79-80/1499:---श्रत: मुझे, कृ० कां० राय,

प्रायकर धिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'इक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रश्नीत सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मन्दत्ति, जिनका उचिन बाजार मूल्य 25,000/-रुप्त से प्रधिक है

स्रोर जिसकी सं मकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण-श्रिधिनयम, 1908 (1808 का 16) के श्रधीन, तारीख 16 जुलाई, 1979

की पूर्वीकत सम्यति के उजित बाजार मूक्य से अम के दृश्यकान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकन सम्यति का उजित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिजन अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्न-लिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक अप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी भाय की बावत, उक्ल शिक्षित्यम के मधीन कर देने के बन्दरक के वासिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; बोर/या
- (ख) ऐसी किना नाय ना किसी अन यह अन्य अपस्तियों की, जिन्हें भारतीय धाय-कर मधिनियम, 1922) 1922 का 11) या उनत मधिनियम, या धन-कर भिष्ठिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त पधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अतीत् :——
8—26GI/80

(1) श्री श्याम राव छोटे राव गावाशिन्दे टैगीर पार्क, कालोनी, खरगीन ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कमला बाई पत्नि श्री जगन्नाथ महेश्यरी, 92, सिलायत पुरा, इन्दौर।

को यह सूचना जारो कर के पूर्वोका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राकोत :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में सभाष्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- ं(खा) इस मूचना के राजपत्र में क्रकाशन की तारीखा लेके 4.5 दिन के कोतर उत्तर स्थावर सम्मति में हितव**ब किसी** अन्य व्यक्ति द्वारा भधोहस्ताक्षरी के मास लिक्कित में किए जा सकेंगे।

स्पन्छोक्तरणः ---इमर्मे प्रमुक्त गब्दों मीर पदों का, जो उक्त मिनियम के घश्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा, तो उस अब्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं 3 का भाग रकबा 1312 वर्ग फुट स्थित 3/3, नार्थ राजमोहल्ला, इन्दौर ।

> कु० कां० राय; सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण); श्रर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीख: 12 मार्च 1980।

प्ररूप धाई० टी॰ एत॰ एस॰--

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा, 269-घ (1) के भंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायम आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 मार्च 1980

निदेश सं० भ्राई० ऐ०सी०/एक्वी/भोपाल/79-80/1500:--भ्रतः मुझे, क्र० कां० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभाग प्राधिकारी की, यह विषयास करने का कारग है कि स्थावर समाति जिनता उचित बाजार मूल्य 25,000/-इ॰ से अधिक है

म्रोर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इसे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1907 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 24 जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के दृश्यमार प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुसे यह विश्वान करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृहय, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्छह प्रतिशत अधिक है भीर बन्तरिक (अन्तरकों) और पन्छरितों (अन्तरितियों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, लिखन में वास्तिक कर पे क्षित नहीं किया गया है :--

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उनत प्रधि-नियम के धनान कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे याने में सुविधा के जिए खोर/मा
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रत्य घारितयों की जिन्हें भाय-कर घिषितयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त सिवित्यम, या धन-कर घिषित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं ग्रन्टरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, फिपाने म सुविधा के लिए

धतः भव, उन्त भिक्षितियम की घारा 269-ग के भनुसरण भ, में उन्त भिक्षितम्म की धारा 269-म की उपवारा (1) वाहीन, निक्नलिखित स्यन्तियों, भयति :---- (1) बाटर डेब्लपमेन्ट सोसायटी द्वारा श्री पी० एस० बापना, 2, रेसकोर्स रोड, इन्दौर।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स सिम्पलेक्स कारपीरेशन 11/2, डा० रोशन सिंह भंडारी मार्ग, इन्दौर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह पूत्रना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के सिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूबना के राजात में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कारा;
- (बा) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास मिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्षित नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसची

एक मंजिला सुपर स्ट्रक्ष्चर स्थित प्लाट नं० 20 माप 575 वर्गफुट कुल प्लाट क्षेत्रफल 8400 वर्गफुट स्थित पोलो ग्राउन्ड, इन्डस्ट्रियल स्टेट, इन्दौर ।

> कृ० कां० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज भोपाल।

तारीख: 12 मार्च, 1980।

प्रकर माई • टी • एन • एस •----

अ(यकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की घारा 26 ५-४ (1) के घटीन मूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 2 ग्रप्रैल 1980

निदेश सं० आई ऐ सी/एक्बी/भोपाल/770-81/1501:--अतः मुझे, कु० कां० राय,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन संजम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका सचित बाजार मृत्य 25,000/- क॰ से प्रधिक है

और जिसकी सं किनान है, तथा जो वमोह में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, वमोह में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, 11 जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छिन्ति बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरिन की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्छह प्रतिशत से ग्रिंघक है घोर घन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उहेश्य से उक्त ग्रम्तरण कि बिखित में बाक्तिका रूप से संगत् नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बावत बक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उनमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसो भाग या किनी धन या अन्य आस्तियों सो, जिन्हें भागकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः, सन, उश्त अधिनियम की घारा 269-व के अनुसरक में, में, उक्त श्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपदारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः ---> (1) श्री एहमद म्नली पुत्र श्री भ्राबिव हुसैन, मानगंज बार्ड नं० 2, दमोह।

(भन्तरक)

(2) श्री संतोष कुमार पुत्र श्री दुर्गा प्रसाद जैन, नया बाजार नं० 4, बमोह ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के पर्यंत के जिए कार्यवाहियां मुख्य करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भार्बन के संबंध में कोई भा धार्कप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीख से
 45 दिन की प्रविध पा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 मूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जी भी
 प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन को तारी वा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवज्ञ किसी सम्य व्यक्ति द्वारा, भंधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: ---- इसमें प्रवृक्त जन्दों भीर पटों का, जो उनत भिर्मानियम के भ्रष्टयाय 20क में परिभाषित है, बढ़ी भर्ष होना, को उस भन्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान स्थित मान गंज वार्ड नं० 2, एस० नं० 356, पी० एच० नं० 59, ए०, दमोह ।

> कृ० कां० राय, सक्षम प्राधिकारी, `सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख: 2 मप्रैल 1980।

मोहर 📊

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारतः सहनार कार्यागय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनोक 3 मार्च, 1980

सं० ग्रार० ये० सी० नं० 536/79-80—यतः मुझे, के०के० वीर,

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 1-1-108 है, जो ग्रार० पी० रोड सिकन्द्रा-बाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रिजस्ट्रकरण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रियीन जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रश्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुक्का के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग की उमग्रारा (1) ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थातः— (1) श्री एस० श्रीराम राव घं०नं० 69 राष्ट्रपती रोड सिकन्दराबाद में रहते हैं।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री (1) जी० सखूबाई (2) जी० बालासरस्थती (3) जी० ईशरय्या (4) एस० साईराणी जो 22 हैदरबस्ती सिकन्दराबाद रहते हैं।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के प्रजान के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजरत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जोभी
 ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तासीख. 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दी करण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो 'जकर' श्रधिनियम', के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

ग्रनुमूची

ष० नं० 1-1-80 जो रास्ट्रपती रोड सिकन्दराबाद में है जिसका रजिस्ट्रेशन डा० नं० 1670/79 उप रजिस्ट्रार कार्यालय सिकन्दराबाद से हुआ है।

के० के० वीर० सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक: 3-3-1980

ब्रह्मा : प्र.ई० दो० एत० एत०---

पायकर मित्रिनियम, 1961 (1961 हा 43) हो बारा 269-च (1) के प्राचीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय र प्रायकर प्रायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 3 मार्च, 1980

सं० ये० सी० नं० 537/79-80—यतः मुझे, के० के० वीर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जमीन सं० नं० 157/7 है, को भोकाटा सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद धनुसूची में श्रीर पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सिकन्दरा-बाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के तृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिग्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतीरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तर्भ लिश्वित में वास्तविक रूप से कश्वित नहीं किया क्या है।—

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रश्नीन कर देने के श्रस्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में शुविधा के शिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी हिसी घाय या जिसी घन या प्रत्य मास्तियों की,
 जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रांगिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम,
 या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
 किया गया था या किया जाना चाहिए था,
 छिगाने में सुविधा के लिए;

श्रतः यब, उक्त श्रविनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरग में, में, उक्त श्रविनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रजीम, निम्नलिखिन व्यक्तियों. प्रयोत्:—- (1) श्री एस० ईश्वर रेड्डी जमीन सं० नं० 157/7 भोकटा सिकन्दराबाद (कन्टोनमेन्ट)

(ग्रन्सरक)

(2) श्री दी० राघवा कोग्रापरेटिय हाउस बिल्डिंग सोसायटी लि०टी०ए० बी० नं० 68 मार्फत जी० एन० बालरेड्डी घं०नं० 6/87/4, श्रालवाल सिकन्दराबाद

(म्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उपन सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राफीप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस मूचला के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्बा किसी प्रत्य स्थापन द्वारा; अक्षोहस्ताकरा के पान विधान में किए जा सक्षेपे ।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिन्नियम के प्रद्रमाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होता जो उस भ्रष्टमाय में दिया गया है।

प्रमुख्के

जीराती जमीन वीस्तीर्णं सी-410 हैकटर्स 3539 जो सर्वे नं 157/7 जो भोकटा सिकन्दराबाद में हैं। जिसका रिजस्ट्रेशन ए॰ नं 1663/79 उप रिजस्ट्रार सिकन्दराबाद में है।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-3-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एम०⊶ ------

सहायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-घ (1) के श्रिधीन सूचना

भारत मरकार

हार्यातय, सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

निदेश सं० भ्रार० ये० सी० नं० 538/79-80--यतः मुझे,

हैयराबाद, दिनांक 3 मार्च 1980

के० के० वीर,
श्रायकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त ग्रिविनयम' कहा गया है), की धारा
269-ख के ग्रिशीन सभाग शिक्षितारी की, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-- रुपये से ग्रिविक है
श्रीर जिसकी सं० जमीन नं० 161/7 है, जो भोकाटा सिकन्दरा-

बाद स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन जुलाई 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से श्रिष्ठिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/य।
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीर आधकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्राव, उका प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रतु-सरण में, में, उकत प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्राधीन निक्नालाखित व्यक्तियों, ग्रायीत् :--- (1) श्री एस० ईश्वर रेड्डी सं० नं० 157/7 (हिस्सा) भोकाटा सिकन्दराबाद में रहते हैं।

(भ्रन्तरक)

(2) दी राघवा कोग्रापरेटिव हाउस बिस्डिंग सोसायटी । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मित के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप:---

- (क) इस सूबना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इप सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधि-नियम के ग्रष्टगाय 20-क में परिभाषित है, बही श्रर्थ होगा, जो उस ग्रष्टगाय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा विस्तीण एक एकर जो सं० नं० 157/7 में हैं, भोकाटा, सिकन्दराबाद, कोन्टोनमेन्ट में हैं, जिसका रजिस्ट्रे- शन ए-नं० 1640/79 से उप रजिस्ट्रार कार्बालय सिकन्दराबाद में हुआ है।

के० के० वीर पक्षम प्राधिकारी पड़ायक प्रायकर ग्रायुक्त (नरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 3-3-1980

प्रका भाई० टी० एन० एन०-----

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैक्षराबाव, दिनांक 3 मार्च, 1980

निदेश सं० भ्रार० ये० सी० नं० 539/79-80---यतः मुझे के० के० वीर

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-रुपए से भ्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 601 है, जो एस० डी० रोड सिकन्वराबाद स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से घधिक है प्रौर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उद्दत ग्रन्तरम लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरक से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त प्रक्षि-नियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, ग्रीर/या
 - (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर भ्रिविनियन 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधितियन, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रबं, उक्त श्रधिनियम को धारा 289-ग के स्रनुसरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-च का उनवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीतु:—— (1) मेसर्स उमाकरण, भ्रौर तेजकरण, राजाराम करण घं० नं० 8-2-547 बंजारा हिलज हैदराबाद में रहते हैं।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती किवला सी० क्रुपलाणी प्लाट नं० 601 कला मेन्सन, माला मेन्सन एस० डी० रोड सिकन्दरा-बाद में रहते हैं।

(ग्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी कर ह पृथीशन सम्पनि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्मति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी प्रार्क्षप:--

- (क) इा प्रका के राजान में प्रकार की नारीख़ में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की नामील से 30 दिन की अविधि. जी भी अविधि बाद में समाप्त होतो हो, के भोतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूवता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर पन्यति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रशीहत्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वेग ।

ृस्वब्दोकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिध-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रंथ होगा जो उस ग्रष्टयाय में विया गया है।

अनु सुची

प्लाट ब्लाफ नं० 1 में प्लाट नं० 601 पांचवां पलीर ओ 101 प्रिमिसिज में सरोजिनी देवी रोड सिफन्दराबाद में है जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० नं० 1635/79 से उप रजिस्ट्रार कार्यालय सिकन्दराबाद में हुमा है।

> के० के० बीर सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-3-1980

प्ररूप जाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आयंकर अधिनियम, 1961 (19**6**1 का **43) की बारा** 26**9**-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाव

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1980

निदेश सं० ये० सी० नं० 540/79-80——यसः मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधोन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- र॰ से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 504 है, जो कला मेन्सन एस० डी० रोड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रिजस्ट्रकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशान से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत तिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरक जिल्लाक में वास्तिक कर से किया नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाष की बाबल बक्ल भ्रिष्ठितियम के भ्रष्ठीत कर देते के भ्रम्लरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/वा
- (छ) ऐसी िकसी प्राय या किसी धन या प्रग्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आवकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष अन्तरिती द्वारा क्रकट नहीं निर्धा गया या या किया जाना वाहिए या, फिपाने में सुविधा के लिए;

अत: प्रव, उन्त प्रधितियम की धारा 269-म के धनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के प्रधीन 'निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:- (1) श्री मेसर्स उमाकरण ग्रीर तेजकरण, राधाराम करण घं० नं० 8-2-547 बंजारा हिल्ज में रहते हैं।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती निर्मला एम० श्राहूजा प्लाट नं० 504 कला मेनसन सराजिनी देवी रोड, सिकन्दराबाद में रहते हैं।

(भन्तरिती)

कोयह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उभत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ते निसी व्यक्ति जारा;
- (ख) इस सूचना के राजनत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्नीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्होकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का जो 'उक्त श्रिधिमियम', के प्रध्याय के 20क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

प्लाट नं० 504 कला मेनसन पांचवा पलोर एस० धी० रोड, सिकन्दराबाद में है, जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० नं० 1634/ 79 से उप रजिस्ट्रार कार्यालय सिकन्दराबाद में है।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त, (मिरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

तारी**खः** 3-3-1980

प्ररूप पाई०टी०एन०एसं०-

श्रायकर मर्धिमियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्राय्क्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च, 1980

निदेश सं अपार पे सी वनं 541/79-80-पतः मुझे के के वीर

श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त श्रीधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संग्रल जियका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से धिक है

श्रीर जिसकी सं ० प्लाट है, जो मलउपेट हैदराबाद स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्राझम_ पुरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण

मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जुलाई 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिन की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रधायूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के परदृह् प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐने अनारण के निए, त्र गाया गया प्रतिफल निम्नलिखन उद्देश में उक्त अन्तरण जिखिन में बास्तिक कर में क्यान नहीं कि ए गराई:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के श्रधीत कर देने के अन्तरक के दापिस्व में कमी करते या उसने बनते में मुक्तिबा के निर्प्सीर/वा
- (ब) ऐसी किमी आय या किमी धन या प्रन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय अयकर श्रिधितियम, 1922 (1922 का 11) या उका श्रिधितियम, या धन कर श्रिधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिताने में मुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुनरण में, म, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्निनियन व्यक्तियों अर्थातः : → 9—26GI/80

(1) श्री एम० सुन्दररात्र जी०पी०ए० एम० कोंडलराव घ०नं० 3-6-696 हिमायलनगर हैदराबाद में रहते हैं

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कोलनू इन्दिरा पत्नी डा० के० जनार्धन रेड्डी घ० नं० 1-5-16/सी मुसीराबाद, हैदराबाद में रहते हें।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राञ्जेष : -

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की श्रवधि या तथ्यन्वन्त्रों अस्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्राधि, जो भी प्राधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीता व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीत्र से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रेघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पवधीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शन्दों और पत्तों का, जो छक्त श्रीधिनियम के शह्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं शर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जुली जमीन विसीर्ण 450 स्केयर यार्डस जो जजस कालोनी मलकपेट हैदराबाद में है, जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ॰ नं॰ 2271/79 उप रजिस्ट्रार कार्यालय बाधमपुरा में हुमा है।

> के० के० बीर सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3 मा**र्च, 1980**

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

भायकर भिवित्यम , 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ(1) के भिषीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहामक ग्रामकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद,दिनांक 3 मार्च, 1980

निदेश मं० म्रार० ये० सी० नं० 542/79-80—स्तः मृझे के० के० वीर

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उका ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-का के मधीन सक्षम प्राधि हारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से मधिक है

भौर जिसकी सं० 4-1-938/भार-14 और 15 है, जो तिलक रोड हैदराबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्टीकर्ता भिधकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन जुलाई 1979 को

पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उनिह इश्वान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंचाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफत निमानिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (ह) ग्रन्तरण में हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधि-नियम के ग्रंथीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बबने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी घन या ग्रन्थ म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या घन-कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, अम, उनत प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उनत प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथितः— (1) मैसर्स कृष्णा कन्स्ट्रकशन कं० 5-8-612 फ्राबीट रोड, हैदराबाद में है।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती हैदरी बेगम भ० नं० 13-4-102/1 टपपा चबूतरा हैदराबाद में रहते हैं।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की प्रविध, जो की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा स्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पदशीसरगः --- इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जो छक्त ग्रीधिनियम के ग्राड्याय 20-क में परिचाषित है, वही ग्रायं होगा, जो उस ग्राड्याय में दिया गया हैंं।

प्रमुषी

हॉल नं० 4-1-938/आर०-14 और 15 बिस्तीर्ण 790 स्केयर फुट सातवां फ्लोर कृष्णा कम्पलेक्स तिलक रोड हैदराबाद में है, जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० नं० 4308/79 जाईन्ट उप रजिस्ट्रार झाफिस हैदराबाद में हुमा है।

के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाव

ता**रीख:** 3 मार्च, 1980

प्रकप आई • ही • एन • एस • -----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 42) की धारा 26कम (1) के मजीन सूचना

भारत सुरकार

कार्याक्षय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1980

निदेश सं० घार० ये० सी० नं० 543/79-80---यतः मुझे

कें कें कें विर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के प्रधीन सक्षम शिक्षकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका खनित वाजार मूल्य 25,000/- क्ये से प्रक्रिक है प्रौर जिसकी संं नं 4-1-938/प्रार 12 और 13 है, जो तिलक

रोड हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई 1979 को

पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकक्ष से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकक्ष का पन्प्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) पौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त प्रश्तरण लिखित में वास्तिबक कप से किवत नहीं किया गया है:—

- (क) अग्तरण से हुई किसी प्रायकी बाबन अक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी अन्या अध्य बाहितयों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रीवित्यम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर मुखितियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के किए;

अतः, अब उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रयु-सरण में, मैं, उन्त धाधिनियम की घारा 269-व की क्यकारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, व्यक्ति !--- (1) मेसर्स श्रीकृष्ण कन्स्ट्रकशन कं० 5-8-612 श्राबीव रोड हैदराबाद, (2) श्री राजकुमार 3-2-350 चप्पल बाजार हैदराबाव में रहते है।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती परवीन हसन घं० नं० 11-6-862/1 रेड हिल्स में रहते हैं

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियी करता हूं।

जनन सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में बोर्ड भी धाओप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 विन की भवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक थे 48 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी प्रमय व्यक्ति द्वारा, अधोद्दस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्ही सरम :-- - इसमें प्रयुक्त सन्यों और पर्यो सा, जो उक्त प्रक्षि-नियम के धन्याय 20-क में परिवासित हैं, वहीं असे होगा, जो उन धन्याय में विदा गया है।

पन्स्वी

हॉल॰ नं॰ 4-1-938/मार-12 मीर मार-13 वितीर्ण 772स्केयरफिट जो दूसरी मंजिल जो कृष्ण कनस्ट्रमान काम्पलेक्स तिलक रोड हैवराबाद में है जिसका रजिस्ट्रेणन डा॰ नं॰ 4415/ 79 से उप रजिस्ट्रार कार्यालय हैवराबाद में हुमा है।

> कें० के० बीर सक्षम प्राविकारी सद्घायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 3-3-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

भायकर भ्रमिनियम, 1961 (1981 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1980

निदेश सं**० धार० ये० सी० मं० 544/79-80**---यतः मुक्ते के०के० वीर

पायकर ग्रिमिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त ग्रिमिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के ग्रिमीन सक्तन प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उक्ति वाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रीधिक है

भौर जिसकी सं० 4-1-938/मार 16 और 17 है, जो तिलक रोड़ हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भीर पूर्ण-रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण भिधितियम, 1908 (1908 का 16) के भिधीन जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीब ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक का से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय को बावत, उक्त अधि-नियम के अबीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी भाष या किसी धन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या भन-कर भिष्ठिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उन्त्र प्रधिनियम, की जारा 269-ग के प्रतुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित न्यक्तियों, प्रयति:--- (1) मेससे श्री क्रुष्णा कस्ट्रक्शन कं० 5-8-612, ग्राबीद रोड, हैदराबाद (2) श्री राजकुमार घर नं० 3-2-350 चपाल बाजार हैदराबाद में रहते है।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सय्यव ग्रसकरी हुसैन घं० नं० 13-4-102/1 टप्पा चबूतरा हैवराबाद में रहते हैं।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्यत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचा। के राजात में प्रकाशित को जारीज से 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दित की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजाल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीगर उत्त स्थाबर नमाने में हिनबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा नबोह्झाल हो के पाप निखित में किए जा सकेंगे।

रखडी तरण--दनां अपूरत गण्यां और नदीं हा, जो उत्त प्रक्षित्र नियम, के प्रध्याय 20 ह में परिमाणित हैं, बही अर्थ होगा जा उन पश्याय रंदिया गया है।

अनुसुषी

हॉल मं० 4-1-938/म्रार-16 भ्रौर भ्रार-17 विस्तीर्ण 790 स्केयर फिट जो कृष्णा कस्ट्रक्शन के सातवीं मजिल पर तिलक रोड हैदराबाद में है। जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० नं० 4309/ 79 से जाइन्ट उप रजिस्ट्रार कार्यालय में हुन्ना है।

> के० के० बीर सक्षम प्रधिकारी सक्षयक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैवरासाद

तारीय: 3-3-80

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भावतर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 289-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

नार्यानय, सहायक आयकर मायुन्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 3 मार्च, 1980

निदेश सं० श्रार० ये० सी० नं० 545/79-80---यतः मुझे के० के० वीर

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिथे इसमें इसके पह नात् 'उनर प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के प्रधीन मजन प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नंपनि जिनका उवित बाजार मूल्य 25,000/- ठ० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 4-1-316 है, जो मध्य बाजार हैवराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के वृश्यमान प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की गई है पौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है दि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके बृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृष्यमान प्रतिश्व का पन्द्रह् प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) प्रौर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे यन्तरण के लिए तथ गाया गया प्रति-पत्न निम्नलिखित उद्ध्य में उचन प्रन्तरण जित्ति में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भन्तरप से हुई किसी श्राय की बाबन उका भिक्ष नियम के मधीन कर वेने के भन्तरक के शायिस्य में कमी करने या उसने वंचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किनी भाष या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रत्नरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या सिया जाना वाहिए था, छिपाने वें सुविधा के स्वरूर;

अतः भव, उपत भविनियम, की वारा 269-म के भनुसरण में, में, उक्त प्रविनियम की बारा 269-म की उपवारा (1) के अभीन, निम्नजिबित स्मिन्त्यों, भर्गीत्।---

- (1) श्रीमती सुवोनी विगस पश्नी चालर्स विगस घ०न ० 4-1-316 तुरूप बाजार हैवराबाद में रहते हैं। (श्रन्तरक)
- (2) श्री (1) विलक्षेड डी-सौजा पिता डा० जॉन सी० डी-सौजा, (2) श्रीमती इरेनी डी-सौजा, पत्नी डा० जॉन सी० डी-सौजा घोन्हों घ० नं० 4-1-316 तुरूप बाजार हैदराबाद में रहते हैं। (अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्मन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उकत सम्बन्धि के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 48 दिन की प्रविध्या तस्मन्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील मे 30 दिन की अविध्य, को भी प्रविध्याव में सनापन होती हो, के भीतर पूर्वीवन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद किसी भन्य स्थित द्वारा श्रश्लोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपश्डीकरण: ---इसमें प्रयुक्त गान्दों भीर पर्वो का, जो छक्त श्रीधिनियम के भव्याय 20-क में परिभाषित है, तही अर्थ होगा त्रो उस भव्याय में दिया गता है।

ग्रनुसूची

1/5वां हिस्सा घ० नं० 4-1-315 मौर 4-3-316 में जो मन्तरक का है तुष्प बाजार हैदराबाद में है, विस्तीर्ण 2722 स्केयर मीटर है जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० नं० 3947/79 जाईन्ट उप रजिस्ट्रार कार्यालय हैदराबाद में हुआ है।

> के० के० बीर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जम रेंज, हैदराबाट

तारीख: 3-3-1980

प्ररूप ग्राई • टी • एन • एस •---

प्रायकर प्रिवितयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, **सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)** स्रर्जन रेंज, हैक्दराबाध

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च, 1980

निदेश सं० ग्रार० ये० सी० नं० **5**46/79-80—यतः मु<mark>झे</mark> के० के० वी*र*

क्षायकर भ्रष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रष्ठिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन नक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पति, जिसका छित्तत बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से भ्रष्ठिक है, भ्रीर जिसकी मं० 3-6-680 है, जो हिमायत नगर हैवराबाद में स्थित है (और इनसे उगाबद्ध प्रासूची में भ्रोर पूर्ण का से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय हैवराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से अम के पूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पग्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उकत श्रिधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या अससे बचने में सुविधा के लिये; बौर/या
- (आ) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रथ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उत्रत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, गिम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः—- (1) श्रीमती श्रकतलू निस्मा बेगम पत्नी स्वर्गीय मिरजा मोहीनूदीन बेग घ०नं० 3-6-680 हिमायन नगर हैदराबाद में रहते हैं।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री (1) श्राह्मनम ग्रमकरी (2) जावद ग्रमकरी (3) सादीक ग्रासकरी गारडीयन श्रीमती उमर बेगम यह सब घं० नं० 22-8-358 दारूसफा हैदराबाद में रहते हैं। (अन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचरा के राजरित में प्रकाशन की नारीज से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किये जासकेंगे।

स्यवतीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जी छक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया पया है।

अनुसूची

घरनं० 3-6-680 काहिस्साविस्तीर्थ 1302 स्केयर याडज जो हिमायतनगर हैश्वराबाद में रहते हैं। जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० नं० 3851/71 से जाइन्ट उप रजिस्ट्रार कार्यालय हैपराबाद में हुश्रा है।

> कें० कें० चीर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाध

सारीख : 3-3-80

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1980

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 547/79-80----यतः मुझे, के० के० वीर्

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क्पए से श्रधिक हैं

श्रीर जिसकी संव मवनंव 83 श्रीर 84 है, जो बाग अंबरपेट हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपायद श्रानुस्ची में श्रीर पूर्ण-रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन ज्लाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिष-नियम के प्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के ृलिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः ग्रब, उन्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उन्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थातः—

(1) श्री सय्यद श्राजम घं०नं० 2-2-22 बाग श्रंबरपे में रहते हैं

(भ्रन्तरक)

(2) मेमर्स तुलसी कोम्रापरेटिय हाउमिंग सोमायटी सी०टी० म्राई० रोड नल्लाकुन्टा, हैदराबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के मर्थंन के संबंध में कोई भी पाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रमें होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो सं० नं० 83 श्रौर 84 बाग भ्रम्बरपेट नल्लकुटा हैसराबाद में है, जिमका राजस्ट्रेणन डा० नं० 3951/ 79 से जाइन्ट उपराजिस्ट्रार कार्यालय हैदराबाद में हुआ है।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाइ

तारीख: 3-3-80

प्रका माई० टी० एन० एन>-----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के मधीन सूचना

> भारत सरकार कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजेन रेंज, हैयराबाद हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1980

निदेण मं० म्रार० ए० सी० नं० 548/79-80—-यन: मुझे, के० के० बीर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रजीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रुपए से अधिक है

श्रीरजिमकी सं 6-3-790/4/बी है, जो पहनी मंजिल, समीर-पेट में स्थित है (श्रीर इससे उपाइक श्रुभुची में श्रीर पूर्ण का मे विणिल है), रिजिस्ट्री एती श्रीधकारी के कार्यालय खैरताबाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (प्रनारितियों) के बीज ऐसे अन्तरण के लिए ना स्थार हो। सी किन, निमानिया जरेश्य स जना अध्यक्तरण निवास में स्थार नहीं कि सामवाहै :---

- (ह) अन्तरण व हुई हिसी प्राप की बाबत, उक्त श्रधिनियम ह श्रधोन कर देने हे ग्रन्तरक के दायिस्त में हमी हरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (व) ऐसी तिसी प्रान्ता किसी प्रन्त या प्रम्य ध्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्रान्तर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या ध्रत-कर श्रधिनियम, या ध्रत-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ जनारितो द्वारा प्रकट नहीं किया स्था था था किया जाना चाहिए था, ख्रियांने में स्थिधांके लिए;

ग्रसः ग्रम, उनत अधिनियम की धारा 289-ग के धनुमरण में, मैं, उक्त प्रिष्ठितियम की धारा 269-घ की उपधारा (।) के अधीन, निम्निष्ठित स्थितियों, अर्थात्:— (1) श्री सोदारीमारी जनाः रेड्डी, 6-3-790, श्रामीरपेट, हैदराबाद में रहते हैं।

(भ्रन्तरक)

(2) रॉपल हंबरीज पाईबेट लि॰ 6-3-790/4-बी, प्रानीरोट, हैएराबाद में रहते हैं। (अन्तरिती)

को यह सूबना नारी करके प्रवीना भनाति के श्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जकत समाति के प्रकृति के पम्बन्त्र में नोई का ब्राखेयःचन

- (क) इन सूत्रना के राजात में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की चन्निया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूत्रना की तामीत में 30 दिन को अनिधि, जो भी पाधि बाद में पंताप्त होती हो, के भोतर पूर्वीकत कानियों में से कियी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन पुत्रता के राज्यत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीर उक्त स्थायर मिन्ति में हित्रबद्ध किसे अन्य व्यक्ति तारा, प्रयोत्स्थाक्षरी के पास विकास में किए जा सर्वेगे।

स्यद्धोक्तरगः ---इनर्ने प्रयुक्त पञ्चों श्रीर पत्नी का, जो उक्त ाीलाम के बन्माय 20-क पेंगरिमायित है, वही प्रयंहीगा, जो उम्र अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 6-3-790/4/बी की पहली मंजिल, श्रामीरपेट हैदराबाद में है। जिसका रजिस्ट्रेणन डॉ० नं० 1958/79 उप कार्यालय खैरताबाद, हैदराबाद में हुआ है।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) प्रगंत रंज, हैदराधाध

न*र*ीख : 3-3-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के ग्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आधुक्त (निरीक्षण)

श्वर्णन रेंज, हैयराबाद हैयराबाद,दिनांक 3 मार्च 1980

निदेश सं० ग्रार० ए० मी० नं० 549/79-80——यनः मुझे, के० के० वीर,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपए से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 5-8-295 है, जो चिरागश्रली लेन, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ज्लाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक के और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्तलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्वित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम, के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (खा) ऐसे किसी श्राय या किसो धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधितयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधितयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरित्तो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिताने में सुविधा के लिए;

ध्रतः, प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के धाधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, प्रयात्:—— 10—26GI/80

- (1) श्री इन्यरजीत पिह छात्रङा, 5-9-22/28, श्रादर्श नगर, हैक्सवाद में रहते हैं। (श्रान्तरक)
- (2) श्री केंग्रन० भाता (2) विनोद बजाज मार्फत केंग्रन० भात्रा, महेगनगर कालोनी, घर नंश 5-8-295, चिरागग्रनी लेन, हैदराबाद में रहते हैं। (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीस्त सम्मित के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजनत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पर्वों का, जो उक्त ग्रिधि-नियम के ग्रद्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रय होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीत का दिस्मा नं० 5-8-295 चिरागम्रली स्नेन, हैदराबाद में है जिसका रजिस्ट्रेशन डाकु०नं० 3786/79 से जाईन्ट उप रजिस्ट्रार कार्यालय हैदराबाद में हुम्रा है।

> के० के० वीर, सक्षम प्राधिकारी, सह्यक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ज**: 3-3-1980

प्रकप भाई । टी । एन । एस • ----

आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रशीन मुचना

भारत गरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज, हैदराजाः

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1980

निदेश मं० श्रार० ए० मी० नं० 550/79-80—यतः मुझे, के० के० बीर

आयकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उक्ति बाजार मूख्य 25,000/- द॰ से प्रधिक है

प्रौर जिसकी सं० सर्वे न० 1931/2 है, जो प्रनन्तपुर में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद प्रनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारों के कार्यालय प्रनन्तपुर में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 19908 (108 का 16) के प्रधीन जुलाई 79 को पूर्वोक्त संगति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्त के लिए प्रन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिशत अधिक है भौर मन्तरक (अंतरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, परनिविद्यत उद्देश्य से उस्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप हे किया नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, उक्त अधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वचने में मुधिक्षा के लिए। घौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भ्रान्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या क्छत प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः श्रम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सद्दीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत :---

- (1) सबश्री 1. अन्डाक चिन्ना कासमा 2. बी० रामदास 3. बी० गंगाधर 4. बी० कोनय्या, यह सब सेल स्ट्रीट, धर्मावरम, अनन्तपुर जिले घर रहते हैं । (अन्तरक)
- (1) श्री 1. एम० गोविन्दप्पा घर नं० 18/248 नीक्ष्यन्टी स्ट्रीट, पुराना शहर, श्रनन्तपुर 2. के० वेंक्टरेड्डी ताला मारला गांव, पेनूकोन्डा ताल्लुक 3. बी० लक्षमीनारायण रेड्डी घर नं० 18/255 नीक्ष्यन्टी स्ट्रीट. पुराना शहर, श्रनन्तपुर में रहते हैं।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त समासि के ्रेक्श्रंच के लिए कार्यवाहियां करवा हूं।

उन्त मंत्रति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षीय :--

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या नत्से बंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (बा) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी प्रन्य वाक्ति कारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित के किए जा सकेंके।

स्पक्तीकरण: -- - इनमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, मो उक्त प्रश्नित्यम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस बध्याय में दिया गदा है।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 1931/2, 18वां वार्ड विस्तीर्ण 0.72 सैन्ट श्रनस्तपुर गाहर म (विवेणी टाकीज के पीछे) श्रनस्तपुर में है जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ०नं० 4589/79 से उप-रजिस्ट्रार कार्यालय श्रनस्तपुर में हुआ है।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीखा: 3-3-1980

प्रकर्प ऑईं वें टी व्र एत व एत व -------

अध्यकर प्रत्रिनियम, 1981 (1981 की 43) की बारा

269-व(1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1980

निदेश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 551/79-80— यतः मुझे के ०के० वीर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 5 सं० नं० 29 एण्ड 189 धगमपेट है जो हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सिकिन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रंधीन दिनांक जुलाई, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथोपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष्य प्रतिगत से अधिक है और पंतरक (प्रन्तरकों) मोर पन्तरिती (अंतरितीयों) के बीज ऐसे प्रन्तरण के लिए तम तथा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रकारण लिखित म शास्त्रिक क्या ने किया तहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की वावत, उक्त अधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रीर/मा;
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या मण्य मास्तियों को, जिग्हें भारतीय भायकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या धन-कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना भाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः, धव, उस्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उस्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत्।——

- 1. (1) श्रीमसी मेहरूनिस्सा बैगम
 - (2) श्रीमती नसीम खलील उल्ला
 - (3) अहमद बसाललउल्ला घं० नं० 6-1-61 नश्नीर मैक्सील सैफाबाद हैदराबाद जी०पी०ए० श्रीमती अहमुदुनिसा बिगम
 - (4) सयद मुस्ताक हवेन 17-11-1-5/8मलक पेट,
 - (5) उमर बीन श्रहमद 14-4-551/1, सांकुलपुरा,
 - (6) एम० ए० फघर कु० नं० 102-सी, कुास ग्रागापुरा
 - (7) मीर फारक अली खान 9-4-82/21 काकलयानगर कालोनी, हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कोम्युरी सम्युरोल सत्य राजू, धर र्न० बी-38 ब्लाफ मलकपेट कालोनी, हैदराबाद में रहते हैं।) (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इसे सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अबिध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर प्रकार की तामील ने 30 दिन की स्रविध, जी भी स्रविध बाद सं समास्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पूचना के राजाब में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सर्वे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शान्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उप भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन विस्तीर्ण 464 गज सर्वे नं० 28 श्रौर 189 बेगमपेट, हैदराबाद में है जिसका रजिस्ट्रेशन डौं० नं० 1660/79 से उप रजिस्ट्रार कार्यालय सिकिन्दराबाद में हुश्रा है ।

के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख 3-8-80 मोहर: प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस०-

मामकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 घ (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्णन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1980

निवेश सं अगर ए० सी० 552/79-80-यतः मुझे, के० के० वीर, वायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मधिनियम' कहा तया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- वपवे से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० 1-11-243/1 है, जो बेगमपेट में स्थित है (भीर इससे उपाबद प्रनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1998 का 15) के प्रधीन जुलाई 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकान के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पग्रह प्रतिशत प्रक्षिक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरि हो (अस्तरितियों) के बीच ऐस मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निखित में बास्तविक

(क) अन्तरण ने हुई किसी आब की बाबत, डबत अधि-नियम, के सभीन कर देने के सन्तरक के दायित में कमी करने या उससे बचने में सुविका के जिए; और/या

क्तव से कवित नहीं किया गया है।---

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-नियम; 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया थया था या किया बाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की घारा 269-घ के धनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपचारा (1) के प्रचीम, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री बी० एन० वाग्ने, आई० ए० एस०,
 5-9-42 बशीर बाग, हैक्साबाद।

(ग्रन्तरक)

 श्री पी० श्रीराम 1-11-243/1, बेगमपेट, हैदराबाद।

(ब्रन्तरिती)

को यह सुबना बारी करके पूर्वोक्न सम्पत्ति के प्रवंत के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

छन्त नम्मति के धर्मन के पम्मन्त्र में होई मी श्राप्तेरः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकालन की तारी ख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भो भविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति दारा;
- (खा इय मूचला के राज्यका में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रस्य स्थित द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पान निविद्य में किये वा सकींगे।

स्यव्हीकरण --इसमें प्रयुक्त कक्षों और पक्षों का, जो उक्त प्रश्चि-नियम के श्रव्याय 20-क में यका परिकाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस श्रव्याय में विद्या गया है।

धनुसूची

घर नं० 1-11-243/1; बेगमपेट हैवराबाद विस्तीर्ण 443 वर्ग यार्ड, रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 4301/79, उप-रिजस्ट्री कार्यालय हैवराबाद में।

कें० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त(निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख** 3-3-1980 मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1980

निदेश सं० भार०ए० सी०नं० 553/79-80—यतः मुझे के० के० बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सर्वे नं० 278, 286 है, जो लीतकुनहा अलवाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैंदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1979

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र तिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्तलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रम्तरण से हुई किसी ग्राय वे बाबत उन्त ग्रह्मि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- 1. श्री पी० मल्लपा (नवानग) पिता पी० कृष्णाषा का अलवाल है स्त्री कृष्ण नं० 4/25, ग्रलवाल, सिकन्दराबाद। (ग्रन्तरक)
- 2. इंबिरा नगर को-श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड (ऐ-ताताराउ) 8-3-222/बी/7- युसुपगुडा, हैवराबाद । (अन्तरिती)

को य<mark>ह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के धर्जन के</mark> लिए नार्य**वाहि**यां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अविधि, जो भी भ्रविध बाद में प्रमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिद्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपल में प्रकाशिन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मत्ति में हित-वढ़ िसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पस्ट्रीकरण:---इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रीर मदों का, जो खनत श्रिधिनियम के श्रष्टणाय 20-क में परिभाषित है, वहीं सर्य होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सरवे नं० 278 ग्रौर 287 विस्तीर्ण 34 गुनटास लीत कुन्टा, ग्रलवाल, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1606/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद वैस्ट में ।

के० के० बीर,

सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण),

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 3-3-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस० →----

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च, 1980

निदेश सं० आर० ए० सी० 554/79-80—यतः मुझे के०के० वीर

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से भ्रधिक है

भ्रोर जिसकी सं० सर्वे नं० 278286 है तथा जो लीतक नर भ्रलवाल में स्थित हैं (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रोर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद वैस्ट में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों के) बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्ह भारतीय श्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिधा के लिए;

श्रतः ग्रज, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रमुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. (1) श्री पी० वसवय्या
 - (2) पी० वी० राजेन्दर
 - (3) पी० बी० एमकर
 - (4) पी० बी॰ मे हन (मैंनर) 4/25, भ्रमवाल—लीत कुन्टा, सिकन्दराबाद। (भ्रन्तरक)
- इन्दिरा नगर को-भ्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी तिमिटेड (श्री ए० ताताराउ)
 8-3-222/बी/७ युसुगगुडा, हैदराबाद ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आओर :---

- (ह) इस सूचना के राजाब में प्रहासन की नारीब से 45 दिन की संबंधि या नश्नम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रिबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्डी करग :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो जक्त प्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिमाणित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी जमीन विस्तीर्ण 33 गुनटे सर्वे नं० 278 भौर 286 लीतकुन्टा, ग्रलवाल , सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1605/79, उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद वैस्ट में।

> कें० कें० चीर सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, हैंबराबाद।

तारीख: 3-3-1980

प्ररूप माई• टी० एन• एस•------

आयकर प्रधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1980

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपति, जिसका उचित्र बाजार मूह्य 25,000/- ष• से अधिक है

भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 278-286 है, जो लोतकुन्टा, भलवाल में स्थित है (भौर इस से उपाबद्ध भनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय हैवराबाद वैस्ट में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक जुलाई, 1979 को

पूर्वोक्ष्त संपत्ति के उतित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उत्वत बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत अधिक है और प्रन्तरित (अन्तरितों) भीर भन्तरितों (अन्तरितियों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया बया प्रतिकत, निम्नपिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बार्श्विक हम से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के प्रधीन कर बेने के सन्तरक के दासिस्य में कभी करने या उसमे बचने में सुविधा के किए: बोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या मन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वास प्रकट नहीं किया गया था विधा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, म, उन्त अधिनियम को घारा 269च की उपधारा (1) के बाबोन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. (1) श्री पी० इस्लय्या
 - (2) पी० एम० लक्ष्मी नारायना
 - $\stackrel{(}{(3)}$ पी० एँम० माधवराउ,4/13, श्रलवाल, सिकन्दराबाद ।

(ग्रन्तरक)

2. इंदिरा नगर को-भ्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी (श्री ए० ताताराऊ) 8-3-222/बी/7- युसुफगुडा, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपति के अर्थान के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (का) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की खन्निष्ठ, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति जाता;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितखढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रवीहस्नाक्षरी के पान लिखिन में किये जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों पौर पदों का, जो खकत अधिनियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित है, वहां पर्य होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

ग्रनुसभी

जरायती जमीन विस्तर्ण 34 गुन्टा, सर्वे नं० 278 और 286 लोत कुन्टा, ग्रलवाल सिकन्दराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1604/79 एप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद वेस्ट में।

> के० के० वीर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), मर्जन रेंज, हैंदराबाद ।

तारीख: 3-3-1980

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैवराबाद हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1980

निदेश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 556/79-80------ प्रतः मुझे के० के० वीर

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रथीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपये से ग्रधिक हैं और जिसकी सं० जमीन 278-286 है, जो लोतक्षुन्टा ग्रलवाल में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विजित हैं) राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद वेस्ट में राजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ज्लाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धनकर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तिरसी द्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रब, उकत श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उकत ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीतः—

- 1. (1) श्री पी० नागेनदर राऊ
 - (2) श्री पी० सुचेन्दर घर नं० 1-2-399 क्षोमलगुडा, हैदराबाद। (ग्रन्तरक)
- 2. इंदिरा कोग्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड 8-3-222/बी/7-इंदिरा नगर, हैदराबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त समाति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्न क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उन्त श्रिध-नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 278, और 286 लोतकुन्टा म्रलवाल, सिकन्वराबाद विस्तर्ण नं० 23 गुनटा, रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 1503/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद वेस्ट में।

> के० के० वीर, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 3-3-80

मोहरः

पक्षप माईं टी॰ एक० एम॰----

बायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यात्रम, सङ्गयक प्रायकर आयुक्त (तिरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1980

निर्देण सं० आर० ये० सी० नं० 557/79-80——अतः मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वान करने का कारग है कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- दाये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 225/ये० है, जो मारेडपली में स्थित है (श्रीर धससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्री- मती श्रिधकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रिजस्ट्रीकरणग्रिध- नियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई, 1979 को रूवींकत मम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत मम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिकल को पन्द्रह प्रतिगा से प्रधिक है और मन्तरिक (अन्तरकों) जीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल. निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण निश्वा में वास्तविक रूप पे क्यार नहीं किया गया है:--

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी भाग की बायन उक्त प्रधिनियम के प्रधील कर देने के भ्रान्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्त्र आस्तियों को, जिन्हें भाशतीत आयकर प्रश्चितित्रत, 1922 (1922 का 11) या उनत प्रधितियम, या धत-कर घिधितियम, 1952 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिमो हारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाता चाहिए था, खिपाने में युवित्रा के लिए;

अ 1: अ 1, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुपरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :--11—26G1/80

- 1. (1) श्री यामीनी मुख्यया 9-3-410 रेजिसेनटल बाजार
 - (2) के० श्रीनियामुलु 12-7-1129/- मेटुगडा, सिकन्दराबाद।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) एन० राजेशाम 225ये ० मारेडपली, सिकन्दराबाद
 - (2) श्रीमली गंगाधर मलम्मा
 - (3) श्रीमती हकमीनी राजेशाम
 - (4) बुनारी मरभेण राजेशाम
 - (5) कुमारी कमलेश राजेशाम
 - (6) ब्रामारी गीतेण राजेशाम
 - (7) बोपना वेनु
 - (8) श्रीमली ईनाला, अमा देवी

225/ए, मारेडपली सिनन्दराबाद में।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तारी खंसे 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हरव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त गांब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ्हैं, वही मर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

अनुसुची

घर तं० 225/ये, खुली जमीन विस्तर्ण 2 एक्सं 22 गुन्टा सर्वे तं० 37, मारेडपली गाव सिकन्दराबाद में राजस्ट्री दस्तावेज तं० 1892/79 उप राजस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

> के० के० वीर, सक्षम प्राधिकारी महायक ऋत्यकर ऋत्युक्त, (निरीक्षण) ऋर्जन केंज, हैदराबाद

तारीख: 3 मार्च, 1980

प्रकप भाई ० टी ० एन ० एस ०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के भ्राधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 3 मार्च, 1980

निदेश सब्द्रारव एव सीव नंव 558/79-80—पतः सुझे केव केविर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

भीर जिसकी सं० 1-4-879/78 है, जो नया बाकारम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्थालय हैदराबाद में राजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठितयम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने पा पससे कबने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ब्रायपा किसी घन या प्रन्य आस्तियों को जिन्हें भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उक्त भिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अत्र उक्त अधितियम की धारा 269 म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित क्यक्तियों, अर्थात :---

- श्री टी० के० ताण्डवा कृष्णा
 1-4-879/78, गानधीनगर, हैदराबाद।
 (ग्रन्तरक)
- श्री वाई० लीनगाराव पिता यीवा राव निवासी जगनीयाल

 करीम नगर, जिला ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूबना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविश्व, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ुः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही धर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धर नं० 1-4-879/78 (एस० बी० ए०) कालोनी नया बाकारम, हैदराबाद विस्तीर्ण 450 वर्ग यार्ड, राजस्ट्री दस्तावेज नं० 3988/79, उप राजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्शन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: उमार्च 1980

प्ररूप बाई • टी • एन • एस • ----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1980

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 559/79-80—यतः मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जमीन सं० नं० 298/1 है, जो मलकाआंगरी सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिश्वकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिश्वित्यम 1908 (1908 का 16) के ग्रिशीन दिनांक जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह त्रिश्यस करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (म्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अक्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उक्त प्रविनियम की घारा 269-व की उपवारा (1) अधीन निम्नलिखित स्पिनत्यों, अर्थात् :—

- 1. (1) श्री जी० बी० घीमाराजु,
 - (2) पी० सुब्बाराजु
 - (3) सी० एच० ग्रार० राजु
 - (4) के० ग्रारा० राजू,
 - (5) श्रीमती एम० जान कम्मा, धरनं० 1/191 सिंगोजी गुड्डा, गांव, सिंकन्दराबाद में रहते हैं।

(ग्रन्तरक)

 मैसर्स दी मॉडनें को-म्रापरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसाइटी, लिं०, ट्रेजरर श्री रिवरभद्रराव घर नं० 4-1-624 तूथप बाजार, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

तनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माझेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्य क्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी धविष बाद में समाप्त हीती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्य क्तियों में से किसी अपनित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारोख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के
 पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शन्थों और पदों का, को उक्त शिक्षितियम के अध्याय 20-क में परिशाणित हैं, वहीं धर्ष होगा, को उस शब्याय में दिया भया है।

अनुसूची

जिसकी जमीन सर्वे नं० 298/1, विस्तीर्ण 1 एकर्स 25 मुन्टा जो मलकाजिगरि गांव सिकन्दराबाद जिसका रिजस्ट्रेगन डॉ० नं० 7535/79 से उप रिजस्ट्रार कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में क्रुग्रा है।

के० के० वीर सक्तम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, हैदराबाद

ता**रीख** 3-3-1980 : मो**हर :** प्ररूप माई • टी • एन • एस •---

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्भ रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1980

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 560/79-80—श्रतः मुझे के० के० वीर

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्राचात् 'उक्त प्रिधिनयम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूख्य 25,000/- द॰ से प्रधिक है श्रीर जिसकी सं० 298/1, है जो मलकाज गीरी सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रीर ध्रससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विश्व है) राजस्ट्रीकर्शा श्रिधकारी के कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में राजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रुवाई, 1979

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रत्तिति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तिति (पन्तिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक का से किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत छक्त आधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ना के अनुसरण में, म, उक्त ग्राधिनियम की घारा 269घ की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. (1) श्रीपी० थी० एल० शीमाराजु
 - (2) पी० मुब्बाराजु
 - (3) सी एच० म्रार० राजू
 - (4) श्री के० ग्रार० राजु,
 - (5) श्रीमशी एम० जानीकम्मा यह सब 1/191, जिन्गोजी गुडा, गांव सिकन्दरा-बाद में रहते हैं।

(श्रन्तरक)

 मैसर्स थी माडर्न कोन्नापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि० तुश्प बाजार, हैदराबाद में है।

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके रूर्वाक्त ममात्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई मी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति हारा, प्रधोहरताक्षरी के पास
 निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ठीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अथं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

त्रनुसूची

जमीन सब न० 298/1, विस्तीर्ण 1 एक प्र 24 गुन्टा, मलकाजगिरी गांव सिकन्दराबाद में है डॉ० नं० 7470/79 से उप राजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में राजस्ट्रीट्रेशन हुआ है।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रज, हैदराबाद

दिनांक: 3 मार्च 1980

प्ररूप भाई• टी॰ एत० एस०→--

प्राधकर ग्रिश्चित्यम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-घ (1) के ग्रिश्चीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रोज, हैदराबाध स्टब्स्ट रिक्ट्स २ स्टब्स्ट १

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1980
श्रार० ए० मी० नं० 561/79-80 श्रतः मुझे के० के० बीर
आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चान् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- घ्पये से ग्रिधिक है
श्रीर जिसकी मं० 298/1, है, जो मलकाज गिरी में स्थित है
(श्रीर इसमें उपाबद स्नृत्वी में श्रीर जो पूर्ण क्य से वर्णात है)
रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजिस्ट्रीकरण
श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक
जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियो), के वीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नतिश्वित उद्देश्य से उका अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रस्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त घछि-नियम के प्रधीन कर देने के भन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए भौर/या
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्थ भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा; के लिए;

अतः, सब उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के धनु-सरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थातः—

- । (1) श्री गी०त्री ब्लंब वीम्माराजु
 - (2) पी०रस० राज
 - (३) ग्रा(र० राजु
 - (4) के० प्रार० राजु
 - (5) एम० जानकीकम्मा
 1/191, लीतिमिजी गुडा, गाउ, मिकिन्दराबाद
 (ग्रन्तर्क)
- 2. दी भारते का-प्राप्तरेटिय हाउभिण सोनायटी निमिटेड 4-1-624 तुरूप वाजार, हैयराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के प्रजंत के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उका सम्पत्ति के प्रार्वेत के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेत :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अश्रिष्ठ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ क्यक्ति द्वारा, ग्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्वष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त धिः नियम के घ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं घर्ष होगा, जो उस ध्रष्ट्याय में दिया गया है।

अमुसूची

जिरायती जमीन सरवे नं० 298/1,एक एकड़ 24 गुन्टे मलकाज गिरी गउ भिकन्दराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 7355/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद ईस्टमें ।

> कें० कें० वीर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण,) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

नारीख 3 मार्च 1980 मोहर:

प्रकप धाईं • टी • एन • एस • -----

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्गन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद,दिनांक 3मार्च 1980

निदेश संब्ह्यारव्ए० सी० 562/79-80---श्रतः मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सज्जन प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संत्रिल, जिसका चित्त बाजार मूक्ष्य 25,000/- २० से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० सर्वे नं. 298/1 है, जो मलकाजगीरी मिकन्दराबाद में स्थित हैं (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण कास वर्णित हैं) रिजिन्ट्री कर्वा प्रिक्षिकारी के कार्यातय हैदराबाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रिक्षित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिक्षीत दिनांक श्रगस्त, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्व, उसके वृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिकल का पन्नह प्रतिकत से अधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) गौर पम्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्तलिधित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में गास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की वावत तक्य अधिनयम के अधीन कर देने के भग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिवनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया आता चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः। अब, उक्त अधिनियम की धारा 269न के प्रमुसरण में; में; उक्त अधिनियम की बारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- 1. (1) श्री पी० वी० एल०, धिम्माराज्
 - (2) पी०एम० राजु
 - (3) सी० एच० भार० राजु
 - (4) कें श्रार राज्
 - (5) श्रीमती एम० जानीकस्मा 1/191, लिगोजीगुडा ।

(प्रन्तरक)

 श्री मैंसर्सदी मार्डन को-धापरेटिव हाउमिंग बिल्डिंग सोनायटी ट्रेजरार : वी० वीराबद्रा राव ,
 4-1-24 त्हप बाजार, हैदराबाद ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोश्त समाति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जनत सम्पति के अर्जन में संबंध में कोई भी आरोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख छे 45 विन की भवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, को भी भवधि बाद में संमाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किनी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन सूबना के राजगत्र में प्रशासन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचाणित है, वही घर्ष होगा; जो उस घष्ट्याय में विया गया है।

अनुसूची

कुल जमीन सर्वे नं 298/1एकड़ 24 गुन्टे मलकाज-गाडव गाव सिकन्दराबाद में है। रजिस्ट्री दस्तावेज नं 8660/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-3-1980

प्रकाप भाई• टी • एन ० एस • ----

अर्थायक र घे बिनियन, 1961 (1961 का 43) की घास 269-प्र(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1980

भायकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छन्त प्रधिनियन' कहा गया है), की घारा 269 ख के अवीन समन प्राधिकारी हो, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिमका उचित बाजार मूख्य 25,000/- व • से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 298/1, है, जो मलकाजीगीरी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन श्रगस्त, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत भिक्त है भीर भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भग्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के निष् तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से चक्त भन्नरण लिखित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के घ्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आब या किसी धन या धन्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ध्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उच्छ ध्रिधिनयम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जानः चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के शिए।

अतः धन, उनत माधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उनत मधिनियम को धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयत्ः—

- 1. (1) पी०वी०एपर भीम राज्
 - (2) पी० एम० राज्
 - (3) सी०एच० छार्० राजु
 - (4) के० ग्रार० राजू
 - (5) श्रीमती एम० जानकम्मा यह गव 1/191, लिन्गोजीगडा, मिकन्दराबाद में उहते हैं।

(भ्रन्तरक)

2. मैं मर्स दी मार्डन को-ग्रापरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसायटी जिसके ट्रेजरार वी० विरभद्रराव घर नं० 4-1-624 तुरुप वाजार, हैदराबाद में रहते हैं।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यत्राहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माझेप :---

- (क) इस सूचना के राज्ञपन्न में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की मविध या स्वत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मविध, को भी मविध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (प्र) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ भिनी भ्रष्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वडिशिरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्षों भा, जो उक्त बिशिनयम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषिष हैं, बही मर्ब होगा जो उन प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं०298/1,विस्ती एक एकड़ 24 गुन्टे मनकाजीगिरी गांव, सिकन्दराबाद में है जिसका रजिस्ट्रेशन डाकु० नं० 8797/79 से उन रजिस्ट्रार कार्यालय हैदराबाद वेस्ट में हुआ है।

के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंन, हैदराबाद

नारीय: 3-3**-**1980

प्ररूप भाई • टी ० एत • एस • -----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) **की** घारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक म्रायक्षर म्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैप्रगबाद, दिनांक 3 मार्च 1980

निदेश सं० आर० ए० सी० 564/79-**80**----यतः मुझे के० के० बीर

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त बिवियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000-/ ६० से बिधिक है

श्रीर जिसकी सं० मलगी नं० 2-3-7 है, जो एम० जी० रोड, मिकन्दराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मिकन्दराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रगस्त, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रश्विति की गई है घोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिथल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) घोर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के जिए तय पाया गया विरुक्त, निम्नजिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावा उपत अधिनियम र अधीन कर देने के बग्तरक के दायस्य में कमी करने या उससे रवने में सुविधा के लिए∤ और/या
- (ख) एसी किसी आय या जिसी धन या अपन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त मधिनियम, या अभ-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 57) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दारा प्रकटनहीं किया गया था या जिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रव, उनत श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :---

- 1. (1) श्री ए० त्री० त्रीरभद्र राव
 - (2) एम० जयकुमार
 - (3) ए० टी० नगेन्द्र

यह सब 136-पीन्डर घाट रोड, सिकन्दराबाद में रहते हैं।

(ग्रन्तर्क)

2. श्री णहाबुद्दीन न० एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद (2-3-7 एम जी० रोड, सिकन्दराबाद)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्घन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त घिनियम के घड्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही घर्ष होगा, जो उस घड्याय में दिया हुआ है।

श्रनुसूची

जनीन का हिस्पा नं० 2-3-7 त्रिस्तीर्ण 277 स्कवायर गज जिसका रजिस्ट्रेणन **डॉ** नं० 1904/79 से उप रजिस्ट्रार कार्यालय सिकन्दराबाद में हम्रा है।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) शर्जन रेज, हैंदराबाद

नारीखा: 3-3-1980

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०--

भायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनाक 3 मार्च 1980

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 565/79-80 यतः मुझे, के० के० वीर
श्रायकर श्रिष्ठित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिष्ठित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पए से ग्रिधक है और जिसकी सं० 2:3-8 है, जो यम-धे-रास्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक श्रगस्त, 1979

को पूर्वीकत सम्पत्ति
के उचित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अधारित की गई है प्रीर मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से
प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अम्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिक कप से कथित नहीं
किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; धोर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रान्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय धापकर अधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना भारतिएया, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उमत स्थिनियम, की धारा 269-म के राम्-मरण में, में, उन्न अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) अधीन, निष्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) ये० वी० वीराबद्रा (2)ये० येस० जयाकुमार (3) ये० टी० नागेनदर 136, पेनडरवास्ट रास्ता सिकन्दराबाद (प्रन्तरक)
 - ग्रब्दुल रहमान
 एम० जी० रास्ता, सिकन्दराबाद
 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-ियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रष्ट होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

प्रनुसूची

घर नं० 2-3-8 का वी० भाग भहातमा गांधी रास्ता सिकन्दराबाद विस्तीर्ण 271 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1897/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में

के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी [']सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीख 3-3-1980 मोहर: प्रकृप धाई• टी• एन• एस•----

मायकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मार्च 1980

निदेश सं० एस आर० ए० सी० 566/79-80—यतः मुझे के० के० वीर

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उन्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्भत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से अधिक है जिसकी सं० 9-1-97 है जो एस० डी० रोड

सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 क 16) के श्रिधीन दिनांक जुलाई, 1979 को

16) के अधान विनाक जुलाई, 1979 का
पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
िह ययापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत्त का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किंगा गया है; → →

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त भीध-नियम के प्रधीन कर देने के प्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या श्रय्य श्रास्तियों को, जिग्हें भारतीय ग्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रधिनियम, या धनकर ग्रिधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें अग्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था, छिपारे में सुविधा के लिए;

मतः, मब, उक्त मिविनियम की बार, 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त मिविनियम की घारा 269-च की उपघारा (1) के मधीन निम्निक्षित व्यक्तियों, अर्थात्:—-

- 1. (1) श्री के० टी० नरसिम्हाचार
 - (2) के० राम चन्दर
 - (3) के० वेणु गोपालन
 - (4)श्रीमती पी० सुवरना, सबका घर 9-1-97 ताताचारी कम्पोन्ड, सरोजिनी देवी रास्ता सिकन्दराबाद

(मन्तरक)

2. मैसर्स नेशनल स्त्रीचुअल असेम्बली बाहाईस इंडिया, प्रस्तुत जी० ए० धमरीवाला-6 केनींग रोड,, नई दिल्ली (धन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, ओ भी प्रविध काव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वादा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्दीशरच :---इसमें प्रयुक्त सक्यों भीर पर्यों का, जो उक्त अधि = नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्ष होगा, जो उस अध्यान में दिया नवा है।

अनुसूची

घर नं० 9-1-97 साताचारी, कम्पोन्ड सरोजिनी देवी रास्ता सिकन्दराबाद विस्तीणें 820 वर्ग गज, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1657/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सद्दायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मुर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-3-1980

प्रकप शाई • टी • एव • एस • ---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के घटीन सुबना

भारत सरकार

कार्यांसव, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, हैवराबाद हैदराबाद, दिनांक 11 मार्च 1980

निवेश सं० आर० ए० सी० 567/79-80-यतः मुझे के० के० वीर,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है,

भीर जिसकी सं० नं० 3-4-827 है, जो सन्तोयिफ जा हैवराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद मनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विजत है) रजिस्ट्रीकर्ता भिषकारी के कार्याजय हैवराबाद में रजिस्ट्रीकरण] भीषिनियम, 1908 (1908 का 16) के भषीन जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम कि दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिखत से प्रधिक है और प्रन्तरिक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (प्रग्तरितियों) के बीव ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फत निश्नलिखन उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिक कप से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भ्रिष्ठ-नियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनयम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रम, उन्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:---

- 1 (1) सत्यनारायण राजू
 - (2) के० सूर्य नारायण राजू
 - (3) के० सत्यनारायण राजू
 - (4) ए० विश्वनाथ राजू
 - (5) एम० सोम० राजू
 - (६) एस० विश्वेश्वर राम चन्द्र राजू
 - (7) के० सत्य नारायण राजू
 - (8) एम० तिरुपती राजू
 - (9) पी० सूर्य नारायण राजू
 - (10) पी० श्री रामराजू
 - (11) पी० व्यंकट सुन्नामन्या चलापुली जवाहरलाल
 - (12) पी० व्यंकट कृष्णम राजू

यह सब कोटापेठा ईस्ट गोदावरी में रहते हैं।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती रत्नमाला केसरी पत्नि श्री लक्ष्मी नारायण केसरी घर नं० 3-2-198, नियोली ग्रड्डा हैदराबाद में रहते हैं।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्यत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :- -

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो छन्त मधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्य होगा जो उस घड्याय में दिया गया है।

अमुसुची

घर नं० 3-4-827, विस्तीर्ण ॄि1279 स्वया० मीटर जो बरकुलपुरा हैबराबाद में है जिसका रजिस्ट्रेणन नं० डाकु० नं० 3940/79 से से ज्वाइंट उप रजिस्ट्रार कार्यालय हैदराबाद में हुम्रा है।

के० के० वीर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-3-80

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 11 मार्च 1980

निदेश सं० श्रार० ए० सी० 568/79-80---यतः मुझे, के०के० बीर,

श्रीयक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतके परवात् 'उका प्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रथी। सजन प्राधिनारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रीधिक है श्रीर जिसकी सं० 4-1-938/ग्रार-6 से श्रार-20है, जो

तिलक रोड, कृष्णा कम्पलैक्स, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उगाबद अनुभूवी में ग्रौर जो पूर्ग रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकता ग्रिधिकारी का कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन श्रगस्त, 1979

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूह्य से कम के वृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में (कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः श्रव, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के प्रतृ• सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान् :---

- मैसर्स श्री कृष्णा क न्स्ट्रक्शन कं०
 5-8-612 प्राबिद रोड, हैदराबाद जरिए श्री कालीचरण (अन्तरक)
- 2. श्रीमती निस्ह निस्ता बेगम 23-2-442 मीर जुमला तालाब, हैयराबाद । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के क्रजेंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पति के प्रार्वन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजरत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी भून्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्झो करण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिसाषित हैं, यही ग्रांहोगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

हाल जमीन नं० 4-1-938/ग्रार-16 से ग्रार-20 तक कृष्णा कम्पलैक्स बिलिडिंग के तीसरी मंजिल पर है ग्रीर जिमका रजिस्ट्रेगन ज्वाइंट उप रजिस्ट्रार कार्यालय हैदराबाद में है डाकू० नं० 4998/79 से हुग्रा है।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज, हैदराबाध

तारीख: 11-3-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

म्नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मार्च 1980

निवेण संब्ह्यार ०ए० सी० नंब 569/79-80——यतः मुझे के० के० बीर

प्रायक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है प्रौर जिसकी सं० नं० 1-9-327/2है, जो विद्यानगर, हैदराबाद में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध प्रंतुसूची में प्रौर जो पूर्ण रूप से प्रणित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश में उत्तर प्रतर्ग निम्नलिखित नहीं किया गया है:——

- (क) जनरण में हुई किती आय की बाबत उक्त प्रधि-तियम, के अजीत कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर म्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त म्रधितियम, या धनकर म्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:--

- श्री बी० पी० ग्रानन्द राव 16-2-674/5, जबस कालोनी, मालकपेट हैवराबाद में रहते हैं। (ग्रन्तरक)
- श्री भारम कुरी कृष्णामूर्ती विद्यानगर, हैदराबाद में रहते हैं।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्मत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजग्रत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की ध्रमधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की ध्रमधि, जो भी ध्रमधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजनत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धी हरण: ---इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उक्त सिध-नियम के श्रद्धाय 20 क में परिभाषित है, बही सर्य होगा, जो उस सहयाय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 1-9-327/2, विस्तीर्ण 600 स्वत्रा० मीटर विद्या-नगर, हैदराबाद में है जिसका रजिस्ट्रेशन डा० नं० 4347/79 से ज्वाईट उप-रजिस्ट्रार कार्यालय हैसराबाद में हुआ है।

> के० के० वीर, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, हैदराबाध

तारीख: 11-3-1980

प्रकप भाई। बी। एन। एस।---

आयकर स्वितियम, 1963 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यांलय, सहायक प्रायक्तर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराब।द हैदराबाध,दिनांक 11 मार्च 1980

निदेश सं०ग्रार०ए०सी० 570/79-80⊸–यतः मुझे के० के० वीर

आयकर प्रश्नित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिनका उचित वाजार मृह्य 25,000/- ६० से अधिक है

ग्रीर जिसकी संक्यूक नंक 26/1 है, जो मालपेली हैधराब। घं स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विकार है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय खैरताब। घं में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रघीन जुलाई, 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के बृद्धकान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है जीर मुझे यह बिद्धवास करने का कारण है कि बचायू केंद्रत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृद्धयान प्रतिकत से, ऐसे बृद्धयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिज्ञत से मधिक है और सम्बद्धक (जन्तरकों) और अम्परिती (प्रश्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्मिलियात बहुवय से उच्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक कप से क्षित नहीं किया बया है:—

- (क) प्रश्तरत से हुई किसी मात्र की बाबत, उनत अधि-तियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविज्ञा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्रायं या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधिनियम, या धन-कर धिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

भातः पर्व, उक्त प्रश्नितियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रवितियम की घारा 269-घ की उपचारा (1) के ग्रजीम् निम्नसिखित स्थक्तियों, प्रचित्ः-- श्री जे. नर्रासगद्दम 3-6-417,पी० श्रो० हिमायत नगर, हैदराबाद (फ्लाट बी-26/एफ-1, ग्राउन्ड फ्लोर) मालेपल्ली हैदराबाद में रहते हैं।

(अन्तरक)

2. श्रीमती निलारत्नम कुमारी, बी-26-श्रार-I मलेपल्ली धरनं० 10-2-318/38, मालेपल्ली हैदराबाद में रहते हैं।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी नरके पूर्वोक्त सम्पति के अर्थेन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

बन्त सम्पत्ति के धर्मन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप 1--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी श्रास 45 दिन की संबंधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी संबंधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उपत स्थावर सम्मलि में हिलबढ़ किसी प्रम्य क्यक्ति द्वारा, पक्षोहक्ताकारी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पड़ों का, जो छक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिवाधिक है, बही प्रयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

क्त्राटर नं ० 26-ए-1 ग्राजन्ड फ्लोर एम ० नं ० 10-2-318/38, मलेपल्नी हैदराबाद में रहते हैं। जिपका रजिस्ट्रेशन डा० नं ० 2072/79 से उप-रजिस्ट्रार कार्यालय खैरताबाद में हुआ है।

> के० के० बीर, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जेत रेंज, हैयराबाद,

तारीख: 11-3-1980

प्ररूप भाई। टी० एन० एस०---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैवराबाद हैदराबाद, दिनांक 11 मार्च 1980

निर्देश सं० ए० सी० नं० 571/79-80---यतः मुझे के० के० वीर,

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मंत्रीन सभन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रुपये से मिधिक है भौर जिसकी सं० खुली जमीन है, जो गडुभिनाराम हैवराबाद, में स्थित है (शौर इससे उपाबद धनूसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्रा प्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण मिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के मधीन जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के प्रथमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भौर मुझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके प्रथमान प्रतिफल से, ऐसे प्रथमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है भौर मन्तरक (मन्तरकों) भौर मन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण जिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाम या किसी घत या घ्रन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर ग्रंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त घिष्टिनियम, या धनकर धिष्टिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त धिधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रविनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) 1. श्री जे० एन० कृष्णामूर्ति, 2. जे० एम० देवदत्त 3. जे० एम० श्रशोकदत्त, यह सब 127 हैदर बस्ती सिकन्द्राबाद में रहते हैं। (श्रन्तरक)
- (2) डा॰ एम॰ जनार्दन रेडडी 23/3, बार॰ टी॰ बरकतपुरा हैवराबाद जी॰ पी॰ ए॰ श्री माणिकरेड्डी एडवोकेट बारमुर निजामाबाव में रहते हैं: (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरसा हूं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकासन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सुनना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष निसी भन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकेंगे।

ल्पव्योक्तरणं:---इसमें प्रवृत्त शब्दों भीर पर्यो का, जो उक्त सर्थि-नियम के अध्याय 20-क में परिचाचित हैं, वहीं अर्थे होगा, जो उस अध्याय में विका नया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा विस्ततेन 1050 वर्ग गज, गड्डी ध्रश्नाराम उस्मानगढ़ हैदराबाद में है जिसका रजिस्ट्रेशन डॉक नं० 3997/79 से जाईन्ट उप रजीस्ट्रार कार्यालय हैदराबाद में हुआ है।

> कै० के० वीर, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 11-3-80

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

म्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के मिधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद,दिनांक 1 मार्च 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 572/79-80---यतः मुझे के० के० वीर,

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के मिथीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० खुली जमीन है, जो 5-1-80 बेलन गली में स्थित है (ग्रीर इससे उापबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विज्ञात है), रजिस्ट्रक्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, हैदराबाध में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की वावत, उक्त भिन्न नियम के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ला) ऐसी किमी आय या किसी धन या मन्य पास्तिकों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनयम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रव, उक्त श्रविनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रविनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयात्: ---

- 1. (1)एम राघवन (2) एस रंगनाथन (3) राजलक्ष्मी (4)श्रीमित केर पारथसारथी (5) रंजीत राघवन (6) दीलीप रंगनाथन (7) प्रदीप रंगनाथन (8) सनदीप रंगनाथन (5-1-680 बेनकगली हैदराबाद (श्रन्तरक)
- 2. (1) श्रीमती विजयाला राजेन्द्र कुमार (2) श्रीमती सुनाववीद्री कुमार पती श्ररवीन कुमार 4-3-329 बेनकीवाली रद्राबाद (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की प्रविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में मुभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्डीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त भिक्षितयम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मर्थ होगा, जो उस अध्याय में बिया गया है।

अनुसूची

कुली बयीन ने 5 1-70 मनकर गली हैदराबाद वीस्तेन 250 वर्ग यार्ड रजीस्ट्री दस्तावेज मं० 4403/79 उप रजीस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में

> कें० कें० वीर सक्षम भ्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-3-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

मायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 11 मार्च 1980

निर्देश सं० ये० सी० नं० 573-79-80---यतः मुझे कें। कें। बीर,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका छनित बाजार भूल्य 25,000/- रुपये से मधिक है

भौर जिसकी सं० कुलीजमीन है, जो 5-1-680 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भनूसूची में भीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदरबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन जुलाई 1970 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समाति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रक्षिक है ग्रौर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से अर्थ प्रनारण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भ्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय म्रायहर म्रिमियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-कर मिविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---13-26GI/80

मतः प्रव, उक्त मिनियमं की घारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रधीन,

- (1) श्री एस० राघवन पलाट नं० 7 श्रीनगर कालोनी हैदराबाद (भ्रन्तरक)
- (2) श्री गोकुल नाथ जी सेवा दूस्ट मैनेजिंग दूस्ट्री श्री छत्रीलवास 5-1680 बेनक की गली हैदराबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के धंजैन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचेना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतरे उक्ते स्थावर सम्मत्ति में हितबंब किसी ग्रेंग्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित 🖣 किये जासकेंगे।

स्पद्धीकरण:→ज्इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदों का. जो उक्त भ्रिष्ठ-नियम के घड़याय 20क में परिभाषित हैं वहीं भर्य होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

घर का नं० 5-1-680 (बी माग) खुलीजमीन जमीन निवास का घर बेनका गली हैदराबाद बीस्तेन 315 वर्ग गज रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 4299/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> कें ० कें ० बीर. सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद।

तारीख: 11-3-1980

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद,दिनांह 1 मार्च 80

निर्देश सं० आर० ए० जी० नं० 574/79-80—-यतः मुझे के० के० वीर

नायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अत्रीत सज़न प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पए से प्रधिक है

म्रीर जिसकी सं० 3-2-372 है, जो चेपल बाजार हैदराबाद में स्थित है (म्रीर इससे उपाबद भ्रनुसूची में म्रीर पूण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन जुलाई 79

को पूर्वीक्त सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मृत्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तरिक का से लिखत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त श्रीवित्यम के धंधीन कर देने के श्रस्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसो धन वा भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजकार्य भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम ही धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-घ की बपधारा (1) प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मिन रशीदा महमूद 8-3-235 युनुफगुडा हैदराबाद (श्रन्तरक)
- (2) 1 मास्टर बी० सत्यानारायना 2 बी० श्रीनिवास 3 माटर बी० रामेश्वर राऊ यमाम का घर 3-2-372 चेनल वागर हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी चरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रवेत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

खनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूबता के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घविष्ठ या तस्तमनत्वी व्यक्तियों पर सूबता की जामीत से 30 दिन की घविष्ठ, जो भी घविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तारा;
- (ख) इस भूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़
 िन्सी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, अधिश्रताश्वरी के पास
 विखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो जनत प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं धर्य होगा जो जम प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दक्षीन वीभाग घर नं० 3-2-372 का है चेपल वाजार हैदराबाद में वीस्तेन 460 वर्ग मीटर रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 4446/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० के० वीर, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रॅज, हैदराबाद

गारीख 11-3-1980 मोहर : प्रकष भाई • टी • एन • एस • - - - - - प्रापकर प्रोधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के प्रधीन सूचना मारत सरकार

कार्यातव, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, विनांक 11 मार्च 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 575/79-80---यतः, मुझे, के० के० वीर,

आयं कर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अक्षीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बागार मूह्य 25,000/- द॰ से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 3-2-372 है, जो चेनल बाजार हैदराबाद में स्थित है (स्रौर इससे उगाबत स्रन्मूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्यत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के वृद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्यत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पण्डह प्रतिगत से अधिक है होरेर प्रन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्ननिधित उद्देश से उक्त अन्तरण जिखित में वास्त्रिक रूप से कथिश नहीं किया गया है:—-

- (क) मन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त मिध-नियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी घन या भ्रम्य श्रास्तिगों को, जिन्हें भारतीय आय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रत: भ्रव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नालेखित व्यक्तियों, ग्रयीत्:——

- (1) श्रीमती महबुबनासरूल्ला "दीनाग कोंट" पचकनवाल रास्ता बाम्बे (घर नं० 8-3-235 यूसपगुडा हैवराबाद (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती बी० भ्रमजनी बाई 3-2-372 चेंपेश बाजार हैबराबाद। (শ্रन्तरिती)

को यह सूचना जारी श्ररके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उनत सम्पत्ति के प्रजान के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की सर्वाद्य या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वाद्य को भी भवित्र बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, ब्रिझोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा तक्त अग्नि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 3-2-372 का ऊपरी भाग चेपल बाजार हैश्राबाद में वीस्तेन 450 वर्ग भीटर रजीस्ट्री दस्तावेज नं० 4447/79 है उग-रजिस्ट्री कार्यालय हैवराबाद में ।

> कें० कें० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-3-1980

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

भायकर मधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, विनांक 11 मार्च 1980

निर्वेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 576/79-80--यगः मझे के०के० वीर

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीत सक्षम प्रिधि हारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्बद्धि जिल्ला उचित बाज(र मूच्य 25,000/ द्रप्ये से ग्रिधक है

ष्मीर जिसकी सं० 3-4-247/ एई० हैं, जो काजीगुड़ा हैदराबाद स्थिग हैं (ग्रीर इससे जापबद्ध ग्रनूसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ग्रुपेल 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से भिष्ठिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरन निखित में वास्तिव ह रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उपत श्रिष्ठ-नियम के भधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी भन या भन्य ग्रास्तिओं को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिश्चित्यम 1922 (1932 का 11) या उक्त ग्रिश्चियम या धनकर ग्रिश्चित्यम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती ग्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, प्राय, उत्रत ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के प्रानुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्राप्तीन निम्मलिखित व्यक्तियों, प्रार्थात्:---

- (1) श्री पी० बेनकट रत्नम पति लक्ष्मी नारायन 3-4-247 काचीगुड्डा हैदराबाद (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती श्रार० प्रमीला देवी पती श्रार० बाबुलाल (2) ग्रार० नीलगला (3) डाक्टर ग्रार० रामप्रसाद (4) श्रार० बीहारीलाल (5) आर० सुभाष तमाम का घर बशीरा-बाद (नवनवगी) तानडुर तालुक हैदराबाद जिला (श्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी न से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकस्त्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरूताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्ठीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का जो उक्त स्रधि-नियम के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही सर्य होगा, जो उस स्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

षर नं० 3-4-257/ई का भाग नं० I काचीगुडा हैराबाद में रजीस्ट्री दस्तावेज नं० 4038/79 छप रजीस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० के० घीर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज हैदराबाट

तारीख: 11-3-1980

प्रसप पाई • दी • एत • एस • -----

यहाकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के भ्रमीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहासक श्रावकर ब्रायुक्त (निरीक्क)

धर्जन रेंज, हैद्राबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मार्च 1980

आवकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उन्त प्रधितियम' कहा गवा है), की धारा 269-थ के ध्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्पावर सम्पत्ति, जिसका छित्र जाजार मूल्य 25,000/- व्यये से ध्रधिक है भीर जिसकी सं० बारा 3-4-247 है, जो पार्ट III काम्पीगुड़ा में स्थित है (और इससे जापकद अनूसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय, हैदरावयद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन श्रमें स 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार पूर्य से कम के बृह्ममान प्रतिकत के लिए धरतिस्त की गई है भीर मुसे यह जिल्लास करने का कारण है कि ययस्पूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृह्ममान प्रतिकत से, ऐसे दृह्ममान प्रतिकत के पन्द्रह प्रतिसत से प्रधिक है धौर धरतरक (धन्तरकों) धौर धर्तरिती (धर्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देहम से उक्त धर्वरण लिखित में कास्तहिड कर से क्षित महीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी मांग की बाबत उक्त, मधि-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविका के लिए; भौर/या
- (स) ऐसी किसी प्राय या किसी धन का अन्य कास्तियों को, जिन्हें, कारतीय धायकर प्रक्रिक्स, 1922 (1922 का 11) का उक्त प्रक्रिनियस, या धन-कर प्रधिनियम, 1957, (1957 का 22) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

भ्रतः धव, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त धिक्षिमयम की धारा 269-म की क्षकारा 1 के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रयोत :---

- (1) श्री बी॰ संस्थानारायन पिता नी लक्ष्मीनार।यण 8-3-320/1/7 युसुपगुडा हैदराबाद (श्रन्तरक)
- (2) श्रीखती झार प्रमीलादेवी पती झार ० वाबुलाल (2) द्यार० हीरालाल (3) जाकटर रामप्रसाद (4) धार० बीहारीलाला (5) द्यार० सुबाश तमाम का घर बशीराबाद तानहुर संगारेडी जीला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्थनहियां करता हूं।

जबत सम्बत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी भाग्नेप :---

- (क) इस सूबता के राजपथ में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूबना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समझत होती हो, के प्रतित पूर्वीत व्यक्तियों में से विक्री व्यक्ति कारा;
- (क) इस सूचना के साजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वित-बद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वद्योकरण: -- इतमें प्रपृत्त शब्दों भीर पदों का, जो उस्त धिनियम, के मध्याय 20-क में परिधाषित है, बृद्धी खर्य होगा, जो उस मध्याय में वियागया है।

अनुसूची

घर न्० 3-4-247 का वी भाग बी भागी नं० 3 वीस्तेन 78 वर्ग वार्ड काम्बीगुडा हैदराबाद में रजीस्ट्री दस्तावेज नं० 4042/79 ऊप रजिस्ट्री कार्यालय हैबाबाद में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त, (निरीक्षण) भर्जन रेंज हैदराबाद

सारीक: 21-3-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मार्च 1980

निर्वेश सं० आर० ये० सी० नं० 578/79-80—यतः मुझे के० के० वीर,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात् 'उन्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिल्लका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

मौर जिसकी सं० हिस्सा, तं० 3-4-247 की है जो काचीगुडा हैद्राबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध मनूसूची में मौर पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, हैद्राबाद में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रघीन जुलाई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संगत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकृत निम्तिलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है: →-

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भाषा-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घत या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रंथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत मिश्रिनियम, या धन-कर ग्रंघिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रायीत्:—

- (1) श्री व्ही सञ्जयनारायण पुत्र स्वर्गीय लक्ष्मीनारायण घर नं० 1-4-879/96 गांधी नगर हैद्राबाद में रहते हैं।
- (2) श्रीमती ग्रार० प्रोमिला देवी पत्नी ग्रार० बाबुलाल (2) ग्रार० हिरालाला (3) ग्रार० रामप्रसाद (4) ग्रार० बिहारीलाल (4) ग्रार सुभाष यह सब बसीरा बाद (नावनगी) सांलडूर तालूक रंगारेडी जिसे में रहते हैं।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रार्वन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राज्यत्र में प्रकागन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्यब्दोक्तरण:--इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रश्नाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

षर का हिस्सा एम० नं० 3-4-247/ई० हिस्सा नं० 2 विस्तीर्ण 88-22 Sq. yds. जो काची गुडा में है जिसका रिजिस्ट्रेशन डा० नं० 4039/79 से ज्वाहन्ट उप रिजिस्ट्रार कार्यालय हैदराबाद में हुन्ना है।

के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 10-3-1980

प्रकप नाई• टी• एन•एस•-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-घ (1) के अभीत सूचना

मारस सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मार्च 1980

निर्देश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 579/79-80—यतः मुझे, के० के० वीर,

प्रायक्षर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत अधिनियम' नहां गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मूह्य 25,000/- वपये से प्रधिक है

श्रोर जिसकी सं० वीबागी 3-4-247/ई० है, जो पोर्ट काचीगुडा हैदराबाद, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन भागेल 1979 को

पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिक्षल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्षल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्षल के पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गथा प्रतिक्षल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं जिया गया है:——

- (क) सन्तरण से हुई किसी साथ की वाबत, उक्त सिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सायिक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भीर/या
- (ज) ऐतो किसी आव या किसी कन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त धिवित्यम, या धन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए द्या, छिपाने घँस्थिन्ना के किए;

अतः, अबं, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उनत अधिनियम, की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री वी० सुब्बा नारायन पिता स्वर्गीय वी० लक्ष्मीनारायन महान नं० 3-4-247 का वीगुडा हैदराबाद (अन्तरक)
- (2) श्रीमती श्रार० प्रमीलादेव पति श्रार० बाबुलाल (2) आर० हीरालाल (3) डाक्टर श्रार० रामप्रसाद (4) श्रार० बीहारीलाल (5) आर० सुभाषतमाम का घर बशीराबाद सानबुर जिला रनगारेडी। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त ेसम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी ब्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविष या तस्सम्बग्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष, जो भी भविष खाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ण) इस सूचना के राजरत में प्रकाशत की तारीज से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्बद फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, बन्नोइस्तान्तरी के पास लिखित में किए ज सकेंगे।

स्पद्धीकरण .---इसमें प्रयुक्त शक्यों धोर पदों सा, जो उनत श्रीवित्यम, के श्रद्धाय 20-क में परि-भावित हैं, नहीं धर्म होना, जो उस प्रकाय में दिवा नया है।

अनुबुची

घर नं० 3-4-247/ई० का वीबाम बीचारा नं० 4 वीर्र्तन 78 वर्ग गज रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 4048/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० के० वीर, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

सारीख: 11-3-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०~

भायकर भधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के भ्रधीम सूजना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

भ्रजेंन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मार्च 1980

निर्देश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 580/79-80—यतः मुझे के०के० वीर

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया 🛊),की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/→ ४पये से श्रौर जिसकी सं० विभाग 3-4-247/ई० है, जो विभाग नं० 6 काचीगुडा में स्थित है (श्रीर इससे जापबद अनुसूची में श्रीर पूर्णेरूप से वर्णत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जुलाई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से व्ययमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्बक्ति का उक्षित बाजार पूरुप, उत्तके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भौर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित

(क) अन्तरण से तुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रष्ठि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या

उद्देश्य से उक्त प्रत्तरण तिखित में वास्तविक रूप से कथित

नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रीविनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत श्रीविनियम, या धनकर श्रीविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

प्रतः, भ्रत्र, उन्तः ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के भनु-सरण में, में, उन्त प्रिधिनियम की धारा 269-ग की उपचारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रंथीतु:---

- (1) श्री वी० श्रीनारायण पिता स्वर्गीय लशमीनारायन 3-4-247 काचीगुडा हैवराबाद। (श्रम्तरक)
- (2) 1. श्रीमती श्रार० प्रमीला देवी पती श्रार० बाबुलाल 2. श्रार० हीरालाल 3. डाक्टर श्रार० रामप्रसाद 4. श्रार० बिहारीलाल 5. श्रार० सुबाश तमाम का घर बशीराबाद गजटुक मौलुक। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सकात्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध पा तत्संग्रंशी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की प्रविध, जो भी ग्रविध बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस स्वाः के राजनते में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्थाति से तितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण :---इतमें प्रयुक्त गर्कों घौर पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के ग्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस ग्रव्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

विभाग का 3-4-247/ई० विभाग नं० 6 वीस्तेन 86 वर्ग गज काचीगुडा हैदराबाद में रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 4041/79 उप रिजस्ट्री कार्याक्षम हैदराबाद में।

के० के० बीर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज, हैस्टोंकाद

तारीख: 11-3-1980

प्रकप बाई० टी॰ एन० एस॰ ---

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के धवान सूचना भारत सरकार

कार्यांक्षय, सहायक प्रायकर पावृक्त (निरीक्रण)

धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 11 मार्च 1980

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 581/79-80---यतः मुझे के०के०वीर,

प्रायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चान 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खाँ प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से अधिक है

ष्मीर जिसकी सं० 1-4-191 है, जो बाकारम हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उापबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण । ग्रधिनियम, 1908 (1908 का का 16) के ग्रधीन अप्रैल 79

को पूर्वोक्त पंगति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रति-फन के लिए प्रस्तरित की गई है भौर मृसे यह शिश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रल के पन्द्रह प्रतिक्रल से अधिक है और ग्रन्थक (प्रस्तरकों) और धन्तरिती (प्रस्तरितयों) के श्रीच ऐसे प्रस्तरण के निए तय पाया गया प्रतिक्रल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाक्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी मांप की बाबत जनत अधिनियम' के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1932 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उत्रत अधिनियम की द्यारा 269 ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की द्यारा 269-व की उपद्यारा (1) के अधीन निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात् :----14---26GI/80

- (1) श्री बी॰ थी॰ रामरेब्डी पिता जी॰ बी॰ के॰ रेडी 1-4-191 बाकारम हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सैयद ईनामूर रहीम 1-4-489 बाकारम हैवराबाद (मन्तरिती)

को पड़ मूबता चारी करके प्यक्ति स-१ के अर्थन के विष् कार्यवादियां सरता है।

उनन सम्मति के अर्बन के संबंध में कीई मी आहीर :---

- (क) इस यूजना के राजयल में प्रकाणन की गारोख से 45 हिन की मनकि मा तरसंबंधी क्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की मनकि, जो भी भाषि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीका काकियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;

स्पक्षीकरण: ---इसमें प्रयुक्त सम्यों घोर पदों का, जो उक्त प्रश्नितियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुतची

घर तं० 1-3-181 ता० 184 का सामनेका वीभाग है बाकारम हैदराबाद वीस्तेन 281.20 वर्ग गज रजिस्ट्री दस्तावेज तं० 4142/79 छप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त, (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**वः** 11-3-1980

प्रकर्प बाई । टी । एन । एस ।

भायकर श्रांतिनवम, 1961 (1961 का 43) की श्रारा 269-व (1) के श्रधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैकराबाद

हैवराबाद, दिनांक 11 मार्च 1980

निर्देश सं० धार० ए० सी० नं० 682/79-80—यतः मुझे के० के० बीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उक्त अप्रिनियम' कहा गया है), की धारी 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी की यह विश्वास करने ना कारण है कि स्यावर सम्मति, जिनका उचित्र नाजार मून्य 25,000/- क॰ ये प्रधिक है

भौर जिसकी सं० पार्ट 1-4-181 वा 194 है, जो वाकारम स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनूसूची में भौर पूर्णक्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 कर 16) के श्रधीन जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के बृष्यमान प्रतिफल के लिए घरतरित को एई है और मुझ यह विश्वास जरूने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उनके वृष्यमान प्रतिफल से ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पृत्वह प्रतिणत प्रतिक है और प्रत्यक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रात्तरितियों) के बीच ऐसे घरतरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्तिविधित सहेब से उचत प्रश्रण जिखित में वास्तिब कप से विश्वत नहीं किया कमा है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कभी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए; और या
- (क) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आहितयों की, जिल्हें भारतीय भावकर भींधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भींधिनियम, 1957 (1987 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या निया जान जाहिए का किया में सुविधा के लिए।

भतः अव, उका अधिनियम की घारा 269-ग ने अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269म की उपधारा (1) के मजीन, निम्निचित व्यक्तियों, जर्थात् :---

- (1) श्री जी० श्री० श्री० रामारेड्डी घर नं० 1-4-191 बाकारम हैदराबाद (श्रन्तरक)
- (2) सैयव पाकरोवीन अहवव पिता सैयद मोनुदीन प्रहमद घर नं० 1-4-489 मुदाराबाद हैदराबाद (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के निए कार्यशाहियां करता हूं!

अपत सम्मित के वनें। के संबंध में हो तो पाती:--

- (क) इस पुचना के रागात में त्रकाशन को जारा त छ 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी क्षक्तियों पर मूचना की वामोस से 36 दिन की धवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विम के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी बन्ध अक्ति द्वारा, अधोहरूनाक्षरी के पत्र लिखित में जिए का सर्वोगे।

श्यक्तीक्षरण. ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त प्रधितियम के प्रध्याय 20-क में परि ाक्ति है, वहां धर्वे होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

घर नं० 1-4-181 ता 194 बाकारम हैदराबाद का सामने का भागकुली जमीन कम्पाउंड दीवार और घर नं० 1-4-179 का रजिस्ट्री दस्तावेज नं 4144/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-3-1980

प्रकप भाई० टी० एन० एस०--

न्नाय हर ऋधिनियम, 1981 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, हैदराबाध

निर्देश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 583/79-80---यतः

हैवराबाद, दिनांक 11 मार्च 1980

मुझे के० के० वीर,
श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परचात् 'उक्क अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
श्रीर जिसकी सं० 1-4-181 ता 194 है, जो बाकारम स्थित

है (श्रौर इससे जापबद्ध श्रनूसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैंदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यतान प्रतिकल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का

उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफत का पन्त्रह प्रतिशत से प्रश्निक है और धन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य स उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित

नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण में हुई किसी भाय की बाबत उनत भवि-नियम, के भधीन कर देने के भग्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या धन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधिनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती धारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः, प्रव, उक्त भ्रधिनियम की भ्रारा 269-ग के अनु-अरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों,भर्मात्:—

- (1) श्री जी० बी० वी० रामरेड्डी 1-4-191 बाकारक हैदराबाद (अन्तरक)
- (2) श्री सैयद्र इकरामुर रहीम पिता सैयद फकरूवीन अनुमद, घर नं 1-4-489 मुशीराबाद हैदराबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के प्रार्वन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्बन्धि के अर्जन के सम्बन्ध में बोई भी ब्राजेन :---

- (क) इस सुचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारी से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूत्रमा की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किस व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 4 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्यच्छीकरण: - इसमें प्रपृक्त गन्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर मं० 1-4-181 ता० 194 का बीघवा थी भाग बाकारम हैंव तबाव वीर्स्तन 204-55 वर्ग गज रजिस्ट्री-वस्तावेज नं० .4143/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैवराबाव में

> के० के० बीर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 11-3-1980

प्ररूप आई० टी॰ एन० एस०----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैवराबाद, दिनांक 12 मार्च 1980

निर्देश सं० मार० ए० सी० 1018—यतः मुझे, के०के०वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चान् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- जे के अधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर नम्पन्ति, जिपका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० है, जो स्थित है (श्रीर इससे जापबद्ध श्रनूसूची में श्रीर पूर्णरूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रीध-कारी के कार्यालय, रजिस्ट्री में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 31-8-1979 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपत्ती का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह 15 प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तर्क (अन्तरकों) भीर अन्तरीती (अन्तरीतियों) के बोब ऐसे अंतरग के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य सें उक्त अन्तरण लिखित में बाह्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई कितों आय को बाबत, उक्त प्रधितियम के प्रधीत कर देने के प्रतरक के दायिश्व में कमी किन्या उपसंख्यन में सुविका के किए; पौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को विन्हें भारतीय भाम-कर भिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिवित्यम, या बन-कर भिवित्यम, या बन-कर भिवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चादिए था, स्थिपने में सुविधा के लिए;

. अतः अथ, उक्तः अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त पश्चिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिक्तिन व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री भ्राद्धेपरिज नागेश्वर राव राजामंडी (भ्रन्तरक)
- (2) श्री भ्रतिलि कोटेश्वर राव रजामंडी (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिके ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के पंजंध में कोई भी आसीए --

- (क) इस पूजना के राजपन्न में पहारात की तारीण से 45 दित की भाषीं या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की भाषीं, को भी भाषीं बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ग्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूत्रता के राजपत में प्रकाशन की तारी इस 45 दिन के भीतर उक्त क्यांकर सम्पत्ति में दित्यक्ष किसी प्रत्य काकित द्वारा अधोहरूनाअगो के पास विखित में किए जा नकेंगे:

स्यब्दीकरण '--- इस ने प्रकृत प्रान्त मीर पान ना, जो उत्त अधि-नियम, के मध्याय 20-क भें जिलाधित है, वही अपने सुना जी उत्त अध्यत्य में दिया गया है।

पनुसूची

राजामण्डो रिजस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक अंत 31-8-79 में पंजीकुल वस्तावेज नं० 4076 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 17-3-1980

ोहर:

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1980

निर्देश सं० प्रार० ए० सी० 1019—यतः मुझे के० के० वीर

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इपमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० है, जो स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, राजामण्डी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियस, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 15-9-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यया पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रधि नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राप्त मा किसी था पा प्रत्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भत: अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, में उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयात्:---

- (1) श्रीमती एन सुब्बाम्मा, गुंत्र (भ्रन्तरक)
- (2) श्री ग्रतिलि कोटेश्वर राव, राजामण्डी (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशित की तारीख से
 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भविष, जो भी
 अविध बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य क्यक्ति द्वारा श्रत्रोहस्ताक्षरी के पास विद्वित में किए जा सकेंगे।

हराष्ट्री तरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रीध-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

राजमंडी रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक श्रंस 15-9-1979 में पंजीकृत वस्तावेज नं० 4354 में निगमित श्रनुसूची संपत्ती

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त, (निरीक्षण) म्रजन रेंज, हैदराबाद

तःरीख: 10--3--1980

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के मधील सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च, 1980

निवेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 1020—यतः मुझे के० के० चीर आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इन्ह प्रवास 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व क प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समासि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क्पये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० है, जो स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय विजयावाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन 7/79

प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 7/79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिपत्त के लिए प्रम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत प्रधिक है और धन्तरक (धन्तरकों)
प्रोर अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिकल निम्निखित उद्देश्य से उच्त प्रन्तरण
लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रीधिनियम के स्थीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे वचने में मुक्थि। के निष्; और/याः
- (आ) ऐता किसी आय या किसी जन या अन्य धारितयों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः भव, उक्त अधिनियम की खारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निकासिकत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती चन्द्रसपु रन्नाबाई, विजयवाडा (भ्रन्तरक)
- (2) श्री कोता सत्यनारायना, विजयवाडा (श्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी अरके पूर्वित सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

वनत सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेत्र--

- (क) इप मुबना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना को तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्वता के रातात्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के मीतर उस्त स्थावर नम्यत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य कार्ति द्वारा, अबोहमाक्षरों के पास निर्देश में किए का सर्वेष्ट ।

स्यक्योक्करम: -- - उपर्व अपूक्त पत्था आर पत्था का, जा उक्त पिधिनियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, बहां अर्ब लोगा जो उस श्रष्टपत्थ से विधा गया है।

अनुस्चो

विजयवाड़ा रजिस्ट्री श्रधिकारी सं० पाक्षिक श्रति 31-7-79 में पंजीकरण दस्तावेज नं० 4438 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति

> के० के० चीर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-3-80

प्रकप धाई • टी • एन • एस •---

भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 हा 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीत सूचना

भारत सरकार

भार्यास्य, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1980

निदेश सं० आर ०ए० सी० नं० 1021—यत: मुझे, के०के० बीर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उक्त ब्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ब्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्म 25,000/- २० से अधिक है

भौर जिसकी सं० है, जो स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय विजयवाडा में भारतीय रिजस्ट्रकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 30-8-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है भीर मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अवित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिक्रम प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर धन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण विश्वित में वास्तिक रूप सक्तिय तही किया थया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाग की बाबल, उक्त धिमियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के उन्धन्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रीर/थ।
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर ध्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) जा उक्त प्रधिनियम, या धन-कर ध्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्मरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

क्त: भव, बक्त भिवित्यभ की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त भिवित्यम की पारा 269-थ की उपभाश (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) श्री कुरियेटि कृष्णामूर्ति, किजयवाडा (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती साधु रामालक्षम्मा, विजयवाडा (ग्रन्तरिती)

को यह मुचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घ्रवधि या तत्तसम्बन्धी व्यक्तियों पर तूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी घ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मुखना के राजपट में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्ह सिध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अध होगा; जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक श्रंत 31-8-79 में पंजीकृत वस्तावेज नं० 5765 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति।

> के० के० वीर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 12-3-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्राधुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च, 1980

के० के० वीर श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाप् 'उक्क श्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका खनित बाजार मुख्य

निदेश सं० द्यार० ए० सी० नं० 1022---यतः मुझे,

25,000/- रु० से प्रधिक है और जिसकी सं० है, जो स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में घौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय प्रोंगोल म भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 31-7-79 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकत्त के लिए प्रत्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त पम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिकल से ऐसे रृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथि नहीं किया गया है।

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबल, उक्त प्रधिनियम के पधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी मान या किसी धन या प्रन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर मिंचिमम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तिरत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रवः उर्वन अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित ब्यक्तियों, ग्रर्थात् :---

- (1) श्री कोनाकंर्य गोपाला कृष्णामूर्ति, श्रोंगोल (ग्रन्तरक)
- (2) श्री बिताना नरसिंहारावु ग्रौर बित्तना प्रकाशरावु, ग्रोंगोल

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनन सम्पत्ति हे प्रर्शन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूलता के राजपंत्र में प्रकाशत की तारी आ से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तारी ख से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्यों क्त व्यक्ति गों में में किसी ठाकित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजरत म प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षणी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पब्दोक्तरण: --इपमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिमाधित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भ्रोंगोल रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक श्रंत 31-7-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1259 श्रौर 1449 में निगमित श्रनुसूची संपति।

> के० के० वीर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 12-3-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 13 मार्च 1980

निवेश सं० घार० ए० सी० नं० 1023—यतः मुझे के० के० वीर
धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- य० से प्रधिक है और जिसकी सं० है, जो

स्थित है (भौर इससे जपावत अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यासय मछलीपटनम में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7/79

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,] उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रक्षिक है धीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अर्गरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:→-

- (क) प्रन्तरण से तुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रीविनयम के अधीन कर देने के ग्रस्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तारेती द्वारा प्रत्येट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मन, उस्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के भतुनरग में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपनारा (1) प्रधीतः निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयोत:---15---26G1/80 (1) श्री कंतेटि नारायणराव मार्फंत मेसर्स शिवा **रैस** एं**ड** माईल मिल, मछलीपटनम

(भन्तरक)

(2) श्री कोल्लिपरा वराहा नर्रांसह मूर्ति मछलीपटनम (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी
 प्रविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब
 किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे '

स्पन्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्नें और पदों का, जो उन्त श्रिधिनियम् के ंअध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया हैं।

वनुसूची

मछलीपटनम रजिस्ट्री मधिकारी से पाक्षिक मंत 15-7-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1870 में निगमित मनुसूची सम्पत्ति।

के० के० वीर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदरानाय।

तारीख: 13-3-1980

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1980

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 1024—यतः मुझे, के०के० बीर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं० है, जो स्थित

मौर जिसकी सं० है, जो स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिक्षकारी के कार्यालय काकिनाडा में भारतीय रजिस्ट्रकरण भिक्षितियम, 1908 (1908 का 16) के भिक्षीम 31-8-79

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके धृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे धृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है और यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवास में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ यन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविद्या के लिए;

भनः मव, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त भिन्नियम की धारा 269-म की उपदारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:— (1) श्री के०पी० इस्रायेला, पितापुरम

(मन्तरक)

(2) श्रीमती दारपुरेड्डि सूरम्मा, राजील (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्पत्ति के अर्जन के लिएकार्यवाहियां भरता हूं।

एकत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरस्र ्र ्षी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिशबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित म किए जा सकोंगे।

स्पन्तीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'छक्त बक्षि-नियम', के धक्याय 20-क में परिमालित हैं; वही अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है ।

धनुसूची

काकिनाडा रजिस्ट्री मधिकारी से पाक्षिक मंत 31-8-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 6581 में निगमित मनुसूची संपत्ति।

के० के० धीर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, हैदराबाद,

तारीख: 12-3-1980

प्रस्प ग्राई॰ टी॰ एन॰एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भावकर भायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1980

निवेश सं० घार० ये० सी० नं० 1025—यत: मुझे के० के० वीर
गामकर प्रधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

मीर जिसकी सं०

है, जो

स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वाणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय काकिनाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 31-8-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संगत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का प्रस्तृह प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फन निम्नोनिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक हम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की नायत उक्त श्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उन्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रवीत्:—

- (1) श्रीमती तांडिक वेंकटरमनम्मा बापटला (धन्तरक)
- (2) श्री पिराटना लक्षमणमूर्ती पितापुरम (2) पी० भानुमूर्ती, (3) श्रीमती पी० बापनम्मा भौर (4) श्रीमति कृष्णा सूर्येकुमारी (अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-बद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्होकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रश्विनयम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रयं होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काकिनाडा रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक श्रंत 31-8-79 में पंजीकृत वस्तावेज नं० 6425 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति ।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजम रेंज, हैवराबाद

तारीख: 12-3-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के खधीन सूचना

नारत सहकार

कार्यांलय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1980

निवेश सं० द्यार० मे० सी० नं० 1027—थतः मुझे, के० के० बीर.

भामकर मिश्वनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मिश्विमयम' कहा गया है) की धारा 269-ख के मिश्वनि सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि क्यावर सम्मत्ति जिलका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से मिश्वक है,

भीर जिसकी सं०

है, जो

स्थित है (गौर इससे उपायद ग्रनुसूची में गौर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय काकिनाडा में भारतीय रिजस्ट्रकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीम 31-7-79 को

मूर्जोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और घन्तरित (प्रन्तरितयों) के बीव रेन प्रत्ररण के जिए तय राजा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देग्य से उक्त प्रत्ररण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्स अधि-नियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी उसके या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किनी भाय या किसी धन या प्रम्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिधिनियम वा धनकर मधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः भव, उक्त भिक्षितियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त भिक्षितियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रधीन, निक्तिचित स्यक्तियों, सर्वात:— (1) श्री कृप्पा रामाकृष्ण, काकिनाडा

(भन्तरक)

(2) श्री एम० बी० सङ्ग्यनारायणराजु काकिनावा

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यभाष्ट्रियों करता हूं।

उपत सन्त्रस्य के प्राप्तन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोद्दस्ताक्षरों के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्वो का, जी उक्त ग्रधि• नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रन्याय में विया गया है।

अनुसूची

काकिनाका राजिस्टी घषिकारी से पाक्षिक श्रंत 31-7-79 में पंजीकृत वस्ताबेज नं० 5236 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति।

> के० के० वीर तक्षकप्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रॅंज, हैवराबाद।

तारीच: 12-3-80

मोहर ।

प्रकप धाई • टी • एन • एस • -----

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार कार्यांतय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 मार्थ, 1980

निदेश संब्धारवयेव सीवनंव 1028—यतः मुझे केव केव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकार को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृश्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं०/ प्रसिस्ट नं० 20801 है, जो रोगाधी स्ट्रीट, में विजयवाड़ा स्थित हैं (और इससे उपावद्ध प्रनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रकर्ती श्रीकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रकरण श्रीक्षिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मस्य से कम के यूक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुझें यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दूरवसान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल के पन्द्रह् प्रतिभत्त अधिक है और अन्तरक (अः प्रतेषों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तम पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रधि-नियम के भ्रश्नीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रथितियम, 1922 (1922 का 11) या धक्त प्रथितियम, या धक-कर प्रथितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् !—

- (1) श्री गुन्डाला पुल्लाराव, श्रीमती राजेण्वरी, सोमोस्व राव, श्रीमती विजय सुमारी, राक्षासुमारी, भौर पुल्लम्मा यह सब गवर्गरपेट विजयवाड़ा में रहते हैं। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री बृमीरोट्टी मनेश्वरराव, श्रीमती बी० सस्यती, बी० निरन्जनराव यह सब बसलरोड विजयवाशा में रहते हैं। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सन्त्रति के सर्वत के सन्वत्य में कोई भी भागीप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की प्रविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिलकद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकींग ।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दो भीर कहीं सा, जो जनत अधिनिधम के अध्याय 23-क में परिणाणिक है, वही अर्थ होगा, जो उस कश्याय में विका गया है।

वन् सूची

अभीत रिजिस्ट्री किया गया डा० नं० 4798/79, 4749/ 79 भीर 4750/79 से उप रिजिस्ट्रार कार्यालय विजयवाड़ा में।

> ^{क्षे}० के० वीर सं**क्षम**ं प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरी**वाच)** ग्रर्जन रेंज, **है**दराकाद

तारी**व**ै: 14-3-80

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनोक 14 मार्च, 1980

निदेश संब्धारवयेव सीवनंव 1029—यतः मुझे केव केव भीर

भायकर भिर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिर्मित्यम' कहा गया है) की धारा 269-ख के भिर्मीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से भिर्मिक है

भौर जिसकी सं० न० 178/11 थी है, जो बेसुल परुली में स्थित है (और ध्रसंसे उपाबद्ध भनुसूची में और पूर्णेट्य से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यासय मादका पेठ में भारतीय रिजस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन भगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत प्रधिक हैं घौर धन्तरक (धन्तरकों) घौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से पृष्ट किसी भाग की बाबस, उक्त भिक्षि-नियम के भन्नीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ध्राय या किसी धन या ध्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ध्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा भकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः, श्रवः, उक्तः श्रधिनियमं की धारा 269-गं के धनुसरण में, में उक्त श्रधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीतः—

- (1) श्री चेरकुरी विजयरामराजू श्रीर दूसरे 8 लोग जो क्षारापुडी इस्ट गोडावरी जिले में रहते हैं (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सीतारामा बाइलजा और रा राइस भौर पलोर मिल वेम्लपल्ली, द्वारा पुश्री के पास इस्ट गोडावरी जिले में रहते हैं। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध म कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पक्षों का, जो उक्त श्रधि-नियम के शब्याय 20क में परिभाषित है, बही शर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेल डीड जरिए डा० नं० 1570/79 सं० उप रिजस्ट्रार कार्यालय मन्डापिटा में हुमा है

> के० के० वीर सक्षम प्राविकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रोंज, हैदराबाद

तारीख: 14-3-80

मोहरः

प्रकृप माई•टी•एन•एस•---

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घाए। 269-च (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाष

हैवराबाद, दिनांक 15 मार्च, 1980

निदेश सं० म्रार० ये०सी० नं० 584/79-80—यतः मुझे के० के० वीर,

भाय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राविकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- ६० से अधिक है

मौर जिसकी सं० 3-6-69/क/22 है, जो मुरलीहतबाग में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्थी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्ट्रीकर्ता श्रीक्षकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय राजस्ट्री-करण श्रीव्यतियम, 1908 (1908 को 16) के श्रधीम जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरिन की गई है भौर मुझे यह विश्वात करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तरह प्रतिकृत से प्रधिक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया चया प्रतिकृत, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण निवित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अज़ीन कर देने के भक्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में शुविधा के सिए। शीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अस्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर धिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाता चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त भन्नियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त भन्नियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्वात्ः~ (1) श्री एम० पटटाबीराम घनि 62 ड॰ रास्ता करत्बाई नगर मझास-20

(भ्रग्तरक)

(2) श्री के० जगनमोहनराउ के० जगदीशवर राष्ट्र 3-6-69/बी/22-मवनशीन०र हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ।--

- (स) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकालन की तारीख के 45 दिन की घवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रज्ञोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किये जा सकेंगे।

स्त्रव्होश्वरण:---इसमें प्रपृश्त शब्दों भीर पत्रों का, जो उपत प्रधिनियम के धन्याय 20-क में परिचादित है, नहीं भर्ष होया जो उस बन्दाच में दिया थया है।

अनुसूची

धान नं० 3-6-69/बी/22-का नीचला सता—हैदरगृहा हैदराबाद रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 4078/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद

> कें० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, हैदराबाद

सारीच: 15-3-1980

प्रस्प भाई० टी० एन० एस०---

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक भ्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, हैदराबाद

> > हैवराबाद, दिनांक 15 मार्च 1980

निदेश सं० ऋगर० ये० सी० नं० 585/79-80--यतः मुझे, के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-वप्य से मधिक है

भीर जिसकी सं े 3-6-69/बी/22 है, जो हैदराबाद में स्थित है। (भीर इससे उपाबद घनुसूची में भीर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्याल करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्तके वृद्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृद्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) झन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त झिछ-नियम, के झधीन कर देने के झन्तरक के दायित्व म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; झौर/या
- (का) ऐसी किसी प्राय या किसी अन या प्रत्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रव, उनत श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रतु-सरण में, में, उकत श्रधिनियम की धारा 269-भ की उपध्यरा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत्:——

- (1) श्री एम० पटाभीराम 62--3 मेनरोड. मद्रास-20 (ग्रन्तरक)
- (2) श्री डाक्टर के० हनुमनथाराजन 3-4-784--कुमारगली नैजामाबाद

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्शन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारी खा से 45 विन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अस्य व्यक्ति गरा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्दों झीर पर्शे का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थे हाना जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

घर नं० 3-6-69/बी/22 का पहली सता का घर रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 4079/79--छन रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

कें० के० वीर सक्तम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रापुक्त (निरीक्षण) भर्जेग रेंज, हैदराबाद ∤

तारी**यः** 15-3-1980]

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 मार्च 1980

सं• आर० ये० सी० नं० 586/79-80---यतः मुझे, के० के०वीर,

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

ष्रौर जिसकी तं पराट न ० ए० 7 है, तथा जो दोमलगुड में स्थित हैं (ग्रौर इससे उनाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से विणत है) रजिस्ट्रोक्तर्व ग्रिधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र उक्त अधितियम की धारा 269-ग के मनु-सरण में, में, वक्त मिलियम की धारा 269 म की उक्तारा (1) के अधीन, निम्तिविखत व्यक्तियों, अर्थात्। —— 16—26GI/80

- (1) श्री वाई० वी० ध्यामसुन्दर राऊ, जी० पी० ए० श्रीमती वाई०वी०ग्रनासुयम्मा ०६ जीरा सीकीन्द्राबाद। (ग्रन्तरक)
- (2) मै॰ राजा भ्रपारटमेन्ट के॰ राजा मौली जसमानाबाद हैदराबाद। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सर्वेगे।

स्पब्दोक्तरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो छक्त श्रीधनियम के अध्याय 20-क में परिमाधित है, वही अर्थ होगा जो उस ग्रह्याय में दिया गया है।

अनु सूची ं

कुली जमीन नं० घे० 7 1/5 वीभाग वीस्तेन 134-4 वर्ग मीटर गगनमहल दोमलगुडा हैदराबाद र्राजस्ट्री दस्तावेज नं 4073/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० के० वीर, सक्षम घधिकारी, महायक प्रायकर श्रायु**व**त(नि**रीक्षण), ग्रजैन रेंज, है**वरा**बद**

दिनां इ. 15-3-1980 मोहर: प्रकार अर्हि॰ डी॰ ऐंग॰ ऐंस॰-----

आयकर प्रवित्तियम, 1961 (1961 की 43) की बारा 269व (1) के समीन सुबना

भारत तरभार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्तण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 मार्च 1980

सं० ग्रार० ये० सी० नं० 587/79-80----यतः मुझो, के० के० सीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनयम' कड़ा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारच है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्ये 25,000/- द० से मिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलाट नं० 7/ए, है, जो दोमलगुडा हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबद में भारतीय रजिस्ट्रकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के बृश्यमान प्रतिक्तन के लिये प्रश्तिरत की गई है धौर मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उतके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिकल का प्रश्वह प्रतिशत अधिक है धौर प्रश्तरक (प्रस्तरकों) धौर प्रश्तरिकीं(अल्परितिबों) के बीच बेसे प्रश्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से खक्त प्रश्तरण निम्तिखत में वास्तिबल कर के कवित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बावत धकत प्रिष्ठ-नियम के प्रधीन कर देने के धक्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए। और/या
- (ब) ऐसी किसी भाग या किसी धन या घरण बास्तियों की, जिन्हें भारतीय धार्यकर मिश्रिनियम, 1922 (1922 को 11) यो उन्ते अधिनियम, या बन-कर्ष अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रश्रीजनार्य अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया बाना चाहिने वा, खिपाने में सुनिधा के सिए;

अतः अव, उनत पधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उनत प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपवारा (1) अधीन, निम्नलिखित न्यन्तियों, अर्थीत् :—

- (1) श्री वै० सीतारामानवनेयुलु, 26, जीरा सीकीन्द्राबाद (भ्रन्तरक)
- (2) श्री मैं सर्स राजा अपारटमेनट मैनेजींग पाटेनर, के॰ राजामोली ऊसमान गई, हैक्सवाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

जनत सन्यत्ति के सर्वत के सम्बन्ध में कोई मी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितव के किसी भ्रम्य स्थित द्वारा, ममोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्ववंदीकंरंच :--इसमें प्रयुक्त शंक्दों भीर पर्दों का, जो उक्त संधितियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं भर्ष होगा, को उस भड़माय में दिया गया हैं।

मभुसूची

प्लाट ने फ्रें० 7 का 1/5वा वीभाग है दोमलगुडा हैकराबाद मे रजीस्ट्री दस्तावेज नं 4074/79 छप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> कें० कें० वीर, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज,हैदराबाद

तारी**ख**: 15-3-1980

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 मार्च 1980

सं० ग्रार० ये० सी० नं० 588/79-80----यतः मुझे, के० के० वीर,

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से भिधिक है

मौर जिसकी सं प्लाट नं भ्रे० 7 है, जो दोमलगुड़ा में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भ्रौर पूर्णरूप से विजत है), रजिस्ट्रकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन जुलाई, 1979 को

पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफन से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफन का पन्तर्र प्रतिया श्रीधक है और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरिय के लिए तम प्राय गमा प्रतिफत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत महीं किया गया है।——

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त भिन्न नियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य म्नास्तियों को, जिन्हें भारतीन भागकर प्रधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

स्तः, प्रवं, उक्तं अधिनियम को घारा 269-ग के धनु-सरण म, मैं, उक्तं अधिनियम की घारा 269-च की उदधारा (1) के अधीन, निम्निखिखित व्यक्तियों, प्रयात्ः—

- (1) श्रीमती वै० ग्रनासुया पती वै० वी० सुबाराऊ 26 जीरा सीकन्द्राबाद। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मीसर्स राजा भगारटमेन्ट पार्टनर के० राजा मौली हैदराबाद। (भन्तरिती)

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां कदला हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वीकत व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हरवडी हरगः -- -इसमें प्रमुक्त सन्दों प्रीर पर्वो का, जो उक्त अधि-नियम के श्रश्राय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रथ हीगा, जो उस प्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नै० यें० 7 का 1/5 वा भाग है वीस्त्न 134.4 वर्ग मीटर है गगनमहल दोमलगुडा दोमलगुडा हैहराबाद में रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 4072/79 छप रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० के० वीर, सक्षम श्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-3-1980

भोहर:

प्ररूप भाई • टी • एत • एम • ------

भामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 15 मार्च 1980 ी

सं० ध्रार० ये० सी० नं० 589/79-80---यतः मुझो, के० के० बीर, आयकर बांब्रानियम, 1961 (1961 का 42) (जिसे इसमें

आयकर बांधिजियम, 1961 (1961 का 42) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रीविजयम' कहा गया है), की धारा 269-था के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यादर सम्यत्ति जिनका उच्ति बाजार मून्य 25,000/- का से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 74 है जो नागर छुम पेट में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजोस्ट्र कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, कड़पा में भारतीय रजिस्ट्रकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए प्रस्तरित की गई है मोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार यूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है घोर सन्तरक (सन्तरकों) ग्रोर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उच्त सन्तरण निधित में शहत- बिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत जक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (य) ऐसो किसी श्राय या किसी धन या अग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रीवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रीविवयम, या धन-कर श्रीवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ शन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, श्रिपाने में सुविश्व के मिए;

अतः अब, उन्त पश्चितियम की धारा 269-ग के अनु-सरणमें, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :---

- (1) श्री जी० वी० सुब्बारेड्डी, (2) नागेन्द्रर रेड्डी, (3) रमनारेड्डी, (4) सतेश कुमार रेड्डी तमाम के पिता जी० मुनपा रेड्डी वड़पा। (श्रन्तरक)
- (2) श्री बै० एस० जारजी रेड्डी, कडपा (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी मास्रेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हो 45 दिन की भवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्हीकरण: --इसमें प्रपुक्त शब्दों और परों का, वो जनत प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाधित हैं, वही अबं होगाओ उस प्रध्याय में विया गा है।

प्रमुख्यी

जमीन का सर्वे नं० 74 वीस्तंन 34 सेनट है नागराणु-पेटा कडपा रिजस्ट्री वस्तावेज नं० 3348/79 ऊप रजीस्ट्री कार्यालय कडपा में।

> के० के० वीर, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

ता**रीख:** 15-3-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

सर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 15 मार्च 1980

सं० ग्रार० ए० सी० नं० 590/79-80-⊷यतः मुझे, के० के० वीर

धायकर भिधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-द॰ से भिधक हैं

भ्रौर जिसकी सं घरनं 1-23 है, जो गांव रामनतापुर में स्थित है (भ्रौर इससे उपावद्ध भ्रनुसूची में भीर पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद हिस्ट में भारतीय रजिस्ट्रकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः भव, उन्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम, की धारा 269-म की उपचारा (1) भ्राप्तीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रायातः--- (1) श्रीमती जहीवा बी० परिन एम० ए० गफार, 1-23, रामनतापुर गांव, हैवराबाध (झन्तरक) (2) श्री मुहमद झबदुलवहीद, 1-23, रामनतापुर गांव, हैवराबाद—ईस्ट । (झन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हरवटी करगः --- इति भे प्रपुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम, के प्रज्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रक्याय में दिया गया है।

बनुसूची

चर नं 1-23, बीस्तंन 252.47 वर्ग यार्ड रामनतापुर गांव, है:राबाद ईस्ट रजिस्ट्री दस्तावेज नं 6667/79 ऊप रजिट्री कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में।

> के० के० वीर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीख: 15-3-1980

प्ररूप भाई० टी०एन० एस०---

म्रायकर म्रिवियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के म्रियोन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 15 मार्च 1980

सं० भार० ए० सी० नं० 591/79-80- यतः, मुझे, के० के० वीर मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने जिसका उचित का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, 25,000/-रुपये गाजार मृल्य भीर जिसकी सं० सर्वे नं० 9/1/बी० है, जो सरमगर गाऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णेरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद 1908 (1908 रजिस्ट्रकरण ग्रधिनियम, 16) के प्रधीन जुलाई, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बुध्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत ग्राधिक है मौर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच

ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित

नहीं कियागया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय वा किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अखिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गुम था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुम्लिश के लिए;

ग्रतः ग्रब, उनत ग्रधिनियम की धारा 269-ग के भनु-सरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीःत⊸-

- (1) श्री भ्रमव नुरुल्ला, 16-10-28, मलकपेट, हैदराबाद। (भ्रन्तरक)
- (2) 1. श्री वीशीद रेड्डी, 2. एम० स्नीवररेड्डी, मदगुला गाऊ, कलवाकुरती तालुक । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की प्रविध, ओ भी प्रविध बाद में समाम्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजनक में प्रकाशन की तारीख से 46 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्रंध्डो हरण: ---इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पतों का, जो उक्त श्रवि-नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उन श्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जीरायती जमीन सर्वे नं० 9/1/बी० वीस्तर्न 2 एकड़ है सरूनगर में हैदराबाद ईस्ट रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 7453/ 79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में।

> के० के० वीर, संक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-3-1980

प्रस्प बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰-------

आंधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 268-व (1) के बंधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 मार्च 1980

सैं० श्रार० ए० सी० नैं० 592/79-80—यतः, मुझे के० के० बीर धायकर संस्थितियम 1981 (1981 का 43)/शिये समर्गे समके

भायकर मंत्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- व्यये से मधिक है भौर जिसकी सं० सर्वे ने० 56, ता 68 है, जो किशानगुडा में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्य अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद ईस्ट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1979

को पूर्वीक्त सम्बत्ति के छांचा बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए पन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कार ग है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रतिक है और अभन्तरक (प्रन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐने पन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण लिखित में वाहादित क्यों किया नदीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की वाबत, उक्त ग्रीवित्यम के ग्रीत कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविद्या के लिए; भौर/या
- (ब) ऐसी किमी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय भायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधनियम, या धन-कर धिर्धनियम, 1957 (1957 का 27) के ध्योजमोध धन्तिरती दारा प्रकट नेहीं किया गयी था याँ किया सोमा चंहिए थीं, िधनिने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उन्त अधिनियम की ब्रारा 269-ग के अमुसरण में, में, एनत अधिनियम की ब्रारा 269-म की उपब्रारा (1) के अधीत, निम्निशिवात स्यक्तियों अर्थात् ।——

- (1) श्री टी॰ ननद गोपाल, पिता स्वर्गीय टी॰ नरसीमलु 1-1-102/116, धीकडपली, हैदराबाद (श्रन्तरक)
- (2) श्री के० लशमना राऊ, 1-8-509, धीकडपली, हैदराबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संग्रंति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करका हूं।

उन्तें सम्पत्ति के प्रजैते के संबंध में कीई भी प्रार्शिप :---

- (क) इस सूचना के राजंपल में प्रकाशन की तारी श्र से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामींल से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्वास्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (बंद) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशिन की तारी के से बैंड दिन के भीतर उक्त स्थावर सेम्प्रीत में हितेंचेड किसी सम्पंक्षित द्वारा व्यविहस्तावारी के पास लिखिते में किए जा सकेंगे।

हर्यक्रीचिरका:--इसमें प्रेबुंबत सम्बों मौर पदों का, जो उनत मिल-क्लियम के झंड्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वहीं क्लें होगां, जी उस सक्ष्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

जीरायती जमीन जिसका सर्वे नं० 56 ता० 68, है विस्तोंने 13.8 एक्स है किशनगुड़ा गाऊ हैदराबाद वेस्ट में रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 1496/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद वेस्ट में हुआ।

के० के० वीर, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाव

तरिख: 15-3-1980

मौहरः

प्रस्त भाई • टी • एम • एस •----

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की झारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षक)

धर्जन रेंज, हैवराबाद हैदराबाद, दिनांक 15 मार्च 1980

सं० मार० ये० सी० नं० 593/79-80--यतः मुझे. के० के० वीर, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इपके परवात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा यदा है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- र० से अधिक है घौर जिसकी सं० सर्वे नं० 57, 59 है, जो कीशनगुड़ा गाऊ स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद वेस्ट में रजिस्ट्रकरण म्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन जुलाई, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उर्वित बाजार मृख्य से कम के बृश्यमान प्रतिकास के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृहय, इसके दृश्यमान प्रतिक्षन से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकास का पन्छ ह प्रतिशत से ध्रधिक है, धौर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्थारण के बिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निभिक्ति उद्देश्य से उस्त अन्तर्भ लिखित में बास्तविक कप से कवित नहीं किया नवा 🖁 1---

- (क) धन्तरन से हुई किसी मान की नानत, उक्त शक्ति। नियम, के सभीन कर देने के मन्तरक के शक्तिक में कमी करने या उससे बचने में मुनिका के किए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय वा किसी धन या धन्य धारितवों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर धिनियम, या धन-कर धिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या धा या किया जाना चाहिए वा, जिपाने में सुविधा के सिए।

अतः श्रव त्यस्त श्रविनियम की झारा 269-न के जनुतरण में, में उनत विकित्सम की जारा 269-म की उपवारा (1) के अधीन, निम्नविधित व्यक्तियों, वर्षात्।——

- (1) श्री टी॰ नन्दगोपाल घर नं॰ 1-1-102/116, जीकडपल्ली, हैदराबाद मे । (मन्तरक)
- (2) श्री के० वेनकटराऊ, 1-8-509, जीकडपल्ली, हैदराबाद। (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त धन्यति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राबीय :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की सर्वाध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर् सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वाध, जो भी धर्माध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीका से-45 दिन के भीतर जनत स्थावर सम्पक्षि में हितबक्क किसी भन्य स्थक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्यीकरण :---इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर वर्गे का, जो उनत अधिनियम, के धन्माय 20-क में परिभाषित है, वही भर्ष होगा जो उस भन्माय में विमाध्या है।

प्रमुत्त्वी

जीरायती जमीन सर्वे नं० 57, 59, 69 है वीस्टर्न 11.33 एकर्स है कीशनगुडा हैदराबाद में है रजिस्ट्री दस्सावेज नं 1496/79 है छप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद वेस्ट में।

> के० के० वीर, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर, म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**व** : 15-3-1980

प्रस्पन्धाई • टी • एन • एस •---

आयक्तर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की बारा 269-घ (1) के प्रधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यीलय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 मार्च 1980

सं० ग्रार० ए० सी० नं०5 94/79-80---यतः मुझी के० के० वीर

आयकर प्रिधितिन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रिवितियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारग है कि स्थावर सम्पति, जिसका छनित बाजार मूख्य 25,000/- व॰ से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 65 ता 68,20 है जो कीशन-गुड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जुलाई, 1979

को पूर्वास्त प्रकाति के उचित राजार पूर्व में कम के वृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, एसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रसिग्यत से अधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) छौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तिक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है: ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रतिनियम के समीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में मुक्किश के लिए: पीर/ग
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी बन या घग्य घारित हो को जिन्हों भारतीय घायकर घिषितयम, 1922 (1922 का 11) या उपत घिषितयम, वा घन-कर घिषितयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिधी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया चाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

- (1) श्री टी॰ नन्यगोपाल घर नं॰ 1-1-102/116, चीकापाल्ली, हैवराबाद। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री के० भासकर राष, 1-8-509, चीकापास्ली, हैदराबाष। (अभ्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्जनाहियाँ सूक्त अक्टल हुं।

खनत सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी **धनकी**य :---

- (क) क्स सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीज से अ क दिन की धर्माध या तस्संबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की प्रवांध, जो भी कलिय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों । से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की ताउरिका के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मान्त में कितमक किसी ग्रम्य क्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के प्रात जिल्दित में किए जा सकेंगे!

स्पक्कीकरण :---इतर्ने प्रयुक्त शब्दों शेर पदों का, को उत्तर अकिनियम के अध्यय 20-क में परिमाणित है, वहीं मर्च होमा, को इस आवसस्य में दिया गया है।

-अ**नुसूच**ी

जीरायती जमीन सर्वे नं० 65 से 68, वीर्स्तन 20 एकर्स, कीशनगुडा, हैदराबाद, वेस्ट में है-रिजस्ट्री वस्तावेज नं० 1496/79 उप रिजस्ट्रार कार्यालय हैदराबाद-वेस्ट है।

> के० के० वीर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीय: 15-3-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर श्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 मार्च 1980

सं० भार० ए० सी० नं० 595/79-80—⊢यतः मुझे, के० के० बीर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० 6-3-1218/6/2/ए है, जो बेगमपेट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, कैरलाबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई, 1979

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या मन्य म्रास्तियों को जिन्हें भारतीय माय-कर मधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ध्रव, उक्त ध्रिविनयम की धारा 269-ग के ध्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के ध्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रेष्यांतः——

- (1) श्रीमती केबा फारजाना पार्टनर है मेसर्स ए० पी० कन्स्ट्रेकशन कम्पनी नं० 10-3-304/12 हुमायुन नगर, हैदराबाद । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एम० ए० गफार, 16-9-581/1, पुराना कट्टलमनडी, हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पदशिकरण: -- इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उप श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अमुसची

घर नं० 6-3-1218/6/2/ए० बेगमपेट हैदराबाद रिजस्स्ट्री वस्तावेज ने० <math>1982/79 छप रिजस्ट्री कार्याक्षय कैरताबाद में हुआ है।

के० के० वीर, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-3-1980

मोहरः

प्रकप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰———— मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक प्रायक्तर प्रायुक्त (निरीक्शक)

धर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 15 मार्च 1980

सं० म्रार० ए० सी० नं० 596/79-80—स्यतः मुझे के० के० वीर

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के प्रधीन सक्तम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बागार मूल्य 25,000/-वपर से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जमीन नं० 311/1 है, जो करमनगाट गाऊ स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद ईस्ट में भारतीय रजिस्ट्रकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्षम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पश्चह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रस्तरक्ता (प्रस्तरकों) भीर प्रस्तरिती (अस्तरित्यों) के बीच ऐते प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निल्वित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तिति कर के किया नहीं किया गया है:→→

- (क) घन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उकत प्रश्नियम के घंधीन कर देने के घग्तरस के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसा किसी प्राय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त पधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा के लिए।

प्रत: सब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-म के मनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निस्तनिखित गास्तियों, अर्थीत् :---

- (1) 1. श्री भ्रबदुल रहमान, "सैयद मनजील", लीनगोजी-गुडा, हैद्रराबाद ईस्ट तालुक। 2. श्रीमती के० हमसावेनी पत्नी के० वेनुगोपालरेड्डी, सीं०/45-डी० पी० एल० कालोनी, हैदराबाद (श्रन्तरक)
- (2) मीसर्स रेवती तम्बाकु कम्पनी, मेनेजीगं बाइरेकटर एम० कीशन राऊ, 10-2-262 ता 263, सीकीन्द्राबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता है।

उना समाति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

- (त) इन सूचना के राजरत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
 भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूत्रना के राजरत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोत्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

हरज्ही हरग: -- इन ने प्रयुक्त गम्दों भीर पत्रों का, जी उक्त श्रीविषम के श्रव्याय 20- ह में परिभाषित हैं, वही श्रवं होगा, जो उस्र श्रद्धाय में दिया गा है।

अमुसूची

जीरायती जमीन नीर्स्तन 5.13 एकर्स सर्वे नं० 311/1 की विभाग है करमनगाट गाऊ हैदराबाद में रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 6935/79 है उप रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में।

> के० के० वीर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-3-1980

प्ररूप. बाईं० टी० एत⊅ एम०----

भाय तर अधितियम, 1961 (1961) का 43) की बारा 269 व (1) की सधीत पूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक्ष मायकरः मायुक्त (तिश्रीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराकाद

हैदराबाद, दिनांक 15 मार्च 1980

सैं० ग्रार० ए० सी० नं० 597/79-80—थतः मुझे के० के० वीर

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'चक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिमका उच्चित बाजार मूख 25,000/-द के से अधिक है

भीर जिसकी सं० 6-4-454, प्लाट नं० 143/ए० है, जो बोलक-पुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता ध्रिक्षकारी के कार्यालय, सिकन्द्राबाव में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिक्षिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई, 1979

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वसक्त करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत सम्प्रिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित सहेश्य से उक्त प्रशादण जिखित में वास्तविक्त रूप से स्विता नहीं किया मसा हैं।

- (क) अन्तरण संदुई किसा आय को बाबत उपत अधि-नियम के प्रश्लीन कर देने के भ्रग्लरक के वायित्व में कमी करन या उससे अचन म सुविजा के सिए; अंदया
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या घरत आहितयों की, जिस्कें भायकर भिवित्यम, 1922 (1922 का 11:) या उक्क भिवित्यम, या क्रमकर प्रधिनित्रम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए चा, क्रियाचे में सुविधा के लिए;

कतः अत्र, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की छप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री वडामोईन रामास्वामी, घर नं० 6-4-454, नया बोलकपुर सिकन्द्राबाव। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री सुरेश कुमार ग्रग्नवाल, (2) रवीन्दर कुमार श्रग्नवाल (मैनरर्स) माता छनके नीगरानी है श्रीमित कलावती सत्यामामा श्रग्नवाल, 6-4-465 नया भोलकपुर, सिकन्द्राबाद में। (श्रन्तरिती)

को. यह सूचना जारी खरके पूर्वोक्त. सम्पति के अर्जेन के निए कार्यवाहियाँ करता हं।

उनत सम्पत्ति के प्रर्गत के तंत्रंथ में होई भी पासेंग :--

- (क) इस सूचना के राजपता में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामीक्ष से 30 दिन की श्रवधि, जो भी भवधि बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इन सूचना के राजतज्ञ में प्रकाशत की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 हितवज्ञ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी
 के पास लिखा में किए जा सकेंगे।

स्रवक्षेत्रहम : -- - इसर् प्रयुक्त कादों मोर पदों का, जो उक्त मधिनियम के मध्याम 20०क में परिभाषित है, वही भये होगा; जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर का नं० 6-4-454 प्लाट नं० 143/ए० वीर्स्तन 293.94 वर्ग यार्ड भोलकपुर सिकन्द्राबाद में है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1787/79 उप रजिस्ट्रार कार्यालय सिकन्द्रा- बाद में ।

कें० के० वीर, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारींख: 15-3-1980

मोहरः

प्रकार माई• टी• एन• एस•------

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961) का 43) की बारा 269-मं (1) के ग्रंथीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 मार्च 1980

सं० भ्रार० ये० सी० नं० 598/79-80—यतः मुझे, के० के० थीर,

मायलर प्रधिनियम, 1981 (1981 का. 43). (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' महा गमा है), की धारा 269- को अधीन समन प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिल्लका जिल्ला बाजार मूल्य 25,000/- इपए से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 1/2 शेयर है, जो राईस मिल बीरारेड्डी पली स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सीरवेल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1979

के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तः कित की गई है और मुझे यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थापूर्णोक्त सम्पत्ति का सिन्त सवार मूक्त, उसके शृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से मिषक है और प्रत्तरिती (सल्तिरितियों) के बीच ऐसे पन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निन्नलिखित परेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—-

- (क) प्रश्तेरण से हुई कियी प्राय की बाबत, उक्त व्यक्ति-नियम, के मधीन कर देने के धरतरक के वायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविवा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी अनम्म या किली धन वा घन्य आदिलयों को, जिन्हें भारतीय भावकर प्रधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती हाराप्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना, चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिष्;

अतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, एक्त मिश्रनियम की बारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, **प्रथीत्:--**

- श्री पोलूर रोजन्मा (2) के० निगसेडी (3) बजुवेनकट रामथ्या (4) डाक्टर पुलस्था (5) जीन्ना पुलस्था (6) वेनकटदारा नागीसेटी तमाम का मैसर्स श्री वीरानजनेथा राईसामिल करनूल जिला । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री मूडला धीना नारायण (2) मूडला वेनकटे-शक्टरलू येलापालेमगाऊ गीवालूर तालुक, प्रकाशम जिला। (ग्रन्तरिती)

कों। यहः कुननाः काची करके पूर्वोषतः सम्पत्तिः के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्मिति के अर्जन के लंबंध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस नूचना के राजरत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को सबकि या तत्संबंधी व्यक्तियों रहे मुलका की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख़ से 4:5 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध कियी। प्रम्य व्यक्ति द्वारा, अशोहस्तालारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्त्रक्ष्वीकारणः !--इसमें प्रश्नुक्तः क्ष्यद्यें सीर पदों का, जो जनत स्वीक्षतियमः के सक्ष्यायः 20क में परिमाकिक है, वही सर्वे होगा जो उस सक्ष्याय में विया गया है।

अनुसची

राईसिमल, कारखाना 1/2 विभाग घर और गोडान बीरारेड्डी पल्ली गाऊ, भ्रलागडा तालुक करनूल जिला रजिस्ट्री वस्तावेज नं 1259/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय सीरवेल में।

> के० के० वीर, सक्षम प्राधिकारी, स**हायक ग्रायक्**र **ग्रायुक्त** (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखः: 15-3-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

न्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-त्र (1) के स्रधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 मार्च 1980

सं० प्रार० ए० सी० नं० 599/79-80—यतः, मुझे, के० के० बीर
ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से ग्रिधिक है

भौर जिसकी सं० जमीन नं० 100 है, जो मीयापुर गाऊ में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद वेस्ट में रजिस्ट्रकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तविक रहा से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रश्तरण से हुई किसी द्याय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उसने वनने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त भिधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) मिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात्ः—

- (1) श्री एस० वी० नरसय्या, राज महल बीलास ईस्टेट बेंगलूर-6। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती एस० सुगुना -252/4/2, येरम मन्जिल हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेत :---

- (क) इस पूजना के राजरत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रमधि था तरप्रवन्धी व्यक्तियों पर
 सूजना की तामील से 30 दिन की प्रतिध, जो
 भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :→→
- (ख) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हिनबद्ध किती ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

हपब्दोक्तरगः—-इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पवों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रयं होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अंगूर का खेत जमीन सर्वे नं० 100 मीयापूर गाऊ में बौडी अंगूर का खेत पानी का सेट वर्गरा रजिस्ट्री दस्तावेज नं 1507/79 उप राजिस्ट्री कार्यालय हैवराबाद वेस्ट में है।

> के० के० वीर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-3-1980

प्रारूप ग्राई० टी० एन० एस०---

आयंकर अखिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**घ (**1) **के ग्र**धीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, हैबराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 मार्च 1980

सं० म्रार० ए० सी० नं० 600/79-80—यतः मुझे के० के० वीर

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25000/- रु से अधिक है

भौर जिसकी सं० 10-5-341/1 है, जो मासाब टेन्क में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर पूर्णरूप से विशिष्ठ है), रिजस्ट्रकर्ता भिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रकरण भिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के भाषीन जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरिक (अन्तरितयों) के बीव ऐसे अन्तरण के निर्ता नामा प्रतिकात निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निम्नलिखित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से दुई किसी भाय की बाबत, उनत प्रधि-नियम के प्रजीत हर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उप से प्रचने में पुनिजा के निए, श्रीर/पा
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविशा के लिए;

मतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत :—

- (1) श्रीमती ए० एम० डीसोजा, 5-9-302 गनफाउनडरी हैदराबाद। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सैयद ग्रजमातुल्ला, 10-5-341/1, मासाब टैन्क, हैदराबाद। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के झज़न के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की प्रविध या तत्स बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर समाति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्तिद्धारा श्राभी हस्ताक्षरी के पाप लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसुची

खुली जमीन ने॰ 10-5-341/1, मासाब टेन्क हैदराबाद वीर्स्तन 423 वर्गे यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज नं॰ 3853/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० के० वीर, सक्षम घाधकारी, सहायक धायकर घायुक्त (निरीक्षण), घर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-3-1980

प्रकप साई० टी० एक एस०---

ग्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के ऋधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 15 मार्च 1980

सं० धार० ए० सी० नं० 60.1/.79-8.0—य**सः सुझे,** के० के० वीर,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) ही के इसमें इसके परवात् 'उक्त भिवित्यम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है 'कि स्वायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 133 है, जो श्रसीकनगर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूर्वा में श्रीर पूर्णरूप से विजत है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रमीन जुलाई, 1979

को पूर्विक्त संपत्ति के अभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आयत जक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायत्य में कशी करने या उससे बचने में सुविधा के नियु; और/अ
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ आक्तिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, किपाने में स्विधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त भिधिनियम, की धारा 269-म के अस्तुसदम् ें में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपघारा (1) के लिखित व्यक्तियों, श्रयात :---

- (1) श्री एम० श्रान्नद, 62, पनजागुटा, खैरताबाद (श्रन्तरक)
- (2) श्री हरीशचन्द्रा धवन, 4-1-624, तुरुप बजार, हैदराबोद (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के चर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष्य से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी समस्य बाद में समाप्त होती हो, के भीत्तर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों में
- (भ्या) इस स्कूक्ता के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 46 वित के भीतर उक्त स्थागर संपत्ति में हित-बद किसी कम्य क्यक्ति द्वारा श्रद्धोहस्ताक्षरी के पास क्लिक्ट में किए जा सर्वेनि।

स्वध्वीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनत प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिकाषित है, वहीं धर्म होगा जो उस प्रध्याय में किसा गया है।

अनुसूची

खुली जमीन नं० 133 वीर्स्तन 894 वर्ग यार्ड दस्तावेज दलाराय को-आपरेटिव हाऊर्सिंग सोसाईटी 1/3 प्रसीमनगर हैदराबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 2054/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय खैरताबाद में।

> के० कै० वीर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर घ्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-3-1980

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

भायकर भिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भिष्ठीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातव, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, हैवराबाद

हैक्राबाद, दिनांक 15 मार्चे, 1980

के० के० वीर, म्रायरूर म्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित 25,000/- रुपये बाजार मृल्य म्रधिक ग्रीर जिसकी सं० 5-8-321 है, जो नामपली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदााबाद में भारतीय रिजस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन जुलाई, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है भीर

यन्तरक (अन्तरकों) श्रौर भ्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिकला, निम्नलिखित उद्देश्य से उसर भ्रन्तरण जिखित में वास्तविक रूप से कथित

नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्राध-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्तर ध्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर ध्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धव, उनत अधिनियम भी भारा 269-व के बनुवरव मं, मैं, उनत प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः ----18-26 GI/80

- (1) श्रीमती धन० रादाभाई पत्नी श्री एन० वेंकट रामारेड्डी, बछननापेट गाव, जनगव, वरगल जिला (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती के० बैदेबी रेड्डी, पत्नी श्री के० मुरलीधर रेड्डी, 18-4-242, भ्रालयाबाद, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के श्रजन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ध्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्मिल में हितबद किसी भ्रत्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास ृलिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त मध्यों घौर पवों का, जो उक्त ग्रधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भर नं० 5-8-371 (बीभाग) फतहसुलतान लेम, नामपल्ली हैदराबाद रजिस्ट्री धस्तावेज 3828/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में ।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीच: 15-3-1980

प्रकप नार्वे शी । एन । एस ।-

भायकर अधिकियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 15 मार्च 1980

सं० फ्रार० ए० सी० नं० 603/79-80——यतः मुझे के० के० वीर,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भित्रीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संगत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० 3-6-390 है, जो हैवराबाद में हिमायननगर स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची ्में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन निक्तिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वाबत उक्त मधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और!
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के खिए;

ग्रतः अब, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन के निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्:---

- (1) श्रीमती भलीया क्षेगम, (2) श्री अबदुल कादर सीदीकी, घर नं० 5-6-247/2, नया श्रागापुरा, हैधराबाद (श्रन्तरक)
- (2) श्री मृहमम्य शबीर ग्रसी, 11-1-149, नया ग्रागापुरा, हैदराबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :- -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भ्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी
 भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्ही करण :-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्य होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शुमाली तरफ का विभाग घर नं० 3-6-390 गली नं० 3 हिमायत नगर हैदराबाद में रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 4097/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० के० वीरः सक्षम श्रीधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैवराबाद

सारी**वा**: 15-3-1980

त्रक्य याईं ही एन एक---

बायकर ब्रिजियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ब्रशीन सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 15 मार्च 1980

सं० घार० ए० सी० मं० 604/79-80—यतः मुझे के० के० वीर,

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रधितियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के प्रधीत सबाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

श्रौर [जिसकी सं० 3-6-390 का विभाग है, जो हिमायत नगर हैदराबाद में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के वृक्षमान प्रतिकास के लिए धन्तरित की नई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से ऐसे वृश्यमान प्रतिकाल का पत्त्रह प्रतिकात से अधिक है घौर प्रन्तरक (अम्तरकों) घौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा मना प्रतिकाल, निम्निकिखित उद्देश्य से उम्त अन्तरण किकात में वास्तविक कथ से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) सन्तरन से दृई जिली आय जी नामत उपत अधि-नियम के समीन कर देने के सन्तरक के वाजिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये। और√या
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, बिन्हें भारतीय प्रायकर प्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम वा जन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा, या किया जाना चाहिए वा, जियाने में सुविशा के बिने;

अतः प्रव, उनत अधिनियम की धारा 269ना के प्रमुत्तरण में, में, उनत अधिनियम, की धारा 269न्स की प्रमुद्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवाद :---

- (1) श्रीमती प्रालीयानेगम पती स्वर्गीय हमीदुला सीदीकी श्री प्रबदुल कवीर सीदीकी 5--247/2 नया ग्रागापुरा, हैदराजाव (श्रम्तरक)
- (2) श्री सैयद युसुफ, सपुत्र स्वर्गीय श्री सईद अब्दुलगनी मकान नं० 5-5-715, गोगामहा , हैदराबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राजेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकालन की तारीख ने 45 विन की समित्र या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भवित्र, ओ भी प्रविध वाव में समाण्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहक्ताकारी के पास
 सिखित में किये जा सकोंगे।

स्वब्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के धन्याय 20-क में परिभावित है, वही धर्ष होगा, जो उस धन्याय में विया गया है।

मनत्त्रची

षर मं० 3-8-390 का विभाग गली मं० 3 हिमायत नगर हैदराबाद मे विस्तार्न 335 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 4295/79 ऊप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद मे।

> के० के० वीर, संक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, हैवराबाद

सारीख: 15-3-1980

प्ररूप आई. टी. एन्म एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) भर्जनरेंज,हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 15 मार्च, 1980

सं० झार० ए० सी० मं० 605/79-80—यतः मुझे के० के० बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 4-2-79 है, जो सुलतान बजार में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), राजस्ट्रकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय राजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जुलाई, 1979

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का नम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में तुविधा- के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुस्रण में, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्सित व्यक्तियों मुर्थातः....

- (1) श्री भनील भगरवाल पिता गनेशलाल श्रगरवाल, 4-2-78 सुलतान बजार, हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- (2) श्री नारायन दास टी॰ हसजानी, पिता जेताननद, 15-4-239, उसमान गही चमन हैदराबाद (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकागे।

स्पर्कित्णः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 70-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अंग सूची

घर नं० 4-2-78, का तुपे विभाग है जुनीलाल बाग, सुलतान बजार हैदराबाद मे रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3918/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० के० वीर, सक्षम ग्रीक्षकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-3-1960

मोहर !

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०

भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 15 मार्च 1980

सं० घार० ए० सी० नं० 606/79-80—यतः, मुझे के० के० थीर पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त ग्रांबिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रशीत प्रज्ञत शांबिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से धिषक है

श्रीर जिसकी सं० 4-2-77 है, जो सुलतान बाजार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त संगत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भिध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसो आय या किसी धन या अन्य म्नास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के सक्षीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री मनिल प्रमयाल, 4-2-78, सुलतान बाजार, हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- (1(श्री गोबिन्व राऊ, (2) सुन्दर (3) मसाराम
 (4) राघू 4-5-420, के निवासी सुलतान बाजार
 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उका सम्बक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत सूचता के राजरत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इत सूजना के राजन्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्र किसी अन्त्र व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पड्डी हरण: - - इनमें प्रयुक्त सम्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधितियम के भड़्याय 20-क में परिभाषित है, बही भर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 4-2-77 धुनीलाल बाग का भी भाग, सुलतान बाजार हैदराबाद राजिस्ट्री वस्तावेज नं० 3917/79 छप राजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० के० थीर सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) झर्जन ऐंज, हैदराबाद

तारीख: 15-3-1980

भोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याचा, महायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 मार्च 1980

सं० फ्रार० ये० सी० नं० 607/79-80—-यतः मुझे, के० के० थीर,

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सरवे नं० 666/1 है, जो कपेरा गाऊ मेडचेल स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण-रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मेडचेल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई, 1979

को 16) के अक्षान जुलाई, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के
बृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है
प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से घित है
प्रौर प्रस्तरक (प्रन्तरकों) घौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों)
के बीच ऐसे प्रश्वरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविज्ञ कप से
कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अस्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उबत प्रक्षि-नियम के स्थीन कर देने के प्रग्तरक के दायिख में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए; सौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या धन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धनकर मिलियम, 1957 (1957 का 27) के भयोजनार्व भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

भतः भव, उनतं प्रविनियमं की घारा 209-ग के अनुसरण में, मैं, उनतं प्रधिनियमं की घारा 269-व की उपभारा (1) के भशीन निम्निकति व्यक्तियों, अर्थात्ः ---

- (1) श्रीमती जी० बालाम्मा-पत्नी तुकाजी (2) जी० रामचेनदर, कापरा गाळ मे, मेडचेल (ग्रन्तरक)
- (2) श्री टी० शीव कुमार गौड, (2) डेस वायसी श्रीशणा (मैनर) 65, येस० पी० रस्ता सीकन्या- बाद मे । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तन्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भन्धि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य टाक्ति ग्रारा अधोहस्ताक्षरी के पास निख्वित में किए जा सकेंगे।

स्पढडीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों स्रोर पदों का, जो उक्त स्रिधितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही सर्व होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

जमीन हैं का सरवे नं० 666/1 वीस्तैन 18/15 एकर्स है कपरे गाऊ मे मेडचेल तालूक रनगारेडी जीला मे रजीस्ट्री-दस्तावेज नं० 1446/79 ऊप रजीस्ट्री कार्यालय मेडचेलमे।

> के० के० वीर, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-3-1980

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०--

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सुचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 मार्च, 1980

सं० ग्रार० ये० सी० नं० 608/79-80—-यतः मुझे के० के० थीर,

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० 8-2-120/86/3/ए है, जो बनजारा हीलस में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबक्ष श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया विकत, निमानिश्वित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उपसे बनने में सुविधा के लिए; श्रौर/ग
- (भ) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या प्रत्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, श्रर्थात् :--

- (1) श्री सैयद रहमत मली, 12अ2अ44, मुरावनगर, हैवराबाद (मन्तरक)
- (2) श्रीमती बातुल हसीना--पत्ती प्रतुर हुसेन 3-5-902, हीयायतनगर, हैश्राबाद (श्रातरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

हपष्कीकरण: --इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनयम, के श्रहपाय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्य होगा, नो उस श्रहपाय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 8-2-120/86/5/ए० रास्ता नं० 2 बनजारा हीलस हैवराबाद में है रजीस्ट्री वस्तावेज नं० 2094/79 ऊप रजिस्ट्री कार्यालय करताबाद में ।

> के० के० की० की० सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-3-1980

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 15 मार्च 1980

सं० ग्रार० ये० सी० नं० 609/79-80---यतः मुझे, के० के० थीर,

म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उना म्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रश्नीन पक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संत्रति जिनका उचित्र वाजार मूल्य 25,000/- य० से म्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० जमीन नं० 177/36 है, जो श्रजीज नगर गाऊ स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्णस्थ से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय, हैदराबाद वेस्ट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूरुप से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संम्पत्ति का उचित बाजार मूरुप, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पखह प्रतिशत से प्रधिक हैं भीर अन्तरिक (अन्तरिकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीज ऐसे अन्तरिंग के लिए तय गाया गया प्रतिकत तिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरिंग लिखित में बास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रग्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त भ्रष्टि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या घन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत, ग्रन, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-थ के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्: →-

- (1) श्री पी० श्रीणण रागु, घर नं० 16/3 श्रारही पंनजामुट्टा कालोनी हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमली दुरेशवर राज-पत्नी डाकटर युसुप हुसेन, 11-5-338, रेड हीलस, हैदराबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 वित की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्विदीकरण :→-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सिध-नियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभुसुची

जीरायती जमीन सरवे नं० 177/34 श्रीर 177/36 ये० श्रीर बी० मे हैं श्रजीज नगर गाऊ मे हैदराबाद वेस्ट रजीस्ट्री दस्तावेज नं० 1552/79 अप रजीस्ट्री कार्यालय हैदराबाद वेस्ट में।

के० के० धीर सक्षम ग्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीच : 15-3-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 मार्च, 1980

सं० भ्रार० ये० सी० नं० 610/79-80--यतः मुझे, के० के० थीर, श्रायकर भ्रधिनियमः 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके

पश्चात् 'उक्त ध्रिधिनियम' कहा गयाः), की धारा 269-ख के ध्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ध्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1-18-87 ता० 95 है, जो गन बजार सीकीन्द्राबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), र्राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सीकीन्द्राबाद में र्राजस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गरा है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधि-नियम के ग्रघीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में युविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ब) ऐसी किमी आय या जिसी घन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भग्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव, उक्त यित्रिनियम की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-च की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्रीमती कैलाश मावम्मा पती स्वर्गीय कैलाश राजय्या 5-1-206, पुराना गसमन्डी सीकीन्थाबाद (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमली लतीफ बी० पती मोहम्मद स्समाईल 2208, पुराना बोडी गुडा सिकन्धाबाद (ग्रन्तरिती)

को यह पुत्रना जारी करके पुत्रोंक्त सम्यति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के प्रजैन के सम्बन्ध म कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इन सूचना के राजाब में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्पम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबता के राजरत्र मं प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अथ्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और परों का, जो उक्त अधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में विसा गया है।

*प्र*नुमूची '

धर नं० 1-18-87 ता० 1-18-95 गन बजार सिकन्द्राबाद विस्तीर्ण 333 वर्ग यार्थ रजीस्ट्री दस्तावेज नं० 1865/ ऊप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्द्राबाद में।

के० के० थीर, भक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 18-3-1980

मोहर:

19-26GI/80

भारत सरकार

कार्याता, सन्त्यक आग्राहर आपुनत (तिरोक्षण) अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 26 मार्च, 1980

निटेश सं० एल० डी॰ एच०/226/79-80--श्रतः मुझें सुखदेव चन्द

भायकर मिश्रितियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त मिश्रितियम' कहा परा है), की धारा 289-ख के अधीन पत्रव पश्चिकारी की, यह विश्वाप करने का कारण है कि स्वावर समाति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- चप्प से अधिक है

भौर जिसकी सं० बी॰ II-/381 है तथा जो नजदीक शिव ध्याल नैरिटेबल ट्रस्ट, चौड़ा बाजार, लुधियाना में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जुलाई, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूण्य से अम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरिन की गई है सौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित शाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल का यखह प्रशिश्त से अधिक है भीर धम्तरक (प्रत्तरकों) भीर भग्तरिति (भग्तरितियों) के बीच ऐसे भग्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, जिन्निचित उदेश से उक्त अन्तरण लिक्ति में वास्तिक रूप से क्रियत नहीं किया गया है —

- (क) जनारण में दुई किसी आप की अधा उत्तर प्रशिविषम के धर्धीन कर देरे के पन्तरक्त के शिविस्त्र में कमो हरते या उससे प्रकृते में मृक्तिश के लिए; परैर/म
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधितियम, या धनकर भ्रिशितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य भ्रन्तिती द्वारा भ्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उन्न अधिनियम की नारा 269ग के अनुसरण मैं, में उना अधिनियम की धारा 259घ की उनधारा दू1) अधीन, निम्न निष्यित व्यक्तियों, अथीन : श्रीमती श्रमरो देवी पुत्री श्री गोकल चन्द, मार्फत साधू राम पुत्र श्री दौलत राम सुरिन्द्र नगर, लुधियाना ।

(भ्रन्तरक)

 सर्वश्री अर्जन दास व जोगिन्द्र पाल, हलवाई, णिवदयाल चैरिटेबल ट्रस्ट मार्किट, चौड़ा बाजार, लुधियाना ।

(भ्रन्तिरती)

3. सर्वश्री प्रेम प्रकाश व पवन कुमार, पुत्रान श्री राम कृष्ण बी०-IX/691, रड़ी मोहल्ला, लुधियाना (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सथ्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरु करता हूं।

छनत पत्रति के अर्थत के सन्त्रत्र में कोई भी आक्षीर:----

- (ह) इत सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीक्ष से
 45 पिन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील छे 30 दिन की श्रविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 श्रयितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे!

स्पष्टीकरण:---इसम प्रयुक्त गाव्यों और पदों का, जो उनत ग्राचिनियम, के श्रष्टगांप 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रार्थ होगा जो जस ग्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० बी॰-II/381 नजदीक शिव दयाल चैरिटेबल द्रस्ट, चौड़ा बाजार लुधियाना जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्सा प्रिधिकारी के विलेख नं० 1901, जुलाई, 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 26-3-1980 ।]

मोहर:

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 1st April 1980

No. F.6/80-SCA(I).—Shri A. B. Lal Kanojia, Officiating Court Master (permanent Assistant), Supreme Court of India has retired from the service of this Registry with effect from the afternoon of March 31, 1980.

No. F.6/80-SCA(1).—The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed Mrs. Prem Madan, Assistant as Officiating Section Officer, Supreme Court of India, with effect from the forenoon of April 1, 1980, until further orders.

B. M. CHANDWANI Assistant Registrar (Admn.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 29th February 1980 No. P/70-Admn.1.—The President is pleased to permit Shri N. B. Mathur a permanent Section Officer and officialpermit ing as Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission, to retire from Government Service. after attaining the age of superannuation with effect from 29th February 1980 (AN).

The 13th March 1980

No. A.32014/1/80-Admo.I(ii).—The President is pleased to appoint the following Personal Assistants (Grade C of CSSS) of the Codre of Union Public Service Commission and at present officiating in the Selection Grade for Grade C Stenographer to officiate as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) in the same cadre in a purely provision. al, temporary and ad-hoc capacity with effect from the dates mentioned below

- S. No., Name and Period:
 - 1. Shri Jatinder Lal-20-2-80 to 29-4-80.
 - 2. Shri T, R. Sharma-25-2-80 to 24-4-80.
- 2. The above mentioned persons should note that their appointment as Schior Personal Assistant (Grade B of the CSSS) is purely temporary and on ad hoc basis and will not confer any title for absorption in Grade B of the CSSS or for seniority in that grade.

S. BALACHANDRAN Under Secy. (Admn.) Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 31st March 1980

No. 10 RCT 2.-In partial modification of this mission's Notification No. 10 RCT 2 dated 19-2-1980, the Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri H. S. Rathour, as Section Officer w.e.f. 27-3-1980 until further orders.

> K. L. MALHOTRA Under Secy. tor Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS (DEPTT. OF PERSONNEL & A.R.)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 26th March 1980

No. A-19029/1/78-Ad-V.—The President is pleased to appoint Shri K. N. Dhar, Income Tax Officer, Group 'B' Delhi, as Chief Technical Officer (Accounts and Income Tax), Central Bureau of Investigation, Head Office in the pay scale of Rs. 1100—50—1600 on deputation, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 29th February, 1980,

Q. L. GROVER Administrative Officer (E) C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 25th March 1980

No. O.II-892/73-Estt.—In partial modification of this Directorate General Notification No. P.VII-2/78-Estt., dated 3-10-78, Shri Genda Lal Sharma pormoted as IAD (A/cs) of this in the Directorate General, CRPF, New Delhi on basis w.c.f. 15-9-78.

> S. C. VIDYARTHI Dy. Dir. (Estt.)

New Delhi-110001, the March 1980

No. O.II.1445/79-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Jyotsna Trivedi as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis w.e. from 15-3-80 (FN) for a period of three months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is carlier.

> (Sd.) ILLEGIBLE Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR-GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110019, the 27th March 1980

No. E-38013(3)/11/79-PERS.—On transfer from Jharia, Shri N. G. Dutta Gupta, assumed the charge of the post of Asstt. Comdt., CISF Unit, MAMC Durgapur w.e.f. the forenoon of 11th March, 1980.

The 28th March 1980

No. E-16013(2)/2/79-PFRS.—On transfer on deputation Shri N. R. Las, IPS (WB:73) assumed the charge of the post of Commandant, CISF Unit, A.S.P. Durgapur with effect from the forenoon of 10th March, 1980.

S. NATH Inspector-General

MINISTRY OF FINANCE

(DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS) BANK NOTE PRESS

Dewas, the 25th March 1980

No. BNP/C/5/80.—Shri S. Chandrasekharan, Accounts Officer from the Office of the Accountant General-I, West Bengal is appointed on deputation as Acounts Officer (Costing)in the scale of pay Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 in Bank Note Press, Dewas (M.P.) with effect from 14-3-1980 (F.N.) to 3-3-81.

> P. S. SHIVARAM General Manager

INDIAN AUDIT ACCOUNTS DEPARTMENT KARNATAKA OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES

New Delhi-2, the 31st March 1980

No. Admn.I.O.O.672.--Shri Arjan Dass Gupta, an officiating Audit officer (a permanent Section Officer) this office, expired on 25th February, 1980.

(Sd.) ILLEGIBLE Joint Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL KARNATAKA

Bangalore, the 7th February 1980

No. ES.I/A4/79-80/982.—The Accountant General is plemed to promote the following permanent Section Officers to officiate as Accounts officers in a purely temporary capacity until further orders, without prejudice to the claims

- of their seniors, if any, with effect from the date of their taking charge :-
 - Shri D. Satyajeevanram,
 Shri Shankar Sastry.

The promotions are subject to the ultimate reviewed of Writ Petition No. 4367 of 1978 filed in the Supreme Court.

M. A. SOUNDARARAJAN Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

MINISTRY OF LABOUR

DIRECTORATE-GENERAL OF MINES SAFETY

Dhanbad-826001, the 15th November 1979

- No. 9(1)77-Adm.I/19271,-1. On his transfer to Dhanbad Region No. 1, Dhanbad Shri A. Ojha, Joint Director of Mines Safety (V.T.), Dhanbad relinquished charge of his office in the afternoon of 28th June, 1977 and assumed charge of the office of the Joint Director of Mines Safety, Dhanbad Region No. 1, Dhanbad in the forenoon of 29th June, 1977.
- 2. On his transfer as Joint Director of Mines Safety (H.Q.), Dhanbad Shri S. P. Srivastava, Joint Director of Mines Safety, Dhanbad Region No. 1, Dhanbad, relinquished charge of his office in the afternoon of 15th June, 1977 and assumed charge of the office of the Joint Director of Mines Safety (H.Q.), Dhanbad in the forenoon of 4th July, 1977.
- 3. On his transfer to Sitarampur Region No. 3, Shri I.. M. Missra, Joint Director of Mines Safety (S.I.D.-II), Dhanbad relinquished charge of his office in the afternoon of 6th January, 1977 and assumed charge of the office of the Joint Director of Mines Safety, Sitarampur Region No. 3, Sitarampur in the afternoon of 15th January, 1977.
- 4. On his transfer as Joint Director of Mines Safety (S.I.D.-II), Dhanbad, Shri Prem Vasudeva, Joint Director of Mines Safety, Dhanbad relinquished charge of his office in the forenoon of 10th January, 1977 and assumed charge of the office of the Joint Director of Mines Safety (S.I.D.-II), Dhanbad on the same date and time Dhanbad on the same date and time.
- 5. On his transfer to Dhanbad Region No. 3, Dhanbad, Shri S. Kumar, Dy. Director of Mines Safety (H.Q.), Dhanbad relinquished charge of his office in the forenoon of 16th May, 1977 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, Dhanbad Region No. 3, Dhanbad on the same date and time.
- 6. On his transfer to Nagpur Region, Shri S. K. Mukherjee, Dy. Director of Mines Safety, Ajmer relinquished charge of his office in the afternoon of 5th December, 1977 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, Nagpur Region in the forenoon of 19th December, 1977
- 7. On his transfer to Bellary Sub-Region, Shri Y. Singh, Dy. Director of Mines Safety (V.T.), Oorgaum relinquished charge of his office in the afternoon of 2nd May, 1977 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, Bellary Sub-Region, Bellary in the forenoon of 7th May, 1977.
- 8. On his transfer to Examination Section, Dhanbad, Shri S. C. Batra, Dy. Director of Mines Safety, Dhanbad Region No. 2, Dhanbad relinquished charge of his office in the afternoon of 3rd January, 1977 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, Examination, Dhanbad on the same date and time.
- 9. On his transfer to Dhanbad (H. Qrs.), Shri S. N. Padhi, Dy. Director of Mines Safety, Nellore Sub-Region. Nellore relinquished charge of his office in the afternoon of 6th January, 1977 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety (M.D.), Dhanbad in the forenoon of 17th January, 1977.
- 10. On his transfer to Nellore Sub-Region, Shri P. Balasubramanian, Dy. Director of Mines Safety, Bellary Sub-Region, Bellary relinquished charge of his office in the afternoon of 15th January, 1977 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, Nellore Sub-Region, Nellore in the forenoon of 25th January, 1977,

- 11. On his transfer to Sitarampur Region No. 3, Sitarampur, Shri D. M. Panda, Dy. Director of Mines Safety, Sitarampur Region No. 2, Sitarampur relinquished charge of his office in the afternoon of 1st August, 1977 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety. Sitarampur Region No. 3, Sitarampur in the forenoon of 2nd August, 1977.
- 12. On his transier to Ajmer Region, Shri A. Tathuvamurthy, Dy. Director of Mines Safety, Shahdol Region, Shahdol relinquished charge of his office in the afternoon of 1st June, 1977 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, Ajmer Region in the forenoon of 1st June 1977. 9th June, 1977.
- 13. On his transfer to Shadol Region, Shahdol, Shri T. K. Mazumdar, Dy. Director of Mines Safety, Dhanbad Region No. 3, Dhanbad relinquished charge of his office in the afternoon of 2nd June, 1977 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, Shahdol Region, Shahdol in the forenoon of 9th June, 1977.
- 14. On his transfer to Sitarampur Region No. 2, Sitarampur Shri R. C. Choudhury, Dy. Director of Mines Safety, Sitarampur Region No. 3, Sitarampur relinquished charge of his office in the afternoon of 1st August, 1977 and assumed the state of the state charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, Siturampur Region No. 2, Siturampur in the forenoon of 2nd August, 1977.
- 15. On his transfer to Shahdol Region, Shahdol, Shri Om Prakash, Asstt. Director of Mines Safety, Digboi Region, Digboi relinquished charge of his office in the afternoon of 8th June, 1977 and assumed charge of the office of the Asstt. Director of Mines Safety, Shahdol Region, Shahdol in the forenoon of 23rd June, 1977.
- 16. On his transfer to Digboi Region, Digboi, Shri D. K. Srivastava, Asstt. Director of Mines Safety, Kodarma Region relinquished charge of his office in the afternoon of 13th June, 1977 and assumed charge of the office of the Asstt. Director of Mines Safety, Digboi Region, Digboi in the forenoon of 10th August, 1977.
- 17. On his transfer to Ranchi Region, Shri K. K. Sharma, Asst. Director of Mines Safety, Dhanbad relinquished charge of his office in the afternoon of 14th February, 1977 and assumed charge of the office of the Asstt. Director of Mines Safety, Ranchi Region in the forenoon of 21st February,
- 18. On his transfer as Dy. Director of Mines Safety (Elect.) (SAPICOM), Dhanbad, Shri C. D. Bajaj, Dy. Director of Mines Safety (Elect.), Dhanbad relinquished charge of his office in the afternoon of 31st May, 1977 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety (Elect.) (SAPICOM), Dhanbad on the same date and time
- 19. On his transfer to Ranchi Electrical Circle, Ranchi, Shri O. P. Malviya, Dy. Director of Mines Safety (Elect.), Dhanbad relinquished charge of his office in the afternoon of 12th April, 1977 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety (Elect.), Ranchi Electrical Circle, Ranchi in the forenoon of 22nd April, 1977.
- 20. On his transfer to Dhanbad Electrical Circle, Dhanbad, Shri D. K. Roy, Dy. Director of Mines Safety (Electrical), H.Q., Dhanbad relinquished charge of his office in the forenoon of 1st April, 1977 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety (Electrical), Dhanbad Electrical Circle, Dhanbad on the same date and time.
- 21. On his transfer to Dhanbad Electrical Circle, Dhanbad, Shri V. Gouri Shankar Rao, Dy. Director of Mines Safety (Elect.), H.Q., Dhanbad relinquished charge of his office in the forenoon of 6th July, 1977 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety (Flect.), Dhanbad Circles Dhanbad on the same data and first Flect. Circle, Dhanbad on the same date and time.
- 22. On his transfer to Institute of Communicable disease Delhi, Dr. B. N. Mittal, Dy. Director of Mines Safety (I.H.), Hd. Qrs., Dhanbad relinquished charge of his office in the afternoon of 7th March, 1977.
- 23. On her transfer to Headquarters, Dhanbad, Dr. (Mrs.) U. Chatterjee, Asstt. Director of Mines Safety (I.H.) Grade-II, Central Zone, Dhanbad relinquished charge of her office in the forenoon of 20th June, 1977 and assumed charge of

the office of the Asstt. Director of Mines Safety (I.H.) Grade-II, Hd. Ors., Dhanbad in the afternoon of 20th June, 1977.

24. On his transfer to Central Zone, Dhanbad Dr. B. N. Thakur, Asstt. Director of Mines Safety (I.H.) Grade-II Hd. Qrs., Dhanbad relinquished charge of his office in the afternoon of 4th June, 1977 and assumed charge of the office of the Asstt. Director of Mines Safety (I.H.) Grade-II, Central Zone, Dhanbad on the same date and time.

CHANDRA PRAKASH for Director-General of Mines Safety

MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES

(DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 25th March 1980

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 6/1136/76-Admn(G)/1707.—On attaining the age of superannuation, Shri S. S. Borkar, Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay, relinquished charge of the post in that Office on the afternoon of the 29th February, 1980.

The 26th March 1980

No. 6/1202/77-Admn(G)/1830.—On attaining the age of superannuation Shri Chandra Kiran, a Grade IV officer of the CSS, relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in this Office on the afternoon of the 31st January, 1980.

No. 6/1316/79-Admn(G). 1839.—On attaining the age of superannuation, Shri S. A. Mahadik, Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay, relinquished charge of the post in that Office on the alternoon of the 31st October, 1979.

No. 6/808/67-Adma(C)/1846.—On attaining the age of superannuation, Shei K. I. Jagiasi, Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay, relinquished charge of the post in that office on the afternoon of the 29th February, 1980.

P. C. BHATNAGAR
Dy. Chief Controller of Imports and Exports
for Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEELOPMENT) OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 31st Morch 1980

No. 12(74)/61-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri P. Gopinathan, Deputy Director (Glass/Ceramics) in Small Industries Service Institute, Trichur as Director (Gr. II) (Glass/Ceramics), on ad hoc basis in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi with effect from the forenoon of 17th March, 1980 and until further orders.

M. P. GUPTA Deputy Director (Admn.)

DEPARTMENT OF EXPLOSIVE

Nagpur, the 28th March 1980

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E.11(7) dated the 11th July, 1969, under Class 3 Division 1, add "SOLIMAX for carrying out trial manufacture and field trials at the specified locations upto 31-3-81" after the entry "SOLIGEX".

I. N. MURTY Chief Controller of Explosives

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(Administration Section A-1)

New Delhi-1, the 22nd March 1980

No. A-1/1(1155)/80.—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri R. C. Jain, Superintendent in the office of the DS&D, Madras, to officiate on ad-hoc basis as Assistant Director (Grade II) in the office of the Director of Supplies & Disposals, Bombay with effect from the forenoon of 12-3-1980.

The promotion of Shri R. C. Jain as Assistant Director (Grade II) is purely temporary and on ad hoc basis with out prejudice to the rights of officers, otherwise senior to him and will not confer on him any right whatsoever to claim promotion in future on the ground of present officiating arrangements.

The 25th March 1980

No. A-1/(1149).—Shri B. C. Mukherjee, officiating AD(Lit) (Gr. I) in DS&D, Calcutta has retired from Govt. service on the afternoon of 29-2-1980 on attaining the age of superannuation.

K. KISHORE

Deputy Director (Administration) for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(DEPARTMENT OF MINES)

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 27th March 1980

No. A19012(126)/80-Estt. A—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri V. S. Kundurkar, permanent Senior Technical Assistant (Geology), Indian Bureau of Mines, is promoted to officiate as Assistant Mining Geologist in this department in Group 'B' post with effect from the foremon of 18th March, 1980, until further orders.

S. V. ALI, Head of Office

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 25th March 1980

No. C-5611/707.—Shri S. L. Khanna, Surveyor, Sel. Gd. is appointed to officiate as Officer Surveyor (Group 'B' post), Survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forencon of 12th March, 1979 purely on ad hoc provisional basis.

K. L. KHOSLA Major General, Surveyor General of India

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 11th March 1980

No. A-19011. L/80-S.V.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri B. K. Mitter, Sr. Admn. Officer, NSD, AIR to officiate in the post of Inspector of Accounts in the DG: AIR, New Delhi w.e.f. the foreneon of Feb., 25, 1980 in a purely ad hoc capicity vice Shri M. Ramachandran, Inspector of Accounts, DG: AIR, appointed Deputy Director (Admn.) Doordarshan Kendra, Bombay.

2. On attaining the age of superannuation, Shri B. K. Mitter, officiating Inspector of Accounts, reflect from Govt service from the afternoon of Feb. 29, 1980.

S. V. SESHADRI
Deputy Director of Administration
for Director General: AIR

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-26, the 22nd March 1980

No. A-20011/2/73-Est.1. -On winding up of the Working Group for Autonomy for Films Division, Bombay Shri R. Krishnamohan, offg. Research Officer reverted to the post of Script Writer (Grade III of CIS), Films Division, Bombay in the afternoon of the 29-2-1980.

The 24th March 1980

No. 5/24/69-Est.I.—Shri D. T. Rokade, Offg. Layout Artist in the Films Division. Remby has been reverted to his permanent post of Background Artist. Films Division, Bombay with effect from the afternoon of 18-10 1979.

The 25th March 1980

No. 6/8 55-Est.I.—The Chief Froducer, Films Division, hereby appoints Shri D. N. Pande, Offg. Superintendent, Films Division, New Delhi to officiate on ad hoc basis as Asstt. Administrative Officer in the same office w.e.f. the forenoon of 11-2-1980, until further orders.

> N. N. SHARMA, Asstt. Administrative Officer for Chief Producer

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION DIRECTORATE OF MARKETING * INSPECTION

Faridabid-121 001, the 26th March 1980

No. A-19025/12/80-A.III.-On the recommendations of the Union Tubbe Service Commission, Shri Gopal Chandra Sen has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Dte. at Gauhati with effect from 19-2-80 (PN), until further orders.

No. A-17025/14/80-A.4II.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Man Mohan Sarup Cupta has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group II) in this Dfe, at Madras with effect from 10-3-1980 (IPN), until further orders.

No. A-19025/25/79-A.III.—On the recommendations of the Union Public Savace Commission, Shri Ram Sagar Singh and Shri S. A. Shamsi have been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Die, at Nagpur and Faridabad with effect from 28-1-80 and 7-2-80 respectively, until further orders.

A-19025/26/80-A.III.—On the recommendations of U.P.S.C. Shri Lallan Rai has been appointed to officiate as Assit, Marketing Officer (Group I) w.c.f. 28-1-1980, until further orders.

No. A-19025 29/79-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Tripurari Satyanara-yana has been appointed to officiate as Asstt. Marketing Officer (Group I) in this Dtc. at Guntur weef, 12-2-80 (F.N.), until further orders.

The 27th March 1980

No. A.19025/80/78-A-III.—On the recommendations the Departmental Promotion Committee (Group 'B) the following officers who are working as Assistant Marketing Officer (Group I) on short-term basis, have been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) on regular basis with effect from 10-3-80, until further orders :--

- 1. Shri S. K. Mallik.
 2. Shri S. D. Kathalkar
 3. Shri K. N. Gunta,
 4. Shri R. K. Pande,
 5. Shri M. Jagan Mohan Rao,
 6. Shri D. R. K. Singh.
 7. Sort C. Shri Nicional
- Smt. Susan Nair
- 8 Shri S. Noohu Kannu. 9. Shri S. Suryanarayana Murthy.
- 10. Shri G. S. Sastry. 11. Shri C. M. Girdhar.
- 12. Shri N. S. Chelapati Rao.

CORRIGENDUM

No. A-19025/1/80-A.III — The date of appointment of Shrimati R. Lalitha, as Assistant Marketing Officer (Group I) on short-term basis in this forectorate Notification of even number dated 26-2-80, may please be read as 9-1-80 (F.N.) instead of 19-1-80 (F.N.)

B. L. MANIHAR,
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Anushakti, the 29th Murch 1980

No. RAPP/Rectt./3(2)/80/S/863dated 27-3-80-The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project is pleased to appoint the following Non-Gazetted technical staff presently serving in the Rajasthan Atomic Power Project to the grade mentioned against each, in the same Project, in a temporary capacity with effect from the dates shown against each until further orders: -

SI. Name & Designation	on	Post to which appointed	Date on which assumed charge	
1. Shri B. B. Murthy	SAC	Scientific Officer Engineer Grade	1-2-1980	
		SB		
2. Shri P. Y. Lele	SAC	Do.	1-2-1980	
 Shri Rajender Prasad 	DMC	Do.	1-2-1980	
4. Shri B. B. Bhat- nagar	DMC	Do.	1-2-1980	

GOPAL SINGH, Administrativo Officer (E) for Chief Project Engineer

(DEPARTMEN OF ATOMIC ENERGY) REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 15th March 1980

No. A. 32023/1.77/R-3589.—The Project Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shri K. M. Velayudhan, a permanent Assistant Accountant of this Centre as Assistant Accounts Officer in an officiating capacity on an ad hoc basis with effect from the forenoon of March 5, 1980 until further orders.

> A. SETHUMADHAVAN Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 28th March 1980

No. E(1)05168.—The Director General of Meteorology hereby approves the proforma promotion of Shri N. Krishnamurthy, Professional Assistant, who is presently on deputation with the Municipal Corporation of Greater Bombay, to the post of Assistant Meteorologist in Indian Meteorological Service, group B (Central Service, Group B) in this department with effect from 27-7-1979 and until further orders.

> K. MUKHERIEE Meteorologist for Director General of Meteor dogy

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 22nd March 1980

No. A. 31014/2/79-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following officers in the grade of Assistant Communication Officer in a substantive capacity in the Aeronautical Communication Organisation of Civil Aviation Department with effect from 1-10-80:

S. No.	Name				Station of Posting
S/Shri					
1. S. Sank	aranarayan				A.C.S., Bangalore
	hopra				A.C.S., Bombay
3. J. Geor	ge .				A.C.S., Gauhati
4. M.K. k	Curian .				A.C.S., Bhopal
5. P. C. K	. Nair				A.C.S., Madras
6. P.N. M	alik .				A.C.S., New Delhi
7. T.V. N	atrajan				A.C.S., Bombay
8. S. S. D	utta				A.C.S., Calcutta
9. S. L. C	'hodha	-			A.C.S. New Delhi
10. S. N. S	Sen .				A.C.S., Calcutta
	у .				A.C.S., Calcutta
12. C. R.	Narayan				A.C.S., Baroda
13. Saibal	Gupta .				A.C.S., Patna
14. A.K. N	1ukherjee				A.C.S., Calcutta
15. K. S. 6	Gopalan				A.C.S., Bhuj
16, N.K.B	. Menon				A.C.S., Aurangabad
17. B. K.	Biswas .				A.C.S., Silchar
18. B . N .	Karanjia				A.C.S., Calcutta
19. P. N. 1	Das .				A.C.S., Calcutta
20. K. Ra					A.C.S., Bombay
21. G. K.	Rao .				A.C.S., Indore
	baramanian	,	-	-	A.C.S., Bombay
23. S. N.	Dutta .				A.C.S., Calcutta
24. M.P. 1					A.C.S., Bombay
25. R. N.	Mukherjee				A.C.S., Bhubaneswar
26. P. N.	Kuppuswamy	7			A.C.S., New Delhi
27. S. Arc					A.C.S., Calcutta
28. A. S. J					A.C.S., Nagpur
29. Gurm	el Singh				A.C.S., Palam

The 27th March 1980

No. A.32014/3/79EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri H. B. Roy, Aerodrome Assistant to the post of Assistant Aerodrome Officer, on purely ad-hoc basis, for a period of one year with effect from the 17th March, 1980 or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier. Shri Roy is posted of Calcutta Airport, Dum Dum.

N. A. P. SWAMY Assistant Director of Administration

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 25th March 1980

No. 6/80.—Shri S. Ramadas Sharma, lately posted as Superintendent (Internal Audit) Central Excise Collectorate Hyderabad, on transfer to the Central Regional Unit of the Directorate of Inspection and Audit, Customs and Central Excise at Hyderabad vide Directorate's Order F. No. 1041/41/79 dated 20-2-80, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'B' on 5-3-80 (A.N.).

The 28th March 1980

No. 4/80.—Shri P. S. Ahluwalia lately posted as Assistant Collector in Bombay Customs House, on transfer to the West Regional Unit of the Directorate of Inspectjon and Audit (Customs & Central Excise) at Bombay vide Deptt. Of Revenue Order No. 185/79 dated 30-11-79, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Group 'A' on the 6th March, 1980 (F.N.).

No. 5/80 Cliff C. Guets, Superintendent of Central Excise Group 13/10) Central Excise Collectorate Kanpur, on transfer to the 13 adapter to Collectorate of Inspection & Audit (Customs & Central Excise) at New Delhi vile Directorace's Order C. No. 1041/417/9 dated 27-2-80, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Group 18 on 10-3-80 (Forenoon)

K. I. REKHI Director of Inspection

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 31st March 1980

No. 1/275/69-ECIX.—Shri D. R. Patwardhan, Senior Architect of this Department retired from Government service on attaining the age of superannuation with effect from 31st March, 1980 (AN).

No. 1/344/69-ECIX.—Shri Sohan Singh Syan, Architect of this Department retired from Government Service on attaining the age of superconnuction with effect from 31st March, 1980 (AN).

K. A. ANANTHANARAYANAN Dy. Director of Administration

CHITTARANIAN LOCOMOTIVE WORKS

Chittaranjan, the 26th March 1980

No. GMA/GS/8(Admn).—Shri S. D. Mukheijee, Offg. Sr. Personnel Officer, CLW/Chittaranjan who is holding lien in Class-III service on this Administration is confirmed as Secretary to General Manager in Class-II service in the cadre of General Administration of Chittaranjan Locomotive Works with effect from 1-11-79 (FN).

K. RAMAN General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of

M/s, Bh rat Plantations Limited
Ernaku' on the 21st March 1980

No. 1397/Liq./3084.80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (2) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name M/s. Bharat Plantations Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Registrar and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Southern Industrial Mining Company Private Limited

Eranakulam, the 21st Morch 1980

No. 2652/Liq./3086/80.—Notice is hereby given pursuant to sub Section (2) of section 560 of the Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Southern industrial Mining Company Pvt. Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Registrar and the said company will be dissolved.

M. AHMED KUNJU Company Prosecutor and Ex-Officio Asst. Registrar of Companies, Kerala

In the matter of the Companies Set, 1956 and of M/s. Southern Industrial Mining Company Private Limited

(In Liqn.)

Kanour, the 27th March 1980

No. 3135/1132 I.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (4) of Section 560 of the Companies Act, 1956

that at the expiration of three months from the the date hereof the name of the M/s. Dayalbagh Constitution Co. Private Limited (In Liqu.) unless cause is known to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved

> O. P. CHADHA Registrar of Companies, U.P., Kanpur

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s, Wear & Smile Private Limited

Jullundur, the 27th March 1980

No. G/Stat/560/3636/2162.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Wear & Smile Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act. 1956 and of M/s. Surinder Chit Fund & Finance Private Limited

Jullundur, the 27th March 1980

No. G/Stat/560/2854/2164.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1936, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Surinder Chit Fund & Finance Private limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

N N. MAULIK Registrar of Companies Punjab, H.P. & Chandigarh

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Ralpur Industries Private Limited, Raipur

Gwalior, the 1st April 1980

No. 845/Yedav/1218.—Notice is, hereby, given pursuant to sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act. 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Raipur Industries Private Limited, Raipur unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. K. SAXENA Registrar of Companies Madhya Pradesh, Gwalior

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 22nd March 1980

INCOME TAX

F. No. JUR-DLI/V/79-80/47114.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) and (2) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in partial modification of the notifications issued earlier on the subject. Commissioner of Income-tax, Delhi-V, New Delhi hereby directs that the I.T.O Distt, II(2), New Delhi shall have concurrent iurisdiction with I.T.Os. Distt, II(8) and Distt, II(9), New Delhi in respect of the persons/cases assessed/assessable by them excepting the cases assigned u/s, 127 or which hereafter be assigned.

For the purpose of facilitating the performance of the functions C.I.8, Delhi-V also authorise the I.A.C. Range-V-A,

New Delhi to pass such orders as contemptated in sub-section 2 of section 124 of the LT. Act, 1961.

This notification shall take effect from 19-3-1980.

K. R. RAGHAVAN Commissioner of Income-tax Delhi-V, New Delhi

New Delhi, the 26th March 1980

No. Coord./Pub/E/Delhi I/78179/48037.—Following is list showing the names of Individuals and HUFs who have been assessed on a Wealth of more than ten lakhs of rupees during the Financial year 1978-79 (1) indicates status 'I' for individual and 'H' for IIUF (ii) for assessment year (iii) for Wealth returned (iv) for Wealth assessed (v) for tax payable by the assessee (vi) tax paid by the assessee:—

1. PY-3094, Maj. Gen. R. N. Mchra (i) 1 (ii) 1973-74, 74-75 (iii) 20,87,300, 23 31,817 (iv) 20,87,300 23,31,600 (v) 76,984, 96,528 (iv) 1,00,917, 96,927.

M. W. A. KHAN Commissioner of Income-tax Delhi-I, New Delhi.

New Delhi, the 26th March 1980

No. Coord./Pub./Delhi-II/E/78-79/48032.—Following is list showing the names of individuals and HUFs, who have been assessed on a Wealth of more than ten lakhs of rupees during the Financial year, 1978-79. (i) indicates status 'P for individual and 'H' for HUF (ii) for assessment year (iii) for Wealth returned (iv) for Wealth assessed (v) for tax payable by the assessee (vi) tax paid by the assesse:—

1. 22-0-97-P7-4659, Sheela Kaushik, 299, Friends Colony New Delhi (i) I (ii) 1970-71, 71-72, 72-73, 73-74, 74-75 (iii) 9,47,326, 11,43,481, 10,23,407, 11,03,993, 10,20,044, (iv) 10,10,514, 13,45,844, 10,42,093, 11,53,162, 10,17,969 (v) 7,263, 21,375, 16,263, 19,595, 16,440 (vi) 7,263, 21,375, 16,263, 19,595, 16,440.

> K. R. RAGHAVAN Commissioner of Income-tax Delhi-II, New Delhi

New Delhi, the 26th March 1980

No. Coord./Pub./Delhi III/E/78-79/48042.—Following is list showing the names of Individuals and HUFs, who have been assessed on a wealth of more than ten lakhs of rupees during the Financial Year 1978-79. (i) indicates status T for individual and 'H' for HUF (ii) for assessment year (iii) for wealth returned (iv) for wealth assessed (v) for tax payable by the assessee (vi) tax paid by the assesse:—

1. PT-2870, Hardev Singh, 2. Curzon Road, New Delhi (i) I(ii) 1971-72 (iii) 12,73,500 (iv) 15,22,320 (v) 29,892 (vi) 25,962 (2) PT-2940, Nawab Hobi, Manpur, 1-Duplex Road, New Delhi (i) I (ii) 69-70 (ili) 13,28.900 (iv) 13,62,190 (v) 22,170 (vi) 25,000.

S. G. JAISINGHANI Commissioner of Income-tax Delhi-III, New Delhi

New Delhi, the 26th March 1980

No. Coord./Pub./Delhi-V/E/78-79/48027.—Following is list showing the names of Individuals and HUFs, who have been assessed on a Wealth of more than ten lukhs of rupees during the Financial Year 1978-79 (i) individes storius 'l' for individual and 'H' for HUF (ii) for assessment year (iii) for Wealth returned (iv) for Wealth assessed (v) for tax payable by the assessee (vi) tax paid by the assessee:

1. 22-037-PZ-9320 Balkishan Dass & Sons, Chawri Bazar, Delhi (i) H (ii) 1965-66, 66-67, 67-68, 68-69, 69-70, 70-71, 71-72, 72-73, 73-74, 74-75 (iii) 11,13,858, 12,48,769, 11,96,715, 12,41,565, 11,28,749, 9,18,798, 11,88,571, 11,57,970,

(ii) 1974-75 (iii) 14,86,300 (iv) 30,32,400 (v) 1,87,592 (vi) 1,87,592 (4) PZ-1872-IV(1) Vcd Kapoor C/o Bharat Electrical Bandra Building, Tolstoy Marg, Delhi (i) I (ii) 1974-75 (iii) 10,51,631 (iv) 10,70,705 (v) 17,121 (vi) 12,372.

K. R. RAGHAVAN Commissioner of Income-tax Delhi-V, New Delhi

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 28th March 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/7-79|290.—Whereas I, G. C. AGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. W-11, situated at Greater Kailash II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in July 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hreeby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri D. R. Madhok S/o Shri Haveli Ram H-16, Masjid Moth near Greater Kailash II, New Delhi-48.

(Transferor)

(2) Smt. Sarita Puri W/o Shri Bhupinder Pal Singh Purl R/o D/22, Nizamuddin East New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Plot No. W-11, Greater Kailash-II, New Delhi-48 area 836.13 sq. meters.

G. C. AGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/^Taw Delhi

Seal:

Date: 28-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 28th March 1980

Ref. No. IAC/Acq-i/SRIII/7-79/289.—Whereas, I, G. C. AGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 2 (Second Floor) situated at Commercial Complex Greater Kailash II, New Delhi-48,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 13-7-79,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by some than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

- (1) M/s DLF Builders 21-22, Narindra Place Parliament Street, New Delhi.

 (Transferor)
- (2) M/s Agarwal Building and Construction Co. 63, Model Basti, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Second Floor Commercial Complex Greater Kailash, New Delhi-110048.

G. C. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 28-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 28th March 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRJII|7-79|294.—Whereas, I, G. C. AGARWAL.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land Mg. 1.16 Acres situated at Kalindi Colony, New

Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer New Delhi in July 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

 Shri Ram Roop Nath Charitable Trust, 74, Todermal Road, New Delhi through its President Shri Jagan Nath.

(Transferor)

(2) The Managing Society National Schools, Delhi through its Secretary Shri R. C. Badhwar,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1.16 acres situated at Kalindi Colony New Delhi.

G. C. AGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 28-3-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 25th March 1980

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-79/307.—Whereas, I, G. C. AGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-33, situated at N.D.S.F. Part I New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Prabha Wati Chawla W/o Shri Prakash Chand Chawla through her daughter & general attorney Smt. Sumati Mehta, R/o 10-A/1, Shakti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Amar Construction Co., 176, Savitri Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential plot No. C-33, N.D.S.E. Part I, New Delhi measuring 292-3/10 sq. yds.

G. C. AGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 25-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 25th March 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-IV/7-79/1121.—Whereas, I, G. C. AGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. F-3/16 situated at Krishan Nagar, Delhi-51

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Delhi on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Rajinder Kumar Sabharwal S/o Shri Arjan Dass Sabharwal R/o H-3/11, Krishan Nagar, Delhi-51.

(Transferor)

(2) Shri Naresh Chandra Mittal S/o Shri Ram Mohan Gupta R/o 76, Ram Nagar, Delhi-51.

(Transferco)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. F-3/16, built up, land measuring 100 sq. yds., out of land measuring 200 sq. yds. at Krishan Nagar, Delhi-51.

G. C. AGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 25-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 25th March 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-V/7-79/1122.—Whereas, I, G. C. AGARWAL

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. F-227 situated at Krishan Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Smt. Kamla Kumari
 W/o Shri Sushil Kumar Kapoor
 R/o 62, South Anarkali, Delhi

(Transferor)

(2) Shri Mohinder Pal S/o Shri Dewan Chand R/o C-2, Subhadra Colony, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice at the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. F-2/27, Krishan Nagar New Delhi.

G. C. AGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 25-3-1980

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 25th March 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-IV/7-79/1091.--Whereas, I, G. C. AGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H. No. 55 on plot No. 55, situated at Shivaji Park, Rohtas Nagar, Shahdara, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Sarojani Devi through Smt. Satya Wati Taneja W/o Shri Inderjit Taneja R/o 56, Shivaji Park, Shahdara Delhi (G. attorney)

(Transferor)

(2) Shri Inderjit S/o Shri Bhoja Ram Taneja R/o 56, Shivaji Park, Rohtas Nagar, Shahdara, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house No. 55 built at plot No. 55 area 150 sq. yds., Sarup Block, Khasra No. 2192/266 Sikadarpur, Shivaji Park, Rohtas Nagar Shahdara, Delhi.

G. C. AGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 25-3-1980

Soul:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New D lhi-110002, the 25th March 1980

Fof. No. JAC/Acq-I/SR-III/7-79/1559.---Wheren, I, G. C. AGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the income tay Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No 23 situated at Rajindra Park, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regist-ring Officer at New Delhi on 24-7-1979

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the ItaLility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
21—26G1/80

(1) Shri Dr A. M. Banerjee S/o Dr. J. M. Banerjee C/o Dr. B. K. Chatterjee A/2/144, Paschimpuri, New Delhi.

(Transferor)

(2) S/Shri Jaspal Singh & Ravinderpal Singh Ss/o Shri Sanmukh Singh R/o 12, Sadar Thana Road, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 23, situated in Rajindra Park, Pusa Road New Delhi alongwith the lease hold rights of the land thereto measuring 375 sq. yds, bounded as under:—

East: Service Road West: Road North: House No. 22 South: House No. 24.

G. C. AGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 25-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 25th March 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/7-79/1560.—Whereas, 1, G. C. AGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M-32A, situated at Malviya Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following perpersons, namely:—

- (1) Smt. Krishna Devi W/o Shri Ishar Dass, Smt. Laxmi Devi D/o Shri Iishar Dass, S/Shri Lajpat Rai, Krishan Lal Ss/o Shri Ishar Dass R/o M-32A, Malviya Nagar, New Delhi-17.
- (2) Shri Suresh Kumar Gainda S/o I ate Shri Khanda Ram R/o M-58A, Malviya Nagar, New Delhi-17. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two and a half storeyed building No. M-32A, Malviya Nagar, New Delhi measuring 100 sq. yds.

G. C. AGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 25-3-1980

Scal:

FORM ITMS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 25th March 1980

Ref. No. 1AC/Acq-I/SR-IV/7-79/1105.—Whereas, I, G. C. AGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B/8, Jyoti Nagar (West) situated at Loni Road, Sahahdara Delhi State, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Rani Devi W/o Shri Jagat Narain Mehra R/o 272, Kucha Sanjogi Ram, Delhi.

(Transferor)

(2) Shi R. D. Mittal S/o Shri Lakhmi Chand R/o 2525, Loni Road, Shahdara, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 488.4 sq. yds. equal to 408.04 sq. mts. bearing plot No. B/8 at Jyoti Nagar (West), Loni Road, Shahdara Delhi State, Delhi.

G. C. AGARWAL, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 25-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NFW DFLHI-110002 New Delhi, the 25th March 1980

Ref. No. IAC/ Λ cq-1/SR-IV/7-79/1115.—Whereas, I, G. C. Λ GARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25.000/- and bearing

No. J-7/2 situated at Jyoti Nagar (West). New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ashvinder Singh
 S/o S. Sujan Singh Sardana
 R/o S-323, Panchsheel Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt Nirmal Devi W/o Shri Sewa Ram C/o Om Pinkash Vinod Kumar Agarwal, Mandi, Distt. Meerut.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1-7/2 measuring 500 sq. mts. at Jyoti Nagar (West) area of village Sikandarpur on Loni Road, Delhi State, Delhi.

G. C. AGARWAL, Competent Authority, Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 25-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

PART 111--SEC. 11

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAR ALL ROAD NOT DELEMENTHOUS

New Delhi, the 25th March 1980

Ref. No. 1AC/Acq-I/SR-VI/7 79/1098.—Whereas, I, G. C. AGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25.060 '- and bearing No. 2738 Consted at Jheel Kuranja, Gata Colony Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on 12-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquirition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Stanti Sarup, S/o Shri Hadan Dass, R/o 2/38, Gita Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shir Kirpa Rain, S/o Shil Poin Chand, R/o 11/172-A West Azad Nagar, Delhi-51.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One full Qr. No. 2/38 (Block No. 2 Qr. No. 38) measuring lease hold land under neath 100 sq. yds. situated in Jheel Kuranja, Gita Colony, Delhi-31 bounded as under:— East: Qr. No. 2/39
West: Qr. No. 2/37
North: Road
South: Road

G. C. AGARWAL, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 25-3-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 25th March 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-IV/7-79/1097.—Whereas, I, G. C. AGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. A-3/20 situated at Krishan Nagar Delhi-51 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 12-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Savita Rani
 W/o Late Shri Om Prakash Sharma
 R/o R-777, New Rajinder Nagar, New Delhi-60.

 (Transferor)
- (2) Shri Harish Chander Gupta S/o Late Shri Bindu Mal Gupta, S/Shri Ashok Kumar, Vipin Kumar Ajay Kumar and Sunil Kumar Ss/o Shri Harish Chander Gupta R/o 8737, Rahat Ganj Roshanara Road, Delhi-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storey house bearing No. A-3/20, measuring 195 sq. yds., situated at village Ghondli, in the abadi of Krishan Nagar, Delhi-51, Illaqa Shahdara Delhi bounded as under:—

East: Property No. A-3/21 West: Property No. A-3/19 North: Road South: Property No. A-4/20

G. C. AGARWAL.,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Dclhl/New Delhi.

Date: 25-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NFW DELHI-110002

New Delhi, the 25th March 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/7-79/283.—Whereas, I, G. C. AGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 3 situated at Friends Colony New Delhi-14 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri J. H. Tarapore
 1 ate H. A. Tarapore
 7-Tarapore Avenue, Harrington Road,
 Madras 600 031.

(Transferor)

(2) M/s. M. M. Sehgal P. 1 (d. B4/4 Safderjang Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Main Bunglow and out houses and quarters in No. 3-Friends Colony, New Delhi, built on Plot No. 3, situated in (Nathuram) Friends Colony New Delhi in village Kilokari bounded as under :—

bounded as under:

North: East: 23 feet wide colony road
South: East: Plot No. 2, Friends Colony
South West: 30 feet wide service land

North West: Plot No. 4, Friends Colony, New Delhi.

G. C. AGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 25-3-1980

Scal:

FORM ITNS----

Shri Balwant Rai Nagpal D-139,
 R/o Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Kulwant Mehra, R/o 64, Janpath, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER $\hspace{1.5cm} \text{OF INCOMF TAX}$

ACQUISITION RANGF-I, 4/14A. ASAF ALL ROAD. NEW DELHI-110002

New Delhi, the 25th March 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/7-79/278. Whereas, I. G. C. AGARWAI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D-139 situated at Defence Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 26-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said stopetty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. D 139, Defence Colony, New Delhi built on plot of land measuring 401 sq. yds, bounded as under:—

East: Road

West: House No. D-140 North: Main Road South: Service Lane.

G. C. AGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 25-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 25th March 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/7-79/302.—Whereas, I. G. C. AGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 143/171, situated at Sunder Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 190) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

22---26GI/80

(1) Smt. Mohinder Kaur. Shri Purshotam Singh Shri Hargurcharan Singh C/o C-418, Defence Colony, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Anup Kumar Tandon, R/o 143, Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

(3) M/s. Hans Export House
16-A, Con. Place, New Delhi.
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property built on lease hold plot No. 143 block No. 171, Sunder Nagar, New Delhi admeasuring 866.66 sq. yds. bounded as under:—
North: Service Lane

South: Road
East: House on Plot No. 141 Block No. 171.

West: Service Road,

G. C. AGARWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 25-3-1980

(1) Shri Madan Lal Chawla R/o S-359, Greater Kailash II, New Delhi. Rajasthan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. C. Narula & Mrs. Lata Narula R/o S-359, Greater Kailash II, New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

New Delhi, the 25th March 1980

(b) by any other person interested in the said immovable

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/7-79/287.—Whereas, I, G. C. AGARWAL

> property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), bave reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

> EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

Shop No. 8 situated at Savitri Cinema, Commercial Complex, Greater Kailash-II, New Delhi-48.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Shop, No. 8, area 282 sq. feet, Savitri Cinema, Commercial Complex, Greater Kailash Part II, New Delhi-110 048.

> G. C. AGARWAL, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition RangeI, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 25-3-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHT-110002

New Delhi, the 25th March 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/7-79/288.—Whereas, I. G. C. AGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Shop No. 10 Savitri Cinema Commercial Complex Greater Kailash-II, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 11-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfor with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afoesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri Harish Kumar Passi, R /o B-8, Kailash Apartment, New Delhi. (Transleror)
- (2) Smt. Manju Satia & Mrs. Parkash Satia, R/o 11 No. Sri Fort Road, New Dethi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 10, Savitri Cinema Commercial Complex, Greater Kailash-II, New Delhi, area 302.2 sq. ft. in multy storeyed complex bounded as under:

East: 40 feet wide Road West: 30 feet wide road of G.K. II Colony North: Chirag Delhi Kalkaji Road South: Greater Kailash II (Residential House No. E-588 and E-615).

> G. C. AGARWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range I, Delhi/New Delhi.

Date: 25-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 25th March 1980

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-79/268.—Whereas, I, G. C. AGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agrl. land mg. 4 bigha 13 biswas situated at village Gadaipur, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 27-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Kartar Singh
 S/o Shri Dalip Singh
 R/o Village Gadaipur New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Chand Prakash S/o L. Amir Chand R/o 41 Pusa Road, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 4 bighas and 13 biswas, bearing khasra Nos. 601/2 (3 bighas and 7 biswas & 635/1 (1 bigha & 6 biswas), alongwith farm house, two sheds, basement, tubewell, boundary wall fans and other fittings and fixtures, situated in village Gadaipur, Tehsil Mehrauli New Delhi.

G. C. AGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 25-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 25th March 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/\$R-III/7-79/309.—Whereas, I, G. C. AGARWAL,

being the competent authority under Section

269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Portion No. 105, 'DLF House' situated at 40-F, Con. Place, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons (namely:—

 M/s DLF United Ltd., 21-22, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

(2) Km. Anit Malhotra & Lokesh Malhotra (Minors) under the guardianship of their father & natural guardian Sh. Dharamvir Malhotra P.O. Box No. 251, (SAFAT) Kuwait)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion No. 105 (1st Floor) (front portion) DLF House, 40-F. Con. Place, area 487.78 sq. ft., New Delhi.

G. C. AGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 25-3-1980

FORM ITNS ---

(1) Skin Institute & public services Charitable Trust, 5A, Jangpura 'A' New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Bhoruka Industries Pvt. Ltd., 3-Ansari Road, New Delhi.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 25th March 1980

Ref. No IAC/Acq-I/SR-III/7-79/286.—Whereas, I, G. C. AGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 5A, Jangpura 'A' situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following peersons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chater XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lease hold rights in Property No. 5A, Jangpura 'A' New Delhi.

G. C. AGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rauge-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 25-3-1980

TART III-—SEC. 1]

FORM ITNS-

(1) Shrl Rajinder Singh, R/o III-1/5, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Khem Chand Kukreja, R/o D-44/2, East of Kailash, New Delhi.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 1st April 1980

Ref. No. IAC/Acq-1/SR-III/7-79/305/5658.—Whereas, I, G. G. AGARWAL. being the Competent Authority under Section, 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. I-17, situated at Lajpat Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi on July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 7, Block No I, measuring 296.7 sq. yds. situated in Lajpat Nagar-Ill, New Delhi-24 bounded as under: -

North: Plot No. I-III/8 South: Plot No. I-III/6 East: Service Lane West: Road.

> G. C. AGARWAL, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 1-4-1980

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 1st April 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/7-79/299/5658.—Whereas, I, G. C. AGARWAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-IV/232, situated at Amar Colony, Lajpat Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Smt. Kesar Devi, W/o Late Shri Chuni Lal, R/o J/517, Sewa Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Lachhmi Devi, W/o Shri Mohan Lal, R/o E-IV/232, Amar Colony, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. E-IV/232, measuring 100 sq. yds. situated in Amar Colony Lajpat Nagar, New Delhi.

> G. C. AGARWAL, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 1-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ΛCQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 25th March 1980

Ref. No. A.P.No. 2078.—Whereas I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at Ram Pura Phool (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ram Pura Phool on July 1979

for an apperent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
23—26GI/80

(1) Shri Sadhu Ram S/o Milkhi Ram S/o Maghi Ram R/o Patti Hira Singh, Faridkot,

(Transferor)

(2) Shri Gurdial Singh S/o Kartar Singh S/o Harnam Singh V. & P.O. Phool, Joginder Singh, Jagir Singh, Inderjit Singh, Harminder Singh SS/o Gurdial Singh S/o Kartar Singh V. & P.O. Phool C/o Dhillon Cold Store, Rampura Phool.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1604 of July, 1979 of the Registering Authority, Rampura Phool.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jullundur

Date: 25-3-1980

Seal;

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th March 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1478/79-80.—Whereas I, K. K. ROY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. PART OF HOUSE ON RAKBA 414 SFT. situated at Gandhi Road, Khargone,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khargone on 17th July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri 1. Turab Ali S/o Kayumbhai Bohra;
 - 2. Nisar Ali; and 3. Sefuddin, sons of Turab Ali Bohra, Khargone.

(Transferor)

(2) Shri Daulal, S/o Natwarlal Mahajan, Gandhi Road, Khargone. (Fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of two & half storied house on Rakha 414 sft. at canch. Road, Khargone.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range,
Bhopal

Data: 5-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th March 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPJ./1479/79-80.—Whereas I, K. K. ROY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Part of House on Rakba 1016 SFT, situated at

Gandai Road, Khargone.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khargone on 17th July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) S/Shri 1. Turab Ali, S/o Kayumbhai Bohra; Nisar Ali; and Sefuddin, sons of Turab Ali Bohra, Khargone.

(Transferor)

(2) Shii Shrikrishna, S/o Natwarlal Mahajan, Gandhl Road, Khargone.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Part of two & half storied house on Rakba 1016 sft. at Gandhi Road, Khargone.

> K. K. ROY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bhonai

Date: 5-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th March 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1480/79-80.—Whereas I, K. K. ROY.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 126 situated at Saket Nagar Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908)16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 25th July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Vinayak S/o Laxman Kerhalkar, B-15, M.P.E.B. Colony, Rampur, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Smt. Prabha, W/o Prakash Jain, 107, Juni Kasera Bakhal, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATAON:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 126 admeasuring 3600 sft. at Saket Nagar Colony, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopal

Date: 5-3-1980

Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th March 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1481/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of House No. 77 situated at Ganeshganj, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 20th July 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Kamalkumar, S/o Subhagmal Pancholi, 365, Mahatma Gandhi Marg, Indore.

(Transferor)

 Smt. Laxmibai W/o Dwarkadas Neema, 14/7, North Raj Mohalla, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Scuthern portion of house No. 77 on Rakbe 480 sft. at Ganeshganj, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bhopal

Date: 5-3-1980

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 5th March 1980

Rcf. No. IAC/ACQ/BPL/1482/79-80.—Whereas f, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of House No. 77 situated at Ganeshgani, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 20th July 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kamalkumar, S/o Shri Subhagmal Pancholi, 365, M. G. Marg, Indore.

(Transferor)

(2) Sint. Pushpalatabai, W/o Krishnadas, 14/7, North Raj Mohalla,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Nothern portion of house No. 77 on rakba 480 sft. at Ganeshganj, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bhopal

Date: 5-3-1980

PART III -SEC. 1]

FORM ITNS--

(1) Smt. Savitri Bai, Wd/o Shri Hiralalji, Vill. Ozar, Teh. Nasik, Maharashtra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Rajkumar, S/o Ramdittamal Menra, 16, Nilkanth Colony, Indore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 5th March 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1483/79-80.—Whereas J, K. K. ROY,

being the Competent Authority under section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Ground Floor of House No. 112, situated at Kailash Park Colony, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 23rd July 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground Floor of double storied house No. 112 situated at $U_{\rm old}$ Park Colony, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopal

Date : 5-3-1980

 Shri Bhalchandradeo S/o Shri Damodardeo, 244 Lokmanya Nagar, Indore.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

61 (43 OF 1961) 22, Tilak Path, Indore. (Now at 244, Lokmanya Nagar, Indore).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 5th March 1980

R:f. No. IAC/ Λ CQ/BPL/1484/79-80.—Whereas I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 244 on Rakba 1515 Sft., situated at Lokmanya Nagar, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the effice of the Registering Officer

at Indore on 13th July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said, instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Shii Ganesh, S/o Vasudeo Kulkarni,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichevery period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storied pacca house on Rakba 1515 sft. at 244, Lokmanya Nagar, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bhopal

Date: 5-3-1980

Seal :

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons (namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ΒΗΟΡΛL

Bhopal, the 5th March 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1485/79-80.—Whereas I, K. K. ROY

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 15 Admeasuring 3000 Sft, situated at Joy Builders Colony, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 18th July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
24—26GI/80

Shri Fatechand, S/o Tarachand Agrawal,
 Vallabh Nagar,
 Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Iay Shree, W/o Kirit Kumar Awalani, 212, Balkeshwar Road, Nav Krishna Kunj, 6th Floor, Block No. 17, Bombay-6.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 0 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 15 admeasuring 3000 sft. at Joy Builders Colony, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range,
Bhopal

Date: 5-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 5th March 1980

Ret. No. IAC/ACQ/BPL/1486/79-80.--Whereas I, K. K. ROY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 3 situated at Pipli Bazar, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Indore on 1st Setember 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shei Suresh Chand, S/o Shri Babulal Mittal, 338, Shivaji Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Dinesh Chandra, S/o Babulalji Mittal, 22/2, Yeshwant Niwas Road, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3, Pipli Bazar (Mahavir Marg), Indore.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bhopal

Dato: 5-3-1980

Seat :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGI, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th March 1980

Ref. No. JAC/ACQ/BPL/1487/79-80.—Whereas J. K. K. Roy,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 93 on Plot No. 51 situated at Vallabh Nagar, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer

at Indore on 24th August 1979

for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt Sunderbai, W/o Vishnu Pant Pargat, 93, Vallabh Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) 1. Dr. Shridhar, S/o Shri Gokaran Bajpai and 2. Smr. Kamalkumari W/o Dr. Shridhar Bajpai, University of Technology, Baghdad.

(Transferee)

(3) S/Shri 1. K, K. Haldhar;
2. S. K. Pastoria;
3. Badriprasad Birmal, &
4. Amritlal Yadav, all tenants.
[Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the seid immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 93 on Plot No. 51 situated at Vallabh Nagar, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopal.

Date: 5-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th March 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1488/79-80.—Whereas I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 6/2 measuring 9000 Sft. situated at Manoramaganj, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Indore on 23rd July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shi (Col.) Rajeshekhar Wodeyar; House No. 387, West of Chord Road, Bangalore-10.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Nisha Devi Bansal &2. Shri Shiv Prasad Agarwal,House No. 68, Siyagani, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 6/2, measuring 9000 sft. at Manoramaganj, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopal

Date: 15-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 5th March 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1489/79-80.—Whereas I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House No. 12 at Sakkar Bazar, situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 4th July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Munoharlal Parasar S/o Shri Badrilalji Parasar, Vill. Samelia Chau, Dist. Indore.

(Transferor)

(2) S/Shri 1. Vishnu Prasad and 2. Chandmal, sons of Shri Bhiyaram, 39/1, Chipa Bakhal, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 12 situated at Sakkar Bazar, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range,
Bhopal

Date: 5-3-1980

(1) Shri Krishna Kumar, S/o Rajaram Mishra, Badikhurd, Teh. Barcli, Distt. Raisen.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th March 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1490/79-80.—Whereas I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House & open land situated at Badikhurd, Teh. Barelj, Dist. Raisen

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Bareli on 3rd July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Munnalal Shukla, S/o Sharda Prasad Shukla Badikhurd, Teh, Bareli, Dist. Raisen.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period ct 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House and Open land situated at Badikhurd, Teh. Bareli, Raisen.

K. K. ROY
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhonal

Date 5-3-1980

(1) Shri Prahlad Bhai, S/o Shri Atmaram Patel, Gole Bazar, Jabalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME TAX,

> ACCUISITION RANGE. BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th March 1980

Ref. No. 1AC/ACQ/BPL/1491/79-80.—Whereas I, K. K. Roy, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. House No. 258 on Plot No. 878 situated at Napier Town, Jabalnur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on 25th July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) 1. Shri Kishanji S/o Tokersi,

Wright Town, Jabalpur;
2. Smt. Gunwanti, W/o Shri Kishanji and

Shri Atul Kumar, Minor through Shri Kishanji, 1252, Wright Town, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 258 on Plot No. 878 forming part of Sheet No. 256 at Napier Town, Jabalpur.

> K. K. ROY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistion Range, Bhop.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Phta: 10-3-1980

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- ...-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 10th March 1980

Ref. No. [AC/ACQ/BPL/1492/79-80,--Whereas J. K. K. ROY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing

No. Agrl. Land forming part of Survey No. 269 situated at Ratlam (and more fully asscribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ratlam on 7th July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth Tax Act, 1951 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Sbr: 1. Abdul Karim;

2. Abdul Rahim;

3. Abdul Hakim;

Abdul Aziz (Minor);
 Abdul Nahim (Minor) sons of Mohd. Khanji;
 Smt. Kulsum Bai. Wd/o Mohd. Khanji Self &

on b. half of Minors, Scranipura, Ratlam.

(Transferor)

(2) Maheshwari Protins Ltd., 28, Nolaipura, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 2.00 hectares forming part of Survey No. 269 situated at Ratlam.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopal

Date:10-3-1980

 Shri K. K. Bhargava, S/o Late Shri S. S. Bhargava, 54. Narbada Road, Jabalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Mamta Shrivastava, W/o Shri O. K. Shrivastava, 19, Polipather, Jabalpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAI, M.P.

Bhopal, the 10th March 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPI /1493/79-80.—Whereas T, K. K. ROY.

being the Competent Authority under Section 269B of he Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot measuring 6555 sft. Part of Kh. No. 50/2 situated at Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalyur on 19th July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object or —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the doresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

25-26GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 6555 sft. forming part of Khasra No. 50/2 of Rampur Survey No. 1 adjoining 'Paras Building' at Jabalpur.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopal

Date :10-3-1980

Sent :

(1) Shri K. K. Bhargava, S/o late Shri S. S. Bhargava, 54, Narbada Road, Jabalpur. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Mamta Shrivastava, W/o Shri O. K. Shrivastava,19, Polipather, Jabalpur.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 10th March 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1494/79-80.—Whereas I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot measuring 6015 sft Part of Kh. No. 50/2 situated at Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on 22nd July 1979

for an apparent consideration which is less than the fadr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as

aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the libility
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1757 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 6015 sft. adjoining 'Paras Building' forming part of Khasra No. 50/2 of Rampur Survey No. 1 at Jabalpur.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhonal

Date: 10-3-1980

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th March 1980

Ret. No. IAC/ACQ/BPL/1495/79-80.-Whereas I, K. K.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land area 0.815 Hectare, Survey No. 474/3 situated at Nagda Bus Stand, Nagda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khachrod on 2nd July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe tha tthe fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

- (1) 1. Smt. Savitri Devi, W/o Shanker Pd. Bhargay;
 - 2. Shashikala, D/o Shanker Pd. Bhargav;

3. Santosh Kumar; 4. Rameshchandra;

 Vijay Kumar, sons of Shanker Pd. Bhargav through Shri Laxman Pd. S/o Ram Pd. Bhargav, Advocate, Ujjain.

(Transferor)

- Shri Rajmal, S/o Hazarimal Vanvat, Khachrod;
 Smt Pavitra Devi, W/o Padamsingh Yadav,
 - Nagda Mandi;
 3. Smt. Dhapubai, W/o Shantilal Surana, Khachrod.
 4. Shri Ranchhod S/o Shambhuji Anjana;
 5. Smt. Premlata,
 - W/o Sravankumar Jaiswal, Khachrod.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 0.815 hectare bearing Survey No. 474/3 at Nagda Bus Stand, Nagda.

> K. K. ROY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal

Date: 10-3-1980

 Smt. Sadri Bai, W/o Shamandas, Station Road, Raipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Manjeet Singh & Ravindra Singh, sons of Indersingh Ahuja, Raipur,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th March 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1496/79-80.—Whereas I, K. K. ROY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Building situated at Station Road, Raipur (and more fully described in the Echeduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 7th July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income cr any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the resaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building consisting of two shops situated at Station Road, Raipur.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date 10 3-1980 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER
OF INCOMETAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 12th March 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1497/79-80.—Whereas I, K. K. ROY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter

referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Thandla

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Thandla on 25th July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said cet. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Basant Bai, W/o Late Shri Manshankerji Joshi, Thandla.

(Transferor)

(2) Smt. Fatima Bai, W/o Shri Hakimuddin Bohra, Thandia.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated at Sardar Patel Marg (Bhandari Gali), Thandla.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhonal

Date: 10-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Shri Badar Mohd., S/o Kadar Mohd. Ginnori Talaiya, Bhopal.

(Transferor)

(3) Shu Manadial, S/o Ramprasad, Barkhedi, Bhopal.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 12th March 1980

Ref. No. 1AC/ACQ/BPL/1498/79-80,—Whereas I, K. K. ROY.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agrl. Land Area 24.69 Acres situated at Village Barkhedi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 9th July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeside exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land rakba 24.69 acres at Village Barkhedi, Distt. Bhopal.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range, Bhopal.

Date: 12-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 12th March 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1499/79-80.—Whereas 1, K. K. ROY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Part of House No. 3 on Rakba 1312 Sft. situated at 3/3, North Raj Mohalla, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Indore on 16th July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Shyam Rao Chhoterao Gavshinde, Tagore Park Colony, Khargone.

(Transferor)

(2) Smt. Kamalabai, W/o Jagannath Maheshwari, 92, Silawatpura, Indore.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. 3 on rakba 1312 sft. at 3/3, North Raj Mohalla Indore.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Rangefi Bhopal.

Date: 12-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Water Development Society,
 C/o Shri P. S. Bapna,
 Race Course Rond, Indore.

(Transferor)

(2) M/s. Simplex Corporation, 11/2, Dr. Roshansingh Bhandari Marg, Indore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th March 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1500/79-80.—Whereas 1, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Superstructure on Plot No. 20 situated at Pologround, Industrial Estate, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 24th July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storied superstructural on Plot No. 20, admeasuring 575 sft. on total plot area 8400 sft. at Pologround Industrial 1-state, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhonal

Date: 12-3-1980

(1) Shri Ahmad Ali, S/o Shri Abid Hussain, Manganj Ward No. 2, Damoh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Santosh Kumar, S/o Shri Durga Prasad Jain, Naya Bazar No. 1, Damoh,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 2nd April 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1501/80-81.—Whereas I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

thereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Damoh

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Damoh on 11th July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the equisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
26—26GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated at Manganj Ward No. 2, S. No. 356, P.H. No. 59A, Damoh.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopal

Date: 2-4-1980

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1980

Ref. No. RAC. No. 536/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1-1-108 situated at R. P. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on July-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri S. Sroe Rama Rao, H. No. 69 at Rashtrapathi Road, Secunderabad.

(Transferor)

S/Sri 1. G. Sakkubai, 2. G. Bala Saraswati,
 G. Faswarnath, 4. S. Sai Rani,
 R/o 22-Hyderabasti, Secunderabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1-1-108 situated at Rastrapathi Road, Secunderabad registere 1 vide Doc. No. 1670/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-3-1980

Seal 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1980

Ref. No. RAC. No. 537/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land S. No. 157/7 situated at Thokatta, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on July 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any lacome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri S. Eshwar Reddy, Land S. No. 157/7 at Thokatta, Sceunderabed, (Cantonment).

 (Transferor)
- (2) The Raghava Cooperative House Building Society Ltd., TAB. No. 68 C/o G. N. Bal Reddy. H. No. 6/87/4, Alwal, Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring about 0.410 hectars, 35 Guntas, in survey No. 157/7 at Thokatta, Secunderabad, registered vide Document No. 1663/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERAGAD

Hyderabad, the 3rd March 1980

Ref. No. RAC. No. 538/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land S. No. 157/7 situated at Thokata, Secunderabad (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on July 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri S. Eshwar Reddy, S. No. 157/7 (Part), at Thokatta, Secunderabad.

(Transferor)

(2) The Raghava Co-operative House Building Society Ltd., H. 6/87/4, at Alwal, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to be acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of land in S. No. 157/7 admeasuring One Acre situated at Thokatta, Secunderabad, Cantonment, registered vide Doc. No. 1640/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad,

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1980

Ref. No. RAC. No. 539/79-80.—Whereas, I, K. K. VEFR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 601 situated at S. D. Road, Secanderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on July-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Uma Karan, and Tej Karan, Raja Ram Koran, II. No. 8-2-547 at Banjara Hills, Hyderabad.

 (Transferor)
- (2) Mrs. Kavita C. Kripalani, Flat No. 601, Kela Mansion, Mala Mansion, at S. D. Road, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in Block No. I flat No. 601 5th floor in premises No. 101 at Sarojini Devi Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 1635/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE. HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1980

Ref. No. RAC. No. 540/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Fiat No. 504 situated at Kala Mansion S. D. Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on July 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Uma Karan, and Tej Karan, Raja Ram Karan, H. No. 8-2-547 at Banjara Huls, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Mrs. Nirmala M. Ahuja, Flat No. 504 at Kala Mansion Sarojini Devi Road, Secunderabad.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 504 Kala Mansion, on 5th floor at S. D. Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 1634/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEFR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1980

Ref. No. RAC. No. 541/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot of land situated at Malakpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Azampura on July 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely:—

- Sri Mendu Sander Rao, G.P.A. M. Kondala Rao, II. No. 3-6-696 Himayetnagar, Hyderabad, (Transferor)
- (2) Sm/. Kolanu Indira W/o Dr. K. Janatdhan Reddy, H. No. 1-5-16/C, Musheerabad, Hyderabad. (Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot admeasuring 450 Sq. Yds. at Judge's Colony, Malakpet Hyderabad, registered vide Doc. No. 2271/79 in the effice of the Sub-Registrar Azampura.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-3-1980

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1980

Ref. No. RAC. No. 542/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4-1-938/R-14 & R-15 situated at Tilak Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Sri Krishna Construction Co., 5-8-612 Abid Road, Hyderabad.
 - Sri Raj Kumar H. No. 3-2-350 Chappal Bazar, Hyderabad.

(Transferors)

(2) Mrs. Hydri Begum, H. No. 13-4-102 1 at Tappa Chabutra, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Hall No. 4-1-938/R-14 and R-15 admeasuring 790 Sq. Ft. on 7th floor of Krishna Complex, at Tilak Road, Hyderabad, registered vide Doc. No. 4308/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1980

Ref. No. RAC. No. 543/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4-1-938/R-12, 13 situated at Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 cf 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income aising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
27—26GI/80

- M/s. Sri Krishna Construction Co., 5-8-612 at Abid Road, Hyderabad.
 - Sri Raj Kumar H. No. 3-2-350 Chappal Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Parveen Hasan, H. No. 11-6-862/1 at Red Hills Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hall No. 4-1-938/R-12 and R-13 admeasuring 772 Sq. Ft. on IInd floor of Krishna Complex, at Tllak Road, Hyderabad, registered vide Doc. No. 4415/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEFR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1980

Ref. No. RAC. No. 544/79-80.—Whereas, 1 K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4-1-938/R-16, & 17 situated at Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s. Sri Krishna Construction Co., 5-8-612 Abid Road, Hyderabad.
 - Sri Raj Kumar H. No. 3-2-350 Chappal Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Syed Askari Hussain, H. No. 13-4-102/1 at Tappa Chabutra, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hall No. 4-1-938/R-16 and R-17, admeasuring 790 Sq. Ft. on 7th floor of Krishna Complex, at Tilak Road, Hyderabad, registered vide Document No. 4309/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-3-1980

 Mrs. Yvonne Viegas, W/o Charles Viegas, H. No. 4-1-316 at Troop Bazar, Hyderabad.

(2) 1. Mr. Wilfred De-Sourza, S/o Dr. Hohn, C-De-

Sourza,
2. Mrs. Irene De-Sourza, W/o Dr. John-C-De-Souza, both at H. No. 4-1-316 at Troop Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1980

Ref. No. RAC. No. 545/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

No. 4-1-316 situated at Troop Bazar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July 79

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th share owned by the Transferor in the H. No. 4-1-315 and 4-1-316 at Troop Bazar, Hyderabad, admeasuring 2722 Sq. Mets. registered vide Doc. No. 3947/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1980

Ref. No. RAC. No. 546/79-80.—Whereas, 1 K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 3-6-680 situated at Himayatnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Afzalunnisa Begum, W/o late Mirza Mohinddin Baig, H. No. 3-6-680 at Himyatnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1. Sri Adnam Askari,

 Jawad Askari,
 Sadiq Askari, guardian Smt. Qamar Begum, all residing at H. No. 22-8-358 at Darulshafa, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3-6-680 (Portion) admeasuring 1302 Sq. Yds. at Himayatnagar, Hyderabad, registered vide Doc. No. 3851/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Sri Syed Azam, H. No. 2-2-22 at Bagh Amberpet, Hyderabad.

(Transferor)

(1) M/s. Tulasi Cooperative Housing Society, CTl, Road, Nallakunta, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDFRABAD

Hyderabad, the 31d March 1980

Ref. No. RAC. No. 547/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 83, 84, situated at Bagh Amberpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in survey No. 83 and 84 at Bagh Amberpet, Nallakunta, Hyderabad, registered vide Doc. No. 3951/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 3-3-1980

(1) Sri Sowdarigari Jagga Reddy, 6-3-790 at Ameerpet, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Royal Hatcheries Pvt. Ltd., 6-3-790/4-B at Ameerpet, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1980

Ref. No. RAC. No. 548/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6-3-790/4'B situated at 1st floor Ameerpet

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on July 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1st floor of House No. 6-3-790/4/B situated at Ameerpet, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1958/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-3-1980

Soal:

(1) Sri Inderjet Singh Chabra, 5-9-22/28 Adershanagar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Sri K. L. Bhatra, 2. Vinod Bajaj, C/o K. L. Bhatra, (R/o Maheshnagar Colony, Hyderabad) H. No. 5-8-295 at Chiragali lane, Hyderabad.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1980

Ref. No. RAC. No. 549/79-80.--Whereas, I. K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-8-295 situated at Chiragali Lane, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land in M. No. 5-8-295 at Chiragali lane, Hyderabad, registered vide Document No. 3786/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

> K. K. VEER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1980

Ref. No. RAC. No. 550/79-80.—Whereas, I, K. K, VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 1931/2 situated at Ananthapur (and more fully described in the Schedule annoxed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ananthapur on July-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S/Sri Bandaru Chinne Kasanna, 2. B. Ramadass, 3. B. Gangadhar, 4. B. Konaiah, all residing at Sale Street, Dharmayaram, Ananthapur, Distt.

(Transferor)

- (2) 1. S/Sri M. Govindappa, H. No. 18/248 Neeruganti St. Old Town, Ananthapur.
 2. K. Venkata Reddy, R/o Talamarla Villg.
 - Penukonda-Tq.,
 - 3. B. Lakshminarayana Reddy, H. No. 18/255 at Neeruganti street, Old Town, Ananthapur.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Land in S. No. 1931/2, 18th ward admeasuring 0.72 Cents at Ananthapur-town, (Behind Triveni Talkies) Ananthapur, registered vide Document No. 4589/79 in the office of the Sub-Registrar Ananthapur.

> K. K. VEER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistion Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 3-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1980

Ref. No. RAC. No. 551/79-80.—Whereas. I, K.K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 5 S. No. 29, 189 situated at Begumpet (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on July 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—28—26GI/80

(1) 1. Smt. Meherunnisa Begum,

2. Smt. Nasecm Khaleelullah.

- Sri Mohd, Besalatullah, H. No. 6-1-61 at Naser Manzil, Saifabad, Hyderabad, G.P.A. Smt. Mahboobunnisa Begum
- 4. Omer Bin Ahmed, 14-4-551/1 Yakutpura, Hyd.
- 5. Syed Mustag Hussain, 16-11-1-5/8 Malakpet, Hyd.
- M. A. Fafoor H. No. 102-C class, Agahapura, Hvd.
- 7. Mir Farooq Ali Khan, 9-4-82/21 Kakatiya Nagar Colony, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Koyyauru Samuel Satya Raju, H. No. B-38 "B" Block Malakpet Colony, Hyderabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 464 Sq. Yds. survey No. 29 and 189 at Begumpet, Hyderabad, registered vide Document No. 1660/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-3-1980

Scal:

 Sri B. N. Waghray, I.A.S., H. No. 5-9-42, Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri P. Sreeram, H. No. 1-11-243/1 at New Extention area, Begumpet, Hyderabad. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1980

Ref. No. RAC. No. 552/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1-11-243/1 situated at Begumpet, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building M. No. 1-11-243/1 New Extension area, Begumpet, Hyderabad, admeasuring 443 Sq. Yds., registered vide Doc. No. 4301/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1980

Ref. No. RAC. No. 553/79-80.—Whereas, 1 K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 278, 286 situated at Lothkunta Alwal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyd-West on July-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri P. Mallappa (Minor) Represented by father Sri P. Krishna, H. No. 4/25 at Alwal, Secunderabad.

 (Transferor)
- (2) Indiranagar Cooperative Housing Society Ltd., Represented by Sri A. Tata Rao, 8-3-222/B/7 at Indiranagar, Yousufguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in survey No. 278 and 286 admeasuring 34 Guntas, at Lothkunta, Alwal, Secunderabad, registered vide Doc. No. 1506/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-West

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Rapes 44vderabad

Date: 3-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1980

Ref. No. RAC. No. 554/78-80,-Whereas, I K. K. VEER, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 278, 286 situated at Lothkunta, Aiwal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-West on July-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) 1. S/Sri P. Basaviah.
 - 2. P. B. Rajender, 3. P. B. Omkar,

 - 4. P. B. Mohan, (Minor) all residing at 4/25 at Alwal, Lothkunta, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Indiranagar Cooperative Housing Society Ltd., Represented by Sri A. Tata Rao, 8-3-222/B/7 at Yousufguda, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land admeasuring 33 Gun'as, in survey Nos. 278 and 286 at Lothkunta, Alwal, Secunderabad, registered vide Document No. 1505/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-West,

> K. K. VEER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1980

Ref. No. RAC, No 555/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 278, 286 situated at Lothkunta, Alwal,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad West in July 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) 1. Sri P. Mallaiah,
 2. P. M. Laxminarayana,
 3. P. M. Madhava Rao,
 - H. No. 4/13 at Alwal, Secundersbad.

(Transferor)

(2) Indiranagar Cooperative Housing Society Ltd., Represented by Sri A. Tata Rao, 8-3-222/B/7 at Indiranagar Yousufguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of days from a service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land admeasuring 34 Guntas, in survey No. 278 and 286 at Lothkunta. Alwal, Secunderabad, registered vide Doc. No. 1504/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-West.

> K. K. VEER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1980

Ref. No. RAC. No. 556/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land 278, 286 situated at Lothkunta, Alwal,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad-West in July 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri P. Nagender Rao, and P. Suchander, both residing at 1-2-399 at Domalguda, Hyderabad.

 (Transferor)
- (2) Indira Nagar Cooperative Housing Society Ltd., 8-3-222/B/7 at Indira Nagar, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in survey No. 278 and 286 at Lothkunta, Alwal, Secbad, admeasuring 23 Guntas, registered vide Doc. No. 1503/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-West.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSION ER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1980

Ref. No. RAC. No. 557/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

225-A situated at Maredpally, Secunderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in July 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

(1) Sri Yamini Subbiah. 9-3-410 Regimental Bazar Secunderabad and Kota Sreenivasulu, H. No. 12-7-1129 Metugadda, Secunderabad.

(Transferor)

- (2) 1. Sri N. Rajesham, 225-A Maredpally Secunderabad.
 - Smt. Gangadhara Mallamma, W/o Dharmiah,
 Smt. Rukmini Rajesham, W/o N. Rajesham,
 - 4. Kumari Mangesh Rajesham, D/o N. Rajesham, 5. Kumari Kamlesh Rajesham D/o N. Rajesham,
 - 6. Kumari Geethesh Rajesham, D/o N. Rajesham,
 - Sri Bopanna Venu, R/o Steel Tube of India Ltd.
 - Ltd.,
 8. Smt. Iynala Uma Devi, W/o I. Umakant Rao,
 12-7-112/11/B, all residing at 225A Maredpally, Sec-bad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 225/A and open land admeasuring 2 Acrs 22 Guntas, in S. No. 37 at Maredpally-Villg. Secunderabad, registered vide Document No. 1892/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

> K. K. VEER Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-3-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

HYDERABAD

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 3rd March 1980

Ref. No. RAC. No. 558/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1-4-879/78 situated at New Bakaram, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registation Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad in July 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferm for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri T. K. Tandava Krishna, 1-4-879/78 at Gandhinagar, (New Bakaram) Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Y. Linga Rao, S/o Sri Deva Rao, R/o Jagtial, Kareemnagar, Dist. (1-4-879/78 at New Bakaram Gandhinagar, Hyderabad).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1-4-879/78 (S.B.I. Staff Colony) New Bakaram, Hyderabad, admeasuring 450 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 3988/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-3-1980

Şeal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1980

Ref. No. RAC. No. 559/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Lands S. No. 298/1 situated at Malkajgiri, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-Fast in July 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market vaue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons, namely: 29--26GI/80

- (1) I. S/Sri P. V. I. Thimma Raju,
 - P. Subba Kaju,

 - 2. F. Salou Kaju, 3. Ch. R. Raju, 4. K. R. Raju, 5. Smt. M. Janikamma, H. No. 1/191 at Lingojiguda, Villg, Secunderabad. (Transferor)
- (2) M/s The Modern Co-operative House Building Society Ltd., Treasurer Sri V. Veerabhadra Rao, H. No. 4-1-624 at Troop Bazar, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'sai. Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in S. No 298/1 admeasuring I Acre, 25 guntas situated at Malkajeiri villg. Secunderabad, registered vide Doc. No. 7535/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-East.

> K. K. VEER Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1980

Ref. No. RAC. No. 560/79-80.--Whereas, I, K. K. VEER.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. No. 298/1 situated at Malkajgiri Secunderabad, tend more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabod-East in July 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oforesaid property by the inue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

(1) S/Sri (1) P. V. L. Thimmaraju,

2. P. Subba Raju, 3. Ch. R. Raju,

4. K. R. Raju, 5. Smt. M. Janikamma,

all residing at 1/191 at 1 ingojiguda, villg. Sec-

(Transferor)

(2) M/s The Modern Cooperative Housing Society Ltd., at Troop Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in survey No. 298/1 admeasuring One acre 24 guntas at Malkajgiri village, Secunderabad, registered vide Doc. No. 7470/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-East.

K. K. VEER Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1980

Ref. No. RAC. No. 561/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. 11c. 298/1 situated at Malkajgiri Secunderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-East in July 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of anv or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) I. Sri P. V. L. Thimmaraju,
 - 2. P. S. Raju,
 - 3. Ch. R. Raju,

 - K. R. Raju.
 Smt. M. Janikamma, all at 1/191 at Lingojiguda village, Secunderabad. (Transferor)
- (2) M/s. The Modern Cooperative House Building Society Ltd., 4-1-624 at Troop Bazar, Hyderabad, (Treasurer Sri V. Verabhadra Rao).

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in S. No. 298/1 One acre 24 guntas situated at Malkajgiri village, Secunderabad, registered vide Doc. No. 7355/79 in the office of the Sub-Registrar. Hyderabad-Fast.

> K. K. VEER Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1980

Ref. No. RAC. No. 562/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. No. 298/1 situated at Malkajgiri, Secunderabad, (and more fully described in the schedule ennexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad-East in August 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesoid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pera ns, namely :---

- (1) 1. S/Sri P. V. L. Thimma Raju,

 - P. S. Raju,
 Ch. R. Raju,
 K. R. Raju,
 Smt. M. Janikamma, all at H. No. 1/191 at Lingojiguda, Secunderabad. (Transferor)
- (2) M/s. The Modern Cooperative House building Society Ltd., atits treasurer Sri V. Vee Rao, 4-1-624 at Troop Bazar, Hyderabad, V. Veerabhadra (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in survey No. 298/1 One acre 24 guntas situated at Malkajgiri village, Secunderabad registered vide Doc, No. 8660/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-East.

K. K. VEER Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-3-1980

Scal:

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 3rd March 1980

Ref. No. RAC. No. 563/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 298/1 situated at Malkaigiri Secunderabad,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hyderabad in August 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :-

(1) 1. S/Sri P. V. L. Thimma Raju,

2. P. S. Raju, 3. Ch. R. Raju,

4. K. R. Raju,
5. Smt. M. Janikamma,
all at 1/191 at Lingogignda, Secunderabad.

(Transferor)

(2) M/s The Modern Cooperative House Building Society, I td. its treasurer V. Veerabhadra Rao, H. No. 4-1-624 at Troop Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in survey No. 298/1 at Malkojgiri village, Secunderabad admeasuring One acre 25 guntas, registered vide Doc. No. 8797/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-East.

> K. K. VEER Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-3-1980

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1980

Ref. No. RAC. No. 564/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Mulgino 2-3-7 situated at M.G. Road, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in August 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- S/Sri A. V. Veerabhadra Rao,
 A. S. Jayakumar,
 A. T. Nagender, residing at 136-Prenderghat Road, Secunderabad.

 (Transferor)
- (2) Sri Shahbuddin, 55-M. G. Road, Secunderabad, (2-3-7 M. G. Road, Secunderabad). (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of premises No. 2-3-7 at M.G. Road, Secunderabud, admeasuring 277 Sq. Yds. registered vide Document No. 1904/79 in the office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(11 OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

^CQUISITION RANGE

Hyderabad, the 3rd March 1980

Ref. No. RAC. No. 565/79-80.-Whereas, I, K. K. VEER.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceedings Rs. 25,000/- and bearing

No. 2-3-8 situated at M.G. Road, Secunderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in August 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesold property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I berely initiate proceedings for the acquisition of the pforecaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

I. Sri A. V. Veernbadra,
 Sri A. S. Jayakumar,
 Mr. A. T. Nagender,

all at 136-Prenderghast Road, Secunderabad, (Transferor)

(2) Sri Abdul Rahaman, 55-M.G. Road, Secundera-(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: .-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of No. 2-3-8 at Mahatma Gandhi Road, Secunderabad, admeasuring 271 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 1897/79 in the office of the Sub-Registrar Secundera-

> K. K. VEER Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range. Hyderabad

Date: 3-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACOUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderobad, the 11th March 1980

Ref. No. RAC. No. 566/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 9-1-97 situated at S.D. Road, Secunderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad in July 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) I. S/Sri K. T. Natasimhachar,2. K. Ramchander,3. K. Venugopal,

4. Smt. P. Suvarna, all residing at premises No. 9-1-97 in Tatachari Compound, Sarojini Devi Road, Secunderabad

(Transferor)

(2) M's National Spiritual Assembly of BAHAIS OF India, Represented by Sri G. A. Amrelinwala, at 6-Canning Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building No. 9-1-97 at Tatachary compound at Sarojini Devi Road, Secunderabad, admeasuring 820 Sq. Yds. registered vide Document No. 1657/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEFR

Competent Authore Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 11th March 1980

Ref. No. RAC. No. 567/79-80.—Whereas, I, K. K.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3-4-827 situated at Santa Fiza Barkatpura,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of in the office of the Registering Hyderabad in July 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (2) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:--30--26G1/80

- 1. S/Sri A. Satayanarayana Raju,

 - K. Suryanarayana Raju,
 K. Suryana Satyanarayana Raju,
 - Viswanatha Raju,
 - M. Soma Raju,
 - Vishweshwara Ramachandra Raju,
 - K. Satyanarayana Raju, M. Tirupathi Raju,

 - 9. P. Suryanarayana Raju, 10. P. Sreerama Raju,
 - P. Venkata Subryananya Chalapathi Jawaharlal,
 P. Venkata Krishnam Raju, all at Kothapeta,
 - East-Godawari.

(Transferor)

(2) Smt. Ratnamala Kesari, W/o Sri Laxminarayana Kesari H. No. 3-2-198 at Nimbowliadda, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building M. No. 3-4-827 situated at Barkatpura, Hyderabad, admeasuring 1279 Sq. Mts. registered vide Document No. 3940/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hydera-

K. K. VEER Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

Hyderobad, the 11th March 1980

Ref. No. RAC. No. 568/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 4-1-938/R-6 to R-20 situated at Tilak Road, Krishna Complex, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in August 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Sree Krishna Construction Co., 5-8-612 Abid Road, Hyderabad, Represented by Sri Kailash-charan.

(Transferor)

(2) Smt. Nascerunnisa, 23-2-442 at Mirjumla Tank, Hyderabad. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hail in premises No. 4-1-938/R-16 to R-20 on 3rd floor, at Krishna Complex, Building, Tilak Road, Hyderabad, registered vide Document No. 4998/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-3-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

Hyderabad, the 11th March 1980

Ref. No. RAC. No. 569/79-80.—Whereas, I. K. K. VEER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 1-9-327/2 situated at Vidyanagar, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad in July 1979,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any jucome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri B. P. Ananda Rao, 16-2-674/5 at Judges Colony Malakpet, Hyderabad.

 (Transferor)
- (2) Sri Atmakuri Krishna Murthy, 1-9-327/2 at Vidyanagar, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used beroin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M. No. 1-9-327/2 admeasuring 600 Sq. Yds. at Vidyanagar Hyderabad, registered vide Doc. No. 4347/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-3-1980

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 11th March 1980

Ref. No. RAC. No. 570/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Q. No. 26-F-1 situated at Mallapally, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Khairtabad in July 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri J. Narasimham, 3-6-413 P.O. Himayatnagar, Hyderabad, (Flat B-26/F1, Ground pally, Hyderabad). (Transferor)
- (2) Smt. P. Neelaratnam Kumari, B-26-R-I Mallapally, Hyderabad, (H. No. 10-2-318/38 in Mallappally, Hyderabad). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Quarter No. 26-F-1 ground floor in M. No. 10-2-318/38 at Mallapally, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2072/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 11th March 1980

Ref. No. RAC. No. 571/79-80.--Whereas, I, K. K. VEER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 25,000/- and bearing

No. Plot of land situated at Eaddiannaram, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in July 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- S/Sri J. H. Krishnamurthy,
 J. M. Devdutt,
 J. M. Ashok Dutt, all residing at 127 Hyderbasti, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Dr. M. Janardhan Reddy, 23/3 at RT, Barkatpura, Hyderabad, G.P.A. Sri M. Manick Reddy, Advo-cate, R/o Armoor, Nizamabad-Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- interested in the said (b) by anv other person immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land admeasuring 1050 Sq. Yds. at Gaddiannaram, Osmangadh, Hyderabad, registered vide Document No. 3997/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

> K, K. VEER Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 11th March 1980

Ref. No. RAC. No. 572/79-80.--Whereas, I, K. K. VEER.

Competent Authority under Section 269B of being the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open land situated at 5-1-680, Bank Street, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in July 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate, proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-Ing persons, namely :--

- (1) 1. S/Srl S. Raghawan, Plot No. 7 Srenagar Colony, Hyderabad.
 - S. Ranghanathon,

 - Rajalakshmi,
 Smt. Veda Parthasarathy,
 - 5. Sri Ranjet Raghwan, 6. Dilip Ranganathan,

 - 7. Pradeep Ranganathan, 8. Sandeep Ranganathan,
 - (S. No. I, H. No. 5-1-680 Bank Street, Troop Bazar, Hyderabad).

(Transferors)

 1. Smt. Brij Bala Rajaendra Kumar, 2. Smt. Mona Arvind Kumar, W/o Arvind Kumar T. Dass, H. No. 4-3-328 R.K. Estate, Bank Street, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land under M.C. No. 5-1-680 at Bank Street, Hyderabad, admeasuring 250 Sq. Yds. registered vice Doc. No. 4403/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 11th March 1980

Ref. No. RAC. No. 573/79-80.—Whereas, 1, K. K. VEER.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Open plot situated at 5-1-680, Bank Street, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in July 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforessád property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri S. Raghawan, Plot No. 7 at Sreenagar Colony, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Gokulnathji Seva Trust, Represented by Managing Trustee, Sri Chabildass, 5-1-680 at Bank Street, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No. 5-1-680 (Portion) open yard, at Amrith Nivas, Building Bank Street, Hyderabad, admeasuring 315 Sq. Yds, registered vide Document No. 4299/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 11th March 1980

Ref. No. RAC. No. 574/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 3-2-372 situated at Chappal Bazar, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad in July 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilities the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initial proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Miss Rashida Mahamood, 8-3-235 at Yousufguda, Hyderabad. (Transferor)
- (2) 1. S/Sri Master B. Satyanarayana,

2. Master B. Srinivas,

 Master B. Nageshwar Rao, all residing at 3-2-372 at Chappal Bazar, Hyderabad (all are minors represented by their father, Sri B. Venkatram).

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Southern portion of H. No. 3-2-372 at Chappal Bazar, Hyderabad, admeasuring 460 Sq. Mets. registered vide Document No. 4446/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-3-1980

Scal:

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF 'THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE HYDERAΒΛD

Hyderabad, the 11th March 1980

Ref. No. RAC. No. 575/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER.

being the Competent Authority under Section

259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Port. 3-2-372 situated at Chappal Bazar, Hyderabad, and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad in July 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax -Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—31—26GI/80

- (1) Mrs. Mehboob Nasrullah, "Dinath Court" Pachkanwala Road, Bombay. (H. No. 8-3-235 at Yousufguda, Hyderabad). (Transferor)
- (2) Smt. B. Anjani Bai, 3-2-372 at Chappal Bazar, Hyderabad, (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Northern portion of H. No. 3-2-372 at Chappal Bazar, Hyderabad, admeasuring 450 Sq. Mets. registered vide Document No. 4447/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEHR.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderobad, the 11th March 1980

Ref. No. RAC. No. 576/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-4-247/E situated at Kachiguda, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in July 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Sri V. Venkaterathnam, S/o late V. Laxminarayan, H. No. 3-4-247 at Kachiguda, Hyderabad.
- (2) 1. Smt. R. Pramila Devi W/o R. Babulal R/o (Navandgi) Tandur-Tq, Hyderabad Boshirabad Dist.

R. Niralel,

 Dr. R. Ramprasad,
 R. Biharialal,
 R. Subhash, all residing at Bashirabad, (Navandgi) Tandur-Tq, Hyderabad Dist, (Rangareddy-Tyber Parkers, 1988) Dist.)

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of house No. 3-4-247/E, portion No. I, Kachiguda, Hyderabad, registered vide Document No. 4038/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K, K, VEER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 11th March 1980

Ref. No. RAC. No. 577/79-80.—Whereas, I, K. K.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Port 3-4-247 situated at Part-III, Kachiguda, Hydera-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in July 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- Sri V. Satyanarayana, S/o late V. Laxminarayan, H. No. 8-3-320/1/7 at Yousufguda, Hyderabad. (Transferor)
- (2) 1. Smt. R. Pramila Devi, W/o R. Babulal,

 Sri R. Hiralal,
 Dr. R. Ramprasad,
 R. Biharilal,
 R. Subhash, all residing at Bash (Navandgi) Tandur-Tq., Rongareddy-Dist. Bashirabad. (Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of H. No. 3-4-247-E, Portion No. 3, admeasuring 78 Sq. Yds. at Kachiguda, Hyderabad, registered vide Document No. 4042/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

> K. K. VEER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 11th March 1980

Ref. No. RAC. No. 578/79-80.-Whereas, I, K. K. VEER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Port 3-4-247/E situated at Port 2-Kachiguda Hyderabad.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in July 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:--

(1) Srl V. Sitaramanarayan, late narayan, H. No. 1-4-879/96 at Gandhinagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1. Smt. R. Promila Devi W/o Sri R. Babulal,

R. Hiralal,
 Dr. R. Ramprasad,

4. R. Biharilal, 5. R. Subhash, all residing Bashirabad, (Navandgi), Tandur-Tq. Rangareddy-Dist.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of house M. No. 3-4-247/E portion No. 2 admeasuring 88.22 Sq. Yds. registered vide Document No. 4039/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad. Property situated at Kachiguda, Hyderabad.

> K. K. VEER Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-3-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD

Hyderabad, the 11th March 1980

Ref. No. RAC. No. 579/79-80.--Whereas, I, K. K. VEER.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Port 3-4-247/E situated at Port No. 4 Kachiguda, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in July 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri V. Subbu Narayan, S/o late V. Laxminarayan, H. No. 3-4-247 at Kachiguda, Hyderabad.

Transferor)

- (2) 1. Smt. R. Pramila Devi W/o Sri R. Bebulal,
 - 2. R. Hiralal,
 - 3. Sri Dr. R. Ramprasad,
 - 4. R. Biharilal,
 - Sri R. Subhash, all residing at Bashribad, (Navandgi), Tandur-Tq. Rangareddy-Dist.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House M. No. 3-4-247/E Portion No. 4, admeasuring 78 Sq. Yds. registered vide Document No. 4040/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-3-1980

Sri V. Srinarayan, S/o late V. Laxminarayan, H. No. 3-4-247 at Kachiguda, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderobad, the 11th March 1980

Ref. No. RAC. No. 580/79-80.—Whereas, I, K, K. VEER.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Port 3-4-247/E situated at Port No. 6 at Kachiguda, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad in July 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(2) 1. Smt. R. Pramila Devi, W/o Sri R. Babulal,

2. Sri R. Hiralal, 3. Sri Dr. R. Ramprasad, 4. Sri R. Biharilal, 5. Sri R. Subhash, all Sri R. Subhash, all residing at Bashirabad, (Navandgi) Tandur-Tq, Hyderabad. Dist. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion No. 3-4-247/E, portion No. 6 admeasuring 86 Sq. Yds. at Kachiguda, Hyderabad, registered vide Document No. 4041/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

> K. K. VEER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 11th March 1980

Ref. No. RAC. No. 581/79-80.—Wherens, I, K. K, VEER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Port of 1-4-191 situated at Bakaram, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on July 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri G. B. V. Rama Reddy, S/o G. B. K. Reddy, H. No. 1-4-191 at Bakaram, Hyderabad.
 (Transferor)
- (2) Sri Syed Inamur Rahim, H. No. 1-4-489 at Bakara, Hyderabad.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Front portion of H. No. 1-4-181 to 194 at Baparam, Hyderabad, admeasuring 281.20 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 4142/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-3-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th March 1980

Ref. No. RAC. No. 582/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Port of 1-4-181 to 194 Bakaram situated at Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri G. B. V. Rama Reddy, H. No. 1-4-191 at Bakaram, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Sri Syed Fakruddin Ahmed S/o Syed Moinuddin Ahmed H. No. 1-4-489 at Mushirabad, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rear portion of H. No. 1-4-181 to 194 at Bakaram Hyderabad, and open land Compound wall of H. No. 1-4-179, registered vide Document No. 4144/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-3-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th March 1980

Ref. No. RAC. No. 583/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Port of 1-4-181 to 194 situated at Bakaram, Hydernbad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
32—26GI/80

(1) Sri G. B. V. Rama Reddy, H. No. 1-4-191 at Bakaram, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Syed Ikramur Rahim S/o Sri Syed Fakruddin Ahmed, H. No. 1-4-489 at Musheerabad, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Middle portion of H. No. 14-181 to 194 at Bakaram, Hyderabad admeasuring 204.55 sq. yds. registered vide Document No. 4143/79 in the office of the Ioint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th March 1980

Ref. No. 1018.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. situated at Gandhi Prakash Nagar Rajamundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rahahmundry on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Addepalli Nageswar Reo, General Power of Attorney Holder of Naraharasetty Padmaja Radhakrishna, Danavaipeta, Rajahmundry.

(Transferor)

(2) Sri Attili Koteswar Rao, Gowtami Textile Industries and Sales Corporation, Rajahmundry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovabe property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the Registered Document No. 4076 registered before the S.R.O. Rajahmundry during the Fortnight Ended 31-8-1979.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 12-3-1980

(1) Smt. N. Subbamma w/o Shri Venkataratnam, Guntur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Attili Kotcswar Rao, Gowthami Textile Industries and Sales Corporation, Rajahmundry. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th March 1980

Ref. No. 1019.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. situated at Gandhi Prakash Nagar Panchayat Rajahmundry

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Rajahmundry on Sept. 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the Registered Document No. 4354/79 registered before the S.R.O. Rajahmundry during the Fortnight ended 15-9-1979.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 12-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th March 1980

Ref. No. 1020.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 29-3-24 Cherukupalivart St. situated at Arundalpet Vijavawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Vijayawada on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Chandanapu Ratnabai w/o Shri Ramadas, Durgapuram, Vijayawada. (Transferor)
- (2) Sri Kotha Satyanarayana s/o Shri Ayyappa, Vijaya Dress Co. Besant Road, Vijayawada. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the Registered Document No. 4438/79 registered before the S.R.O. Vijayawada during the fortnight ended 15-7-1979.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 12-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th March 1980

Ref. No. 1021.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 16/259 situated at Satyanarayanapuram Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sri Kuricheti Krishnamurthy, Mandenapuvari Veedhi, Satyanarayanapuram, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Smt. Sadhu Ramalakshmamma w/o Shri Pullayya, Pulipativari Veedhi, Vijayawada, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the Registered Document No. 5765/79 registered before the S.R.O. Vijayawada during the fortnight ended 30-8-1979.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 12-3-1980

 Sti Konakunchi Gopalkrishnamurthy, Kothapet, Near Lawyerspet, Ongole.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) (1) Mr. Battina Narasimha Rao,

(2) Mr. Battina Prakasa Rao C/o Dwaraka Hotel, Near Addanki Bus stand, Ongole.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th March 1980

Ref. No. 1022.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 175 situated at Ongole

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ongole on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the two Registered Document No. 1259 and 1449 registered before the S.R.O. Ongole during the fortnight ended 31-7-1979.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 12-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th March 1980

Ref. No. 1023.-Whereas I, K. K. VEER being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/316 situated at Kalekanpeta, Machilipatnam, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Machilipatnam on July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kantheti Narayana Rao Representing M/s. Siva Rice and Oil Mill Machilipatnam.

(Transferor)

(2) Sri Kollipara Varaha Narasimha Murthy, representing M/s Sri Mahalakshmi Boiled Rice and Groundnut Oil Mill Co. Machilipatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1870/79 dated July '79 registered before the S.R.O. Machilipatnam.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asset. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 12-3-19

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th March 1980

Ref. No. 1024.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12-1-44 situated at Ramaraopet Kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on August '79

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the scheet of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri K. P. Israil, Bypass Road, Pithapuram.
 (Transferor)
- (2) Smt. Darapureddi Suramma, W/o Venkannu, Rasole, East Godavari Dt. (Transferee)

Objections, if any, to h: acquistion f the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document 6581/79 dated August '79 registered before the S.R.O. Kakinada.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspect ng Asstt. C mmissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 12-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th March 1980

Ref. No. 1025.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 10-7-38 situated at Near Forest Office, Ramaraopet, Kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 31-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
33—26GI/80

(1) Smt. Tadanki Venkataramanamma, C/o Sri Aluri Krishna Murthy, Advocate, Near Main Bazar, Opp. Karanam's office, BAPATLA.

(Transferor)

(2) Sri Piratla Lakshmanamurthy, (ii) Sri P. Banumurthy, (iii) Mrs. P. Bapanamma and (iv) Mrs. Krishna Suryakumari, Pittapuram. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 6425/79 dated August '79 registered before the S.R.O. Kakinada.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 12-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th March 1980

Ref. No. 1027.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Ramanaikpota situated at Kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per

deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kakinada on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or
- (2) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sri Kuppa Ramkrishna S/o Subbarayudu, Laxmi Agencies, Main Road, Kakinada. (Transferor)
- (2) Sri M. V. V. Satyanarayana Rao, Managing Partner, M/s K. V. R. Industrics, C/o Gopal Auto Service, Kakinada. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the Registered Document No. 5236/79 registered before the S.R.O. Kakinada during the Fortnight ended 30-7-79.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabad,

Date: 12-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Ludhiana, the 7th March 1980

Ref. No. 1028.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. /Asstt. No. 2080 situated at Seshadri Street. Vljavawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayada on July '79

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Sri Gundala Pularao, Smt. Rajeshwari, Someshwar Rao, Smt. Vijayakumari, Radha Kumari, and Pullamma, all residing at Governpeta, Vijayawada. (Transferor)
- (2) Bumisetty Maneshwar Rao, Smt. B. Sathavathi, B. Niranjan Rao, residing at Besant Road, Vijayawada.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as per the Schedule deeds vide Document No. 4798/79, 4749/79 and 4750/79 in the office of the Sub-Registrar Vijayawada.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 14-3-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th March 1980

Ref. No. 1029.—Whereas I, K. K. VEER being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. No. 178/1/B situated at Vemulapally,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mandapeta, on August '79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Cherukuri-Vijayatamaraju, & 8 others, R/o Dwarapudi, East Godawari-Dist.

 (Transferor)
- (2) Sri Seetharama Bolled raw Rice & Floor Mill at

Vemulapally, near Dwarapudi, E. G. Dist. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

As per the sale deed vide Document No. 1750/79 Registered in the office of the Sub-Registrar Mandapeta.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hydernbad.

Date: 14-3-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th March 1980

Ref. No. RAC. No. 584/79-80.—Whereas, J K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/and bearing

No. 3-6-69/B/22 situated at Murlidhar Bagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on July '79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inlitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri M. Pattabhiram, H. No. 62 3rd Main Road, Kasturi Bainagar Adair, Madras-20. (Transferor)
- (2) Sri K. Jagan Mohan Rao Sri K. Jagdishwar Rao, H. No. 3-6-69/B/22 at Avanthinagar, Murlidhar Bagh, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor portion of building No. 3-6-69/B/22 at Hyderguda Hyderabad, registered vide Document No. 4078/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 15-3-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th March 1980

Ref. RAC.N. 585/79-80.-Whereas, 1 K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-6-69/B/22 situated at Hyderguda, Hyderabad situated at Sarabha Nagar, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July '79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to

between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sri M. Pattabhiram, 63—3rd Mainroad, Kasturbanagar Adayar, Madras-20. (Transferor)
- (2) Dr. K. Nanumantha Rajan, H. No. 3-4-784 at Kumargali Nizamabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ist floor portion of the building bearing M. No. 3-6-69/B/22 Hyderguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 4079/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 15-3-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th March 1980

Ref. No. RAC. No. 586/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. A-7 situated at Domalguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Hyderabad on July 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Y. V. Shyam Sundar Rao, G.P.A. Smt. Y. P. Anasuyamma, 26-Jeera, Secunderabad.

(Transferor)

(2) M/s Raja Apartments, Managing partner Sri K. Raja Mouli, at Osmanshai, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open pot No. A-7, 1/5th share admeasuring 134.4 Sq. Mets. situated at Gaganmahal, Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 4073/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 15-3-1980.

FORM FING-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th March 1980

Ref. No. RAC. No. 587/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. A-7 situated at Domalguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July '79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269O of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri Y. Sectaramanjaneyulu, 26-Jecra, Secunderabad. (Transferor)
- (2) M/s Raja Appartments" Managing partner Seri K. Raja Mouli, R/o Osmanshai, Hyderabad.

 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE "

1/5th share in Plot No. A-7 situated at Domalgudat Hyderabad, registered vide Document No. 4074/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 15-3-1980,

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Y. Anasuya, W/o Y. V. Subba Rao, 26-Jeera, Secunderabad.

(Transferor)

(2) M/s Raja Appar(ments, Managing partner Sri K. Raja Mouli, R/o Osmanshai, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th March 1980

Ref. No. RAC. No. 588/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. A-7 situated at Domalguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th share in plot No. A7, admeasuring 134.4 Sq. Mets. situated at Gaganmahal, Road, Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 4072/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

34—26GI/80

Date: 15-3-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th March 1980

Ref. No. RAC. No. 589/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 74 situated at Nagarajupet, Cuddapah (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cuddapah on July '79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- S/Sti G. V. Subba Reddy, 2. Nagendra Reddy, 3. Ramana Reddy, 4. Sateshkumar Reddy, all sons of Sri G. Muneppa Reddy, Cuddapah.

 (Transferor)
- Sri Y. S. George Reddy, R/o Nagarajupet, Cuddapah.
 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in survey No. 74 admeasuring 34 Cents at Nagarajupeta Cuddapah, registered vide Document No. 3348/79 in the office of the Sub-Registrar Cuddapah.

K. K. VEFR
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 15-3-1980

Seal ;

TART III -OLC. 1

FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

(2) Mohd. Abdul Waheed H. No. 1-23 at Ramanthapur Village, Hyderabad-East.

(1) Smt. Zahida Bee, W/o M. A. Gallar, H. No. 1-23

at Ramanthapur, village, Hyderabad-East.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th March 1980

Ref. No. RAC. No. 590/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. II. No. 1-23 situated at Ramanthapur village (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Hyderabad-East on July '79 consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believ that the fair value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforeshid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same used eing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M. No. 1-23, admeasuring 252.47 Sq. Yds. situated at Ramanthapur village, Hyderabad-East, registered vide Doc. No. 6667/79 in the office of the Sub-Registrar-East Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 15-3-1980.

FORM ITNS----

(1) Sri Ahmed Noorullah, 16-10-28, Malakpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) S/Shri Vinod Reddy, 2. Sri M. Sridhar Reddy, Madugula Village, Kalwakurthy-Tq, Mahboobnagar Dist.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th March 1980

Ref. No. RAC No. 591/79-80.—Whereas, I K. K. VEER. being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 9/1/B situated at Saroonagar village Hyd. (and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad East on July 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the preperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in survey No. 9/1/B, 2 Acrs at Saroonagar Village, Hyderabad-East registered vide Doc. No. 7453/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-East.

K. K. VBER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 15-3-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th March 1980

Ref. No. RAC. No. 592/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 /- and bearing

No. S. No. 56 to 68 situated at Kishenguda Hyderabad East (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad-West on July '79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Sri T. Nanda Gopal S/o late T. Narasimhulu, H. No. 1-1-102/116 at Chikadpally, Hyderabad.
 - (Transferor)
- (2) Sri K. Lakshmana Rao, H. No. 1-8-509, Chikadpally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in survey No. 56 to 68, 13.8 Acres at Kishenguda, village, Hyderabad-West, registered vide Document No. 1496/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad West.

> K. K. VEER. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 15-3-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th March 1980

Ref. No. RAC. No. 593/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land S. No. 57, 59 situated at Kishenguda village Hyd-West

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad-West on July '79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sri T. Nanda Gopal, H. No. 1-1-102/116 at Chikkadpally, Hyderabad.
 - (Transferor)
- (2) Sri K. Venkata Rao, 1-8-509 at Chikkadpally, Hyderabad. (Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as a e-defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land survey No. 57, 59, 69 aren, 11.33 Acres, situated at Kishenguda, Hyderabad, registered vide Docu. No. 1496/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-West.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 15-3-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th March 1980

Ref. No. RAC.No. 594/79-80.—Whereas, I. K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 65, to 68, 20 situated at Kishenguda Hydcrabad-West (and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-West on July 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Sri T. Nanda Gopal, H No. 1-1-102/116 at Chikapally, Hyderabad.

(Transfero)

2. Sri K. Bhaskara Rac, 1-8-509 at Chikapally, Hydera-bad.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land in survey No. 65 to 68, area 20 Acres, situated at Kishenguda, Hyderabad-West, registered vide Doc. No. 1496/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-West.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons namely :--

Date: 15-3-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th March 1980

Ref. No. 595/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing No.

6-3-1218/6/2/A situated at Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Khairtabad on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said vet, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Qaiba Farzana, P/r M/s A. P. Construction Co.. 10-3-304/12 at Humyaunnagar, Hyderabad. (Transferor)
- 2. Sri M. A. Gaffar, 16-9-581/I at Old Malakpet, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 6-3-1218/6/2/A at Begumpet, Hyderabad, registered vide Document No. 1982/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 15-3-1980

Seal;

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME- \mathbb{NAN} ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th March 1980

Ref. No. RAC, No. 596/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land S. No. 311/1 situated at Karmanghat Village, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-East on July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

instrument of transfer with the object of :--

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-35-26GI/80

1. Sri Abdul Rahman, "Syed Manzil" Lingojiguda, Hyderabad-East-Tq,

2. Sml. K. Hamasaveni, W/o K. Venugopal Feld., H. No C/145, IDPL, Colony, Hyderabad. (Transfero.)

 M.'s Revathi Tobacco Co., Pvt. I.td., Managing Director Sri M. Kishen Rao, H. No. 10-2-262, to 263 at Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land total area 5.13 Acrs part of survey No. 311/1 situated at Karmanghat village, Hydetabad, registered vide Document No. 6935/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad East.

> K. K. VEER, Competent Authority. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 15-3-1980

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th March 1980

Ref. No. RAC No. 597/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

6-4-454 Plot No. 143/A situated at Bholakpur Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Secunderabad on July 1979

market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Vadde Moina Ramaswami H. No. 6-4-454 New Bholakpur Secunderabad,
 - (Transferor)
- Sri Suresh Kumar Agarwal, 2. Ravinder Kumar Agarwal, (Minors) mother guardian Smt. Kalavathi Satyabhama Agarwal, H. No. 6-4-465 New Bholakpur, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No. 6-4-454 on plot No. 143/A admeasuring 293.94 Sq. Yds. situated at Bholakpur, Secunderabad, registered vide Doc. No. 1787/79 in the office of the Sub-Registrat Secunderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 15-3-1980

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th March 1980

Ref. No. RAC. No. 598/79-80.—Whereas, I K. K. VEER. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 share in situated at Rice Mill Vecraredypally (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirvel on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Poluru Rosaiah, 2. K. Nagisetty, 3. Batchu-Venkata Ramaiah, 4. Dr. Pullaiah, 5. Chinna Pulliah, 6. Vankakadara Nagisetty, all partners in M/s Sti Veeranjaneya Rice Mill, Veerareddyapply, Allagadda-Tq Kurnool-Dist.

(Transferor)

 Sri Mooddala Chinna Narayana, 2. Moodala Venkateswarlu, R/o Yellapalem-villg. Giddaluru-Tq, Prakasham-Dist.

(Transfere

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

1/2 share in Rice Mill factory, building and Godowns at Veerareddypally, village, Allagadda-Tq, Kurnool-Dett, registered vide Doc. No. 1259/79 in the office of the Sub-Registrar Sirvel.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 15-3-1980.

FORM TINS-

 Sri S. V. Narsaiah, R/o Raj Mahal Vilas, Eastate, Bangalore-6. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Smt. Suguna, 6-3-252/4/2 at Erram Manzil, Hyderabad. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th March 1980

Ref. No. RAC. No. 599/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land S. No. 100 situated at Miyapur Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad West on July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land in Survey No. 100 at Miyapur village, with Well, grape garden, Pump-set, pipeline etc., registered vide Document No. 1507/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-West,

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 15-3-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th March 1980

Ref. No. RAC. 600/79-80.—Whereas, I, K. K. VIIIR, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

10-5-341/1 situated at Masab Tank Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1, Mrs. A. M. D'Souza, 5-9-302 at Gunfoundry, Hyderabad.

(Transferor)

 Sri Syed Azamathullah, 10-5-341/1 at Masab Tank, Hyderabad. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 10-5-341/1 at Masab Tank, Hyderabad, admeasuring 423 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 3853/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 15-3-1980.

1. Sri M. Anand, 62-Panjagutta, Officer's Colony, Khairtabad, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Sri Harishchandra Dhawan, 4-1-624 at Troop Bazar, Hyderabad. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

ACOUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th March 1980

Ref. No. RAC. No. 601/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 133 situated at Asifnagar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabac on July 1979

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesuid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 133 admeasuring 894 Sq. Yds. situated at Dattatreya Co-operative Housing Society in S. No. 1/3 at Asifnagar, Hyderabad, registered vide Document No. 2054/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

> K. K. VEER, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 15-3-1980.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th March 1980

Ref. No. RAC. No. 602/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Port 5-8-371 situated at Nampally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. N. Radha Bai, Woo Sri N. Venkat Rama Reddy, R/o Bachannapet Village, Jangaon-Tq, Warangal-Dist. (Transferor)

Smt. K. Vyadehi Reddy, W/o Sri K. Murlidhar Reddy,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned—

H. No 18-4-242 at Aliabad, Hyderabad.

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 5-8-371 (Portion) situated at Fathe Sultan lane, Nampally, Hyderabad, registered vide Document No. 3828/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hydernbad.

Date: 15-3-1980.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Smt. Aliya Begum, 2. Sri Abdul Quadeer Siddiqui both residing at H. No. 5-6-247/2 at New Agapura Hyderabad.

(Tr: psferor)

 Sri Mohammed Shabir Ali, 11-1-149 at New Agapura, Hyderabad. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th March 1980

Ref. No. RAC. No. 603/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

3-6-390 situated at Himayatngar Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Northern portion of H. No. 3-6-390 in street No. 3 at Himayatngar Hyderabad, registered vide Document No. 4097/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Hydernbad.

Date: 15-3-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1. Smt. Aliya Begum, W/o late Hamidullah Siddiqui Sri Abdul Quadeer Siddiqui, 5-6-247/2 at New Agapura Hyderabad.

(Transferor)

 Sri Syed Yousuf, S/o late Syed Abdul Qani H. No. 5-5-715 at Goshamahal, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th March 1980

Ref. No. RAC. No. 604/79-80.—Whereas, I.K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing No.

Port. 3-6-390 situated at Himayatnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of premises No. 3-6-390 street No. 3, Himayatnagar Hyderabad, admeasuring 335 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 4295/79 in the office of the Joint Sub-Regist. Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 15-3-1980.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:

[PART III—SEC.]

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th March 1980

Ref. No. RAC. No. 605/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Port, 4-2-78 situated at Sultan Bazar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on July 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sti Anii Agarwal, S/o Sri Ganeshial Agarwal H. No. 4:2 78 at Sultan Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

 Sti Narayandas-T. Hasjani, Slo Sri Jethanand, H. No. 15-4-239 at Osman Shai Chaman, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Eastern portion of the House, No. 4-2-78 at Chunnilal Bagh Sultan Bazar, Hyderabad, registered vide Doc. No. 3918/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 15-3-1980.

FORM ITNS----

(1) Sfl Anif Agarwal, H. No. 4-2-78 at Sultan Bazal Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Sri Govind Rao, 2. Sunder, 3. Massaram. 4
Raju, all residing at H. No. 4-5-920 at Sultan
Bazar, Hyderabad.

(Transfree)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th March 1980

Ref. No. RAC. No. 606/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 4-2-77 situated Sultan Bazar Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion in premises No. 4-2-77 at Chunnilal Bagh, Sultan Bazar Hyderabad, registered vide Document No. 3917/79 in the office of the Joint Sub-Rgistrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex.
Acquisition Rang, Hyderabad.

Date: 15-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th March 1980

Ref. No. RAC. No. 607/79-80,---Whereas, I.K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 666/1 situated at Khapra Village Medchal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Medchal on July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid enceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) 1. Smt. G. Balamma, W/o Thukaji, 2. G. Ramchander, both residing at Khapra Village Medchal-Tq, Rangareddy-Dist.

(Transferor)

(2) 1. Sri T. Shivkumar Goud, S o T. Sambaih, 2. S. Vamsi Krishna (Minor) S/o Sankri Ramdas, R/o 65-S. P. Road, Secunderabad (H. No. 2-2-140 at M. G. Road, Secbad.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in survey No. 666/1 area 18.15 Acrs, situated Khapre village, Medchal-Tq, Rangareddy-Dist registered vide Document No. 1446/79 in the office of the Sub-Registrar Medchal.

> K. K. VEER Competent Authority. Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax. Acquisition Rang, Hyderabad,

Date: 15-3-1980

(1) Sri Syed Rahmat Ali, 12-2-44 at Muradnagar, Hyderabad. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Batul Hashin W/o Mr. Athur Hussain, H. No. 3-5-902 at Himayatnagar, Hyderabad. (Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th March 1980

Ref. No. RAC. No. 608/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8-2-120/86/5/A situated at Banjara Hils Hyderabad fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Educatebad on July '79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the putposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 8-2-120/86/5/A at Road No. 2 Banjara Hills, Tyderabad, registered vide Doc. No. 2094/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 15-3-1980

PART III-SEC. 1

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Sri P. Krishna Raju, H. No. 16/3RT, Panjagutta, Colony Hyderabad. 2. Smt. Mantena Anasuya, W/o M. Prasad Raju, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt Durreshahwar, W/o Dr. Yousuf Hussain, H. No. 11-5-338 at Red Hills, Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th March 1980

Ref. No. RAC. No. 609/79-80.—Whereas, I K. K. VEER being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land S. No. 177/36 situated at Aziznagar village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad West on July '79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the days of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land in Survey No. 177/34 and 177/36, A&B at Aziznagar village, Hyderabad-West, registered vide Document No. 1552/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-West.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 15-3-1980.

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th March 1980

Ref. No. RAC. No. 610/79-80.—Whereas, I K. K. VEI'R, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1-18-87 to 95 situated at Gun Bazar Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Kailash Yadamma W/o late Kailash Rajalah, H. No. 5-1-206 at Old Ghasmandy, Secunderabad.
- (2) Smt. Lateef Bec W/o Mr. Mohd. Ismaial, H. No. 2208 Old Bhoigudn. Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1-18-87 to 1-18-95, at Gun Bazar, Secunderabad admensuring 333 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 1865/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 15-3-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT; 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 26th March 1980

Ref. No. LDH/226/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

a shop bearing M. No. B-II-381 situated at near Shiv Dayal Market, Chaura Bazar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesuid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in resect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any meame or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Mrs. Amro Devi D/o Shri Gokal Chand through Shri Sadhu Ram S/o Shri Daulat Ram, R/o Surinder Nagar. I udhiana.

(2) S/Shri Arjan Dass and Joginder Pal Ss/o Shri Daulat Ram r o House No. 354, mohalla Sati Sudan, Ludhiana. C/o M/s Arjan Dass, Joginder Paul. Halwai Near Shiv Dayal Charitable Trust Chaura Bazar, Ludhiana.

(Transferce)

(3) S/Shri Prem Parkash and Pawon Kumar Ss/o Shri Ram Kishan S/o Shri Jamna Dass, House No. B-IX-691. Reri Mohalla, Ludhiana,

(Person in occupation of the property)

Objection if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

A shop bearing Municipal No. B-II-381, Shiv Dayal Market, Chaura Bazar, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 1901 of July 1979 of the Registering Authority, Ludhianer).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Iudhiana

Date: 26-3-1980